आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

# तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 1 दिसंबर 2025 ■ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-11 ■ वर्ष -41 ■ अंक-242 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 2 दिसंबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये


## संक्षेप

### श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो पेड़ टकराई,1 की मौत

**सूरजपुर,1 दिसंबर।** ओड़गी थाना क्षेत्र के बांक में बीती रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें दर्शनार्थियों से भरी बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा भिड़ी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए. इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं. जानकारी के अनुसार, 8 श्रद्धालु मध्यप्रदेश के कुंभिया गांव से कुदरगढ़ धाम दर्शन करने आए थे. दर्शन कर लौटते समय बांक क्षेत्र में यह दुर्घटना हो गई. इस हादसे में 1 की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और 3 यात्रियों को मामूली चोटें आईं हैं. घटना की सूचना मिलते ही ओड़गी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है. फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

### 33 टन मक्का लेकर फरार ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

**जगदलपुर,1 दिसंबर।** भानपुरी थाना क्षेत्र में एक बड़े कृषि धोखाधड़ी मामले का खुलासा हुआ है. किसान का 33 टन मक्का लेकर फरार हुए ट्रक चालक रहिमन टीकमदास को पुलिस ने आंध्रप्रदेश से गिरफ्तार किया. आरोपी कृषि उपज को ओडिशा और आंध्रप्रदेश में बेचने की फिराक में था. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने विशेष टीम बनाकर गोलागुंडम थाना क्षेत्र में दबिश दी और आरोपी को पकड़ा. आरोपी अब तक कई कारोबारियों को ठग चुका है. पुलिस ने उसके पास से करीब 6 लाख का मक्का और 20 लाख रुपए का ट्रक बरामद किया है. आरोपी के बैंक खाते भी सीज कर दिए गए हैं. पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य पीड़ितों को भी न्याय दिलाया जाएगा. आरोपी को न्यायिक रिमांड में भेजा गया है.

### एनआईए ने जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में 8 जगहों पर की छापेमारी

**नईदिल्ली,1 दिसंबर ।** दिल्ली में गत 10 नवंबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास द्ब20 कार में हुए भीषण विस्फोट की जांच में जुटी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में कुल 8 जगहों पर छापेमारी की। इस छापेमारी के जरिए एजेंसी उन सबूतों की तलाश कर रही हैं जो जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल और दिल्ली विस्फोट मामले से जुड़े हो सकते हैं। छापेमारी में बरामदगी का विवरण अभी सामने नहीं आया है। रिपोर्ट के अनुसार, एनआईए ने सुबह कश्मीर के शोपियां में नदिगाम में गिरफ्तार मौलवी इरफान के घर पर छापेमारी की। पुलवामा के मलंगपोरा में डॉ अदील और डॉ मुजम्मिल के घरों पर भी तलाशी ली है। इसी तरह संबूरा (पुलवामा) में आमिर के घर पर भी छापेमारी की गई है। एनआईए की एक टीम ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी एक संदिग्ध के घर छापा मारा है। शुरुआती जांच में मौलवी इरफान अहम कड़ी नजर आ रहा है।

बता दें कि अदील राठोर और मौलवी इरफान इस समय एनआईए की हिरासत में है। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टर और मौलवी इरफान को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। सभी चार आरोपियों मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ मौलवी इरफान को प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया था। उनसे पूछताछ पूरी हो चुकी है।

## 'उम्मीद' पर अपलोड नहीं किया वक्फ संपत्ति का ब्यौरा तो होगी सजा: सुको

**नई दिल्ली,1 दिसंबर।** वक्फ की संपत्तियों की डीटेल 'उम्मीद' पोर्टल पर अपलोड करने की समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे संबंधित ट्राइब्यूनल में जाकर अपनी बात रखें। बता दें कि समय सीमा बढ़ाने वाली याचिकाओं में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोल्ड और AIMIM नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका भी शामिल थी। वक्फ संपत्तियों का ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 5 दिसंबर तक का समय दिया गया है। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति या संस्था को सजा भी हो सकती है।इससे पहले 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को पूरी तरह से स्थगित करने से इनकार कर दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर रोक लगाई थी। नियमों के मुताबिक वक्फ संपत्ति ना अपलोड करने वालों को छह माह की सजा और 20 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। जो लोग संपत्तियों को पोर्टल पर दर्ज नहीं करवाएंगे उनकी संपत्ति का दर्जा खत्म कर दिया जाएगा और बाद में केवल वक्फ ट्राइब्यूनल के आदेश पर ही दोबारा पंजीकरण किया जा सकेगा।

**रजिस्ट्रेशन की 6 महीने की समय सीमा बढ़ाने की याचिका खारिज**

## नये सभापतिजी ने कभी प्रोटोकॉल की चिंता नहीं की: मोदी

**नई दिल्ली,1 दिसंबर।** संसद का शीतकालीन सत्र-2025 आज (एक दिसंबर) से शुरू हो गया है। लोकसभा, राज्यसभा की कार्यवाही जारी है। राज्यसभा में नये सभापति सीपी राधाकृष्णन के आसन ग्रहण पीएम मोदी ने बधाई दी। राज्यसभा में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि शीतकालीन सत्र का आज शुभारंभ हो रहा है और आपका स्वागत करना सदन के हम सभी सदस्यों के लिए आपका स्वागत करना गर्व का विषय है. आपका मार्गदर्शन हम सबके लिए गर्व का विषय है। सदन के सभी सदस्यों की ओर से आपको बहुत बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। आपकी गरिमा की भी चिंता करेंगे। हम सभी सांसद मर्यादा रखेंगे। पीएम ने कहा, सभापतिजी (सभापति सीपी राधाकृष्णन) देश के बहुत कम लोगों को ऐसा अवसर मिलता है। आप कई राज्यों के राज्यपाल रहे। झारखंड में आदिवासी समाज के बीच जिस तरह से आपने अपना नाता बनाया, जिस तरह से छोटे गावों का दौरा करते, वहां के सीएम बहुत गर्व के साथ मुझसे मिलकर इसका जिक्र करते थे। हेलिकॉप्टर हो न हो, आप चले जाते थे। मैंने आपको कार्यकर्ता के रूप में, एक सहयोगी, एक सांसद, अलग-अलग पदों पर देखा है। मैंने देखा है कि लोगों प्रोटोकॉल के नीचे दब जाते हैं लेकिन आपका प्रोटोकॉल से कोई नाता ही नहीं रहा है।

**लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही शुरू**

**धर्मेंद्र, श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन पर लोकसभा में दो मिनट का मौन**-हीं लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सबसे पहले धर्मेंद्र, श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन की सूचना दी। बिरला ने राजस्थान के बीकानेर से 14वीं लोकसभा के सदस्य रहे धर्मेंद्र के साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल और तीन अन्य पूर्व सदस्यों के निधन की सूचना दी। स्पीकर ने सदन की ओर से पूर्व सदस्यों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और सदन में मौन भी रखा गया। राज्यसभा में सभापति के आसन पर नव निर्वाचित उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन पहली बार बैठे हैं। सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद संसद का यह पहला सत्र है। सीपी राधाकृष्णन का बतौर राज्यसभा सभापति यह पहला दिन भी है। इस मौके पर पीएम मोदी सदन में मौजूद रहें।

### देशहित में विपक्ष रचनात्मक योगदान दे

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुझे लगा था कि बिहार चुनाव खत्म हुए कुछ समय हो गया है, तो स्थिति बदल गई होगी। लेकिन उनकी बातें सुनकर लगता है कि हार की निराशा उन्हें अब भी परेशान कर रही है। ''पीएम मोदी ने विपक्ष से अपेक्षा जताई कि वह शीतकालीन सत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाए, सार्थक मुद्दे उठाए और पराजय की निराशा से बाहर आए। उन्होंने कहा, ''यह सत्र इस बात पर केंद्रित होना चाहिए कि संसद देश के भविष्य के लिए क्या सोचती है और क्या करना चाहती है।''

## बीएलओ से मारपीट,महिला के खिलाफ एफआईआर

**रायपुर,1 दिसंबर।** मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान बीएलओ के साथ अभद्रता और मारपीट का मामला अब औपचारिक शिकायत के बाद और गंभीर हो गया है. रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र में पीड़िता वंदना सोनी (54), निवासी शक्ति नगर उपरपारा, ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है. वंदना सोनी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 50 की बीएलओ हैं और मतदाता सूची सुधार कार्य कर रही थीं.जानकारी के मुताबिक, बीएलओ वंदना सोनी एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है. घटना के बाद उन्होंने आरोपी महिला के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई. बीएलओ ने महिला पर आरोप लगाया है कि जब वह अपने सहयोगियों (मितानिन, आंगनबाड़ी सहायिका) ईश्वरी तिवारी और रामेश्वरी देवांगन के साथ SIR का कार्य कर रही थीं, तभी मोबाइल नंबर 94252-86791 वाली महिला खम्हारडीह से वहां पहुंची और पहुंचते ही शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए उनके सहयोगियों, पति और बेटे के साथ गाली-गलौज की तथा हाथापाई करते हुए मुक्के मारे.

वंदना ने बताया कि महिला ने पास में रखी रेत उठाकर फेंकी और उनके बेटे के साथ भी मारपीट की. बाद में मोहल्ले वालों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला. इससे पहले इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें बीएलओ के साथ अभद्रता होती दिख रही है. लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की सुरक्षा और अधिकारियों की कार्य परिस्थितियों पर सवाल खड़े कर रही हैं.

## हार की हताशा वाली बात पर भड़का विपक्ष

**नई दिल्ली,1 दिसंबर।** संसद के शीतकालीन सत्र में सदन से बाहर ही पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से दिए गए बयान पर हंगामा शुरू हो गया है। पीएम मोदी ने सदन में जाने से पहले मीडिया से बात की और विपक्ष से संवाद की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने बिहार चुनाव के नतीजों की बात करते हुए हार की हताशा वाला तंज कस दिया था। पीएम मोदी ने कहा था कि मैं अपील करूंगा कि हार की हताशा से बाहर निकलकर संसद में कामकाज करने दिया जाए। उनका कहना था कि विपक्ष को हार की हताशा से उबरते हुए संसद में चर्चा करनी चाहिए और महत्वपूर्ण विषयों पर बात हो। इसे लेकर विपक्ष पूरी तरह हमलावर है। आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि पीएम मोदी खुद किस हताशा में हैं। उन्होंने कहा, 'पीएम ने यदि इस तरह बोला है कि विपक्ष हार की हताशा में है तो फिर वे किस हताशा में हैं। आप के अंदर कौन सी हताशा है। चुनाव मौलिक मुद्दों पर ना लड़कर कट्टा, भैंस और मुजरा जैसी बातें कहीं। क्या यह प्राइम मिनिस्टर की गरिमा है।' यही नहीं केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका वाड्रा ने भी पीएम मोदी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दे उठाना कब से ड्रामा करना हो गया। उन्होंने कहा कि कई गंभीर मसले हैं। चुनाव की स्थिति, एसआईआर और पलूशन बड़े मुद्दे हैं। इन मसलों पर बात होनी चाहिए। आखिर संसद किसलिए होती है। मुद्दे उठाना ड्रामा तो नहीं है। ड्रामा यह है कि चर्चा ही नहीं करने दिया जाता। लोकतंत्र की हद में रहकर जनता के मसले उठाना तो कोई ड्रामा नहीं है। कांग्रेस की ही सांसद नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि आखिर कौन हमें समझा रहा है। जो सबसे बड़े ड्रामा मास्टर हैं। हमें उनसे सीखना है कि ड्रामा कैसे करना है और कब करना है। यह हमें नहीं आता। कपड़े बदलकर और कैमरे का ऐंगल बदलकर कैसे ड्रामा किया जाता है, हमें यह सीखना होगा। ऐसा लग रहा है कि विश्व गुरु अब मानसिक गुरु भी बन गए हैं। रेणुका चौधरी ने कहा कि हम लोग संसद में एसआईआर का मसला जरूर उठाएंगे। हम लोग बहुत मजबूत हैं और किसी भी तरह की हताशा में नहीं हैं।

## एसआईआर समेत सरकारी योजनाओं का 17 आदिवासी परिवारों ने किया बहिष्कार

**कांकेर,1 दिसंबर।** छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एसआईआर प्रक्रिया के तहत जिला प्रशासन की टीम जब आदिवासी परिवारों के पास पहुंची तो उन्होंने फॉर्म लेने से इनकार कर दिया. उन्होंने न केवल एसआईआर बल्कि सरकार की अन्य योजनाओं का भी सामूहिक बहिष्कार कर दिया है. करीब 17 आदिवासी परिवार स्वीकृति के बाद न तो पीएम आवास और न ही आवंटित सरकारी राशन ले रहे हैं. आदिवासियों के इस सामूहिक बहिष्कार से जिला प्रशासन की मुश्किलें बढ़ गई है.दरअसल, पूरा मामला सरोना तहसील के ग्राम पंचायत लेंडारा का है. ग्राम स्तर पर कई बार बैठक कर समझाइश और संवाद की कोशिशें की गईं. लेकिन परिवार प्रशासन से किसी भी तरह की बातचीत को तैयार ही नहीं है. बीएलओ टीम के अनुसार, कई बार तो आदिवासी परिवार के लोग सीधे मुंह बात तक नहीं करते हैं. वहीं राशन दुकान संचालक रामकुमार यादव का कहना है कि पहले 4 परिवार ही राशन लेने से मना कर रहे थे, लेकिन नवंबर महीने से अन्य परिवार भी राशन नहीं लेने की बात कह रहे हैं.

ग्राम पंचायत सचिव संतोष कुमार निषाद ने बताया कि शासकीय योजनाओं के विरोध की जानकारी मिलने पर गांव में बैठक कराई गई. हालांकि इन परिवारों ने किसी भी मुद्दे पर जानकारी देने से इनकार कर दिया. अब तो आवास निर्माण से भी मना कर रहे हैं. इस मामले में जिले के कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा कि लेडारा गांव के कुछ ग्रामीण शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं ले रहे है.

## बेटी की शादी में बारातियों को गिफ्ट किया हेलमेट, दिलाई सुरक्षा की शपथ

**जयपुर,1 दिसंबर।** राजस्थान की कुचामन सिटी में सड़क सुरक्षा का एक अनूठा उदाहरण सामने आया है। यहां एक बेटी की शादी में बारातियों को हेलमेट गिफ्ट किए गए। साथ ही उन्हें सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। इस पहल को खूब सराहा जा रहा है। राजस्थान की कुचामन सिटी में एक शादी के दौरान सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक अनोखी पहल की गई। शादी में जहां आमतौर पर दूल्हा-दुल्हन या उनके परिजन बारातियों को विभिन्न प्रकार के उपहार देते हैं, वहीं इस शादी में बारातियों को हेलमेट उपहार में दिए गए। इस कदम को सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरणादायक कदम माना जा रहा है।

**हेलमेट के उपहार का फैसला**-शादी के आयोजक मनोज बारवाल ने पहले ही तय कर लिया था कि वह अपनी बेटी की शादी में बारातियों को हेलमेट गिफ्ट में देंगे। रविवार को हुई शादी में दूल्हे को हेलमेट देने के बाद उन्होंने शादी में शामिल सभी 286 बारातियों को भी हेलमेट भेंट किए।**सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूकता**-दुल्हन के दादा रामकरण कुमावत ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाएं और उनमें दुपहिया वाहन चालकों की लापरवाही को देखते हुए यह कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर सड़क दुर्घटनाओं में मौत का कारण हेलमेट न पहनना होता है। इसलिए यह कदम सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए था।

**संतों ने भी किया समर्थन**-भगवान दास महाराज, जो बिलासी दास बगीची के संत महात्मा हैं, ने इस पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का हेलमेट वितरण एक सार्थक कदम है, जो अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाएगा। दुल्हन की बहन हेमलता कुमावत ने कहा कि यह एक नई शुरुआत है, जिसे अन्य लोग भी अपनाएं और परिवार के किसी भी कार्यक्रम में हेलमेट वितरण को बढ़ावा दें। मुन्नालाल और सरिता जैसे अन्य मेहमानों ने भी इस पहल को सराहा और कहा कि अब वे भी हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित होंगे.

## उम्मीद है आप बुरा नहीं मानेंगे

**नई दिल्ली,1 दिसंबर।** संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन विपक्ष ने पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ का जिक्र कर दिया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि दुख है कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। खास बात है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत के पाद सीपी राधाकृष्णन सभापति के तौर पर पहली बार सत्र संभाल रहे हैं। धनखड़ ने जुलाई में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था। खरगे ने कहा, '...मुझे उम्मीद है कि आप इस बात का बुरा नहीं मानेंगे कि मुझे आपके पहले राज्यसभा के चेयरमैन के अचानक पद छोड़ने का जिक्र करना पड़ रहा है। पूरे सदन का संरक्षक होने के नाते सभापति जितना सरकार के होते हैं, उतना ही विपक्ष के भी होते हैं। मुझे इस बात का दुख है कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। पूरे विपक्ष की तरफ से हम उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।' उन्होंने कहा, 'यहां सर्वपल्ली राधाकृष्णन की बात का जिक्र करना उचित होगा। 16 मई 1952 को उन्होंने कहा था कि मैं किसी पार्टी का नहीं हूं। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि कई लोग दावा कर रहे हैं कि आप उनकी पार्टी के हैं...।'

उन्होंने कहा, 'अगर लोकतंत्र विपक्ष को सरकार की नीतियों की उचित, मुक्त आलोचना करने की अनुमति नहीं देता है, तो लोकतंत्र के अत्याचार में बदलने की संभावना होती है। ऐसा सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था।'

**धनखड़ का जिक्र कर नए चेयरमैन से बोले खरगे**

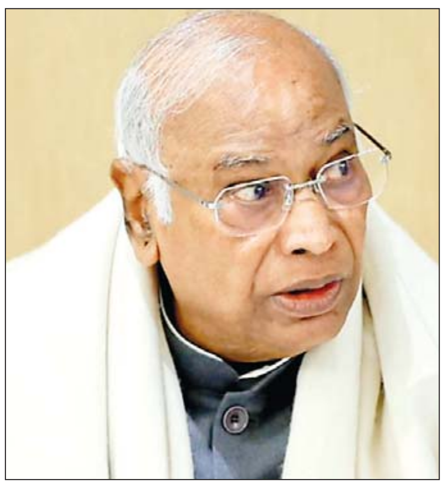

## न्यायपालिका के सामने असली चुनौती जिला अदालतों के स्तर पर : चीफ जस्टिस सूर्यकांत

**नई दिल्ली ,1 दिसंबर।** सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका के सामने असली चुनौती जिला अदालतों के स्तर पर है, जो न्याय चाहने वाले अधिकांश नागरिकों के लिए संपर्क का पहला पड़ाव हैं।बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सीजेआइ ने कहा कि किसी भी व्यवस्था की पहली चिंता यह होती है कि जिला अदालत वादियों को न्याय दिलाने में सक्षम हो। उन्होंने कहा- 'भारतीय न्यायपालिका के सामने असली चुनौती जमीनी स्तर पर है। जिला न्यायपालिका कितनी तेजी, मानवीयता और बुद्धिमत्ता से काम करती है और कितनी स्वतंत्रता और निडरता से न्याय प्रदान करती है, यह संपूर्ण न्यायिक ढांचे का सबसे महत्वपूर्ण घटक है।' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि 70 प्रतिशत वादी जिला स्तर पर ही अपना भाग्य तय किए जाने की उम्मीद करते हैं।वैकल्पिक विवाद समाधान की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि यह पुरानी गलत धारणा है कि मध्यस्थता का न्यायपालिका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, इसे अब कोई भी स्वीकार नहीं करता। प्रधान न्यायाधीश ने कहा-'मध्यस्थता इस पेशे का एक मजबूत स्तंभ बनती जा रही है। मुझे एहसास हुआ कि मध्यस्थता एक ऐसा सक्षम हथियार है, जो भारत में भी सफलता की कई कहानियां लिख सकता है।'उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में युवाओं की अच्छी संख्या को बनाए रखने की जरूरत है। उधर, ऑल इंडिया जज बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि न्यायाधीशों के काम के घंटे लंबे होते हैं। साथ ही उनका काम भी बहुत तनावपूर्ण होता है। इसलिए खुद को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए उन्हें मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। साथ ही इसे अपनी आदत में शुमार कर लेना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि हाई कोर्ट जज इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में हिस्सा ले रहे हैं। इससे पता चलता है कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति बेहद सचेत हैं।

## जैविक आतंक पर जयशंकर के भाषण ने दुनिया को झकझोरा

**बोले- 'समय कम है और खतरा तेजी से बढ़ रहा है'**

**नई दिल्ली,1 दिसंबर।** विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आज जैविक हथियारों पर दुनिया की सुस्ती और असमानता पर करारा प्रहार करते हुए साफ कहा कि ''यदि जैव सुरक्षा असमान है, तो वैश्विक सुरक्षा भी असमान होगी।'' हम आपको बता दें कि बायोलाजिकल वेपन्स कन्वेशन के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया के पास समय कम है, खतरे तेज़ी से बढ़ रहे हैं और अगर अब भी वैश्विक समुदाय नहीं जागा तो अगली जैविक आपदा किसी सीमा का सम्मान नहीं करेगी। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने भाषण में स्पष्ट कहा कि तेज़ी से आगे बढ़ती जैव प्रौद्योगिकी, जीनोम एडिटिंग, सिंथेटिक बायोलॉजी और एआई आधारित डिजाइनिंग जैसे टूल अब इतने सुलभ हो चुके हैं कि उनका दुरुपयोग पहले से कहीं आसान है। उन्होंने कहा, ''विज्ञान रफ्तार से दौड़ रहा है, लेकिन वैश्विक नियम घिसटते कदमों से पीछे चल रहे हैं।'' कोविड-19 महामारी को उदाहरण बनाते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक हो, आकस्मिक या जानबूझकर, जैविक खतरा किसी चेतावनी के इंतज़ार में नहीं बैठता। जयशंकर ने दो टूक कहा, ''यह सीमाएँ नहीं मानता, यह प्रणालियों को ध्वस्त कर देता है। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य ही असली सुरक्षा है।'' हम आपको बता दें कि भारत ने इस मंच से ग्लोबल साउथ की आवाज़ बुलंद की। जयशंकर ने कहा कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों के सामने कमजोर स्वास्थ्य तंत्र, सीमित लैब क्षमताएँ, धीमी प्रतिक्रिया प्रणाली और दवाओं तक असमान पहुँच जैसी गंभीर चुनौतियाँ हैं। ये सिर्फ ''विकास संबंधी कमियाँ'' नहीं, बल्कि वैश्विक जोखिम हैं। उन्होंने साफ कहा, ''ग्लोबल साउथ न केवल सबसे अधिक असुरक्षित है, बल्कि सबसे अधिक योगदान देने की क्षमता भी उसी में है। आने वाले 50 वर्षों को आकार देने का हक भी उसी का होना चाहिए।'' जयशंकर ने भारत की क्षमताओं को तथ्यों के साथ सामने रखते हुए कहा, दुनिया के 60% वैक्सीन भारत बनाता है, 20% जेनेरिक दवाएँ भारत से जाती हैं, अफ्रीका में 60% दवाएँ भारत से जाती हैं, 2014 में सिर्फ 50 से बढ़कर 11,000 बायोटेक स्टार्टअप हमारे यहां हो गये हैं, हमारे यहां उन्नत BSL-3 और BSL-4 लैब नेटवर्क है और डिजिटल हेल्थ में तेज़ी से विस्तार हो

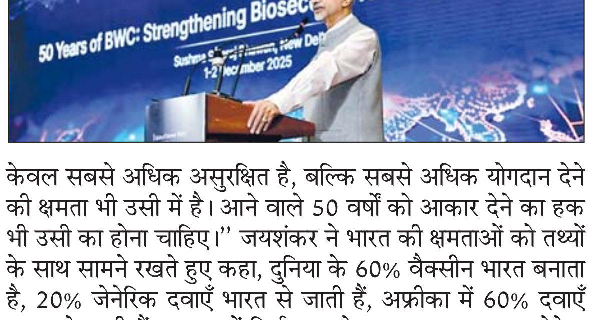

## एक नजर

### अवैध शराब परिवहन,4 गिरफ्तार

**भिलाई, 1 दिसंबर।** भिलाई अवैध शराब परिवहन में संलिप्त चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 28 पेटी देशी शराब, एक पुराना टाटा सफारी वाहन, चार मोबाइल फोन और नगदी सहित कुल 4,74,500 रुपए की मशरूका जब्त किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है नंदिनी प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि धमधा मार्ग से नंदिनी खुदिनी होते हुए दीगर राज्य से पुराना टाटा सफारी गाड़ी में अवैध शराब परिवहन कर कुछ लोगों के आने की मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई सूचना पर तत्काल थाना नंदिनी नगर की पुलिस टीम ने मुखबीर के बताये रास्ते में दबिश देकर आरोपी नरेश कुर्रे (38 साल ) निवासी ग्राम डूमर नंदिनी नगर, लवकेश उर्फ बबलू (30 साल) निवासी गिरहोला, नंदिनी नगर, आर्यन कुमार लहरे ( 24 साल ) निवासी ग्राम डूमर, नंदिनी नगर व प्रभू बारले ( 24 साल ) निवासी वार्ड नंबर 04 अहिवारा थाना नंदिनी नगर के कब्जे से 28 पेटी देसी शराब कीमत 1,34,400 रुपए, एक पुराना वाहन टाटा सफारी वाहन कीमती 3 लाख रुपए, 4 नग स्मार्ट, 15,100 नगद रुपए बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है ।

### पुलिस ने यात्री का बैग लौटाया

**भिलाई, 1 दिसंबर।** दुर्ग आरपीएफ पुलिस ऑपरेशन अमानत के तहत एक और सराहनीय कार्रवाई करते हुए यात्री का खोया हुआ बैग सुरक्षित वापस लौटा दिया ट्रेन नंबर 07006 में चढ़ते समय एक यात्री का लैपटॉप बैग प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर छूट गया है सूचना मिलते ही महिला आरक्षक शारदा और आरक्षक आर.के. राहंगडाले ने प्लेटफॉर्म पर खोजबीन कर काले रंग का बैग बरामद किया जांच में बैग में पुराने कपड़ों के साथ एसर कंपनी का लैपटॉप मिला जिसकी कुल कीमत लगभग 80,000 रुपये थी रेसुब टीम ने तुरंत यात्री से संपर्क किया जिसने बताया कि जल्दबाजी में ट्रेन पकड़ते समय बैग पीछे छूट गया यात्री के अनुरोध पर उसका मित्र हिमेश साहू, शक्ति नगर दुर्ग आरपीएफ पुलिस थाने पहुंचा और पुष्टि के बाद सामान सौंप दिया गया यात्री व परिजन ने रेसुब टीम की सतर्कता और ईमानदारी के लिए आभार व्यक्त किया। रेसुब की यह कार्रवाई ऑपरेशन अमानत की सफलता का एक और उदाहरण है जिसके तहत यात्रियों के खोए हुए सामान को सुरक्षित वापस पहुंचाया जाता है।

### 2 साइबर ठग आंध्र से गिरफ्तार

**भिलाई, 1 दिसंबर।** भिलाई साइबर अपराध के विरुद्ध सशक्त और प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ित की 48 लाख 67 हजार 500 रुपये की ठगी के मामले में दो शातिर साइबर ठगों को भिलाईनगर पुलिस ने आंध्रप्रदेश से गिरफ्तार किया है पुलिस ने बताया कि 9 अक्टूबर को प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि इन्स्टाग्राम पर फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने हेतु भेजे गए लिंक पर क्लिक कर उनसे कुल 48,67,500 की ठगी की गई। शिकायत मिलने पर साइबर थाना दुर्ग में धारा 318(4), 336, 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण के तकनीकी विश्लेषण एवं डिजिटल ट्रैकिंग के आधार पर आरोपियों की लोकेशन आंध्रप्रदेश में होने की पुष्टि हुई इसके बाद एक विशेष पुलिस टीम जिला अनकापल्ली (आंध्रप्रदेश) रवाना की गई टीम ने वहां से दो मुख्य आरोपियों पी. सत्यनागा मूर्ति (25 साल ) निवासी पुलापर्थी, यालामंचली मंडल, जिला अनकापल्ली (आंध्रप्रदेश) और बालाजी श्रीनू (34 साल ) निवासी चिन्ना विधि, तहसील यालामंचली, जिला पुलापर्थी, विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश) को गिरफ्तार कर विवेचना में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक एवं एटीएम कार्ड जब्त किया है।

### कॉपर वायर चोरी,5 गिरफ्तार

**भिलाई, 1 दिसंबर।** भिलाई हर्ष इंडस्ट्रीज अकलोरडीह गोदाम से कॉपर वायर चुराने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपियों के कब्जे से 52 किलो कॉपर वायर जब्त किया है पुरानी भिलाई टीआई अंम्बेर सिंह भारद्वाज ने बताया कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर 21 नवंबर को पुरानी भिलाई थाने में पंजीबद्ध अपराध दर्ज कराया कि 15 नवंबर को हर्ष इंड्रस्टीज अकलोरडीह के गोडान में बिजली की अज्ञात चोरों ने कापर वायर चोरी की है कम्पनी के वीडियो फुटेज चेक करने पर कुछ अज्ञात आरोपियों ने कम्पनी अंदर प्रवेश कर बिजली की कॉपर वायर को 9 नवंबर से 14 नवंबर कि चोरी करना पाये जाने पर थाने मे अपराध पंजीबद्ध किया गया था इस मामले में विवेचना के दौरान मुखबीर की सूचना पर आरोपी डी. वेंकटेश (24 साल ) निवासी जोन. 1 सेक्टर 11, थाना छावनी, डी. विवेक (23 साल ) निवासी सुभाष नगर नंदनी रोड छावनी, के. शांता राव (25 साल) निवासी देना बैंक के पीछे छावनी, रवि विश्वकर्मा (21 साल) निवासी गौतम नगर खुर्सीपार व एक नाबालिग को घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ करने पर अपराध करना स्वीकार किया।

# मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास के कार्य को देखने वनांचल गांव पहुंचे आयुक्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**कवर्धा,1 दिसंबर।** विकासखंड कवर्धा के ग्राम पंचायत बिरकोना में बनाए जा रहे हैं प्रधानमंत्री आवास अमृत सरोवर सहित अन्य निर्माण कार्यो का स्थल निरीक्षण आयुक्त सह संचालक तारन प्रकाश सिन्हा द्वारा ज़िले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान किया गया। इस दौरान ग्राम बिरकोना में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत अमृत सरोवर के समीप वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण के लिए सभी को जागरूक करने का आह्वान किया।अपने प्रवास के दौरान श्री सिन्हा जनपद पंचायत पंडरिया के ग्राम पंचायत लोखान के वनांचल ग्राम कमराखोल पहुंचकर विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लिए जनमन आवास अंतर्गत बन रहे पक्के घरों का निरीक्षण किया। आवास हितग्राही श्री झिमलाल,श्री सुनऊराम राम धुर्वे एवं कुंवारिया बाई बैगा सहित अन्य हितग्राहियों के जनमन आवासों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यो की राशि प्राप्त होने मजदूरी भुगतान सहित संपूर्ण जानकारी ली और इस दौरान हितग्राहियों के जॉब कार्ड का निरीक्षण भी किया। हितग्राही श्री शिव कुमार के लिए निर्मित मुर्गी शेड का निरीक्षण करते हुए आयुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि पशुपालन विभाग से

हितग्राहियों को सहायता उपलब्ध कराई जाए जिससे आजीविका की गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत कबीरधाम श्री अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जिले के वनांचल क्षेत्रो में निर्माण सामग्रियों को प्रदाय करने के लिए बिहान योजना की डीलर दीदियां कार्यरत हैं जो उचित दर पर निर्माण सामग्री आवास हितग्राहियों को उपलब्ध करा रही है और इससे समूह का आजीविका संवर्धन हो रहा है।ग्राम पंचायत लोखान द्वारा कराए जा रहे अन्य निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया।इस दौरान ग्राम कमराखोल में उपस्थित ग्रामीणों के साथ श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने अधिकारियों सहित चौपाल लगाई। चौपाल में चर्चा करते हुए श्री सिन्हा ने विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लाभार्थियों एवं ग्रामीणों को बताया कि प्रधानमंत्री आवास के साथ आप अपना स्वयं का छोटा मोटा व्यवसाय करने के लिए मनरेगा योजना से कार्यों की स्वीकृत करा सकते हैं। जिसमें विशेष रूप से पशुपालन शेड, डबरी निर्माण, कुआं निर्माण सहित वृक्षारोपण आदि शामिल है। चौपाल में गांव के विभिन्न व्यक्तियों से चर्चा करते हुए विभाग द्वारा कराए जा रहे योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली गई और शासन द्वारा चलाए जा रहे अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं की संपूर्ण जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जनमन आवास में मिलने वाली राशि, शौचालय निर्माण, महिला समूह से जुड़कर आजीविका के विषय में ग्रामीणों का ज्ञानवर्धन किया गया। मछली पालन, शूकर पालन एवं पशुधन के द्वारा अपनी आमदनी को बढ़ाने के लिए ग्रामीणों द्वारा किए जा सकने वाले प्रयासों पर विस्तार से जानकारी दी।

ग्राम कमराखोल में कार्य करने वाली डीलर दीदियों द्वारा श्री सिन्हा को बताया गया कि सेंट्रिक प्लेट के व्यवसाय से उनकी महिला समूह द्वारा दस हजार से अधिक का व्यापार कर चुकी है। तथा वह अपने गांव सहित आसपास के ग्रामीणों को कम दर पर निर्माण सामग्री उपलब्ध करा रही है। निरीक्षण के दौरान ग्राम खामी पहुंचकर प्रधान संस्था द्वारा कराए गए डबरी निर्माण में मछली पालन के कार्य को भी देखा गया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अजय कुमार त्रिपाठी सहित जनपद पंचायतो के सीईओ, अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कार्यक्रम, अधिकारी विकासखंड समन्वयक जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी ग्राम पंचायत सरपंच सचिव,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की महिला स्व सहायता समूह के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

### प्रार्थना सभा को लेकर मचा हंगामा, हिन्दू संगठन की शिकायत पर पुलिस ने आयोजकों से की पूछताछ

**कवर्धा,1 दिसंबर।** कवर्धा के रविदास नगर में एक मकान में चल रही प्रार्थना सभा को लेकर रविवार को हंगामे की स्थिति बन गई।

सूचना मिलने पर हिन्दू संगठन के कुछ लोग वहां पहुंचे, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया. मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया.स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से हर रविवार को मकान में इस तरह की 'चंगाई सभा' आयोजित की जा रही थी, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों से आए लगभग 100 लोग, महिलाएं और बच्चे शामिल होते थे। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आयोजकों से पूछताछ जारी है।

# वार्ड-17 में नपाध्यक्ष ने वार्डवासियों के साथ किया भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**कवर्धा,1 दिसंबर।** कवर्धा-वार्ड क्रमांक 17 में होली क्रॉस स्कूल से लेकर पेट्रोल पंप (बिलासपुर रोड) तक जर्जर हो चुकी सड़क और नाली निर्माण कार्यों का आज विधिवत भूमिपूजन किया गया। वर्षों से खराब सड़क और नाली की समस्या के कारण आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। खराब सड़क के कारण आवाजाही और भी मुश्किल हो जाती थी। क्षेत्रवासियों की लंबी मांग और जनहित को ध्यान में रखते हुए अब इन दोनों महत्वपूर्ण कार्यों की स्वीकृति प्रदान करते हुए आज भूमिपूजन भी किया गया नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि निर्माण कार्यों हेतु सीसी रोड के लिए 23.70 लाख रुपये तथा नाली निर्माण के लिए 16.07 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा तथा लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक सड़क व्यवस्था प्राप्त होगी। वार्डवासियो ने जताया आभार-वार्डवासियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जनमानस की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देकर विकास कार्यों की शुरुआत करना सराहनीय पहल है।

# जीवन में आने वाली परिस्थितियों का धैर्य से सामना करना है: प्राची दीदी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**भिलाई, 1 दिसंबर।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रिसाली, मैत्री कुंज स्थित प्रभु प्राप्ति भवन में क्लास 2 से लेकर क्लास 4 तक के बच्चों के लिए राजयोग मेडिटेशन के साथ ड्राइंग एंड और पेंटिंग का आयोजन किया गया।

जिसमें नन्हे बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने भावनाओं को सुंदर चित्रों के माध्यम से प्रेषित किया।सर्वप्रथम बच्चों को म्यूजिकल एक्सरसाइज करवाकर ठंडी को छू मंतर कर तन और मन को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर किया। इस कार्यक्रम में बच्चों को ड्राइंग एंड पेंटिंग की बारीकियां के साथ जीवन में सफल होने के लिए अनुशासन, ईमानदारी, एकाग्रता, उमंग उत्साह जैसे गुणों को भी

धारण करने के लिए प्रेरित किया गया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने बच्चों को बताया कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और जीवन में आने वाले परिस्थितियों में हमें धैर्यवत होकर सामना करना है उन्हें प्रतियोगिता ना समझ कर सीखने की लगन से आगे बढ़ना है और उसके परिणामों को सहज स्वीकार कर अपनी कमी कमजोरी को दूर करना है।

### दुमुहानी और पवनी में अवैध धान जब्त

**सारंगढ़ ।** कलेक्टर डॉ संजय कन्नोजे के निर्देश पर बिलाईगढ़ मंडी क्षेत्र के ग्राम दुमुहानी में मेलाराम बंजारे के गोदाम में धान मात्रा 80 बोरी (32 क्विंटल), ग्राम पवनी के रामकृष्ण साहू के दुकान परिसर में 56 बोरी (22.4 क्विंटल) और गणेश साहू के दुकान परिसर में 51 बोरी (20.4 क्विंटल) अवैध धान भंडारित होने के कारण जांच दल द्वारा जप्ती प्रकरण बनाया गया।

# भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी के मन की बात सुनी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**उतई, 1 दिसंबर।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जनप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 128 वें संस्करण को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और बुद्धिजीवियों के पावन धरा सेलूद ग्राम में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण , कार्यकर्ताओं एवं ग्राम वासियों के साथ सुना। भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देश के हर नागरिक की भावनाओं, उम्मीदों और संकल्पों को नई दिशा देने वाला जनप्रेरणा का माध्यम है। मन की बात हमें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक बदलाव के लिए निरंतर प्रेरित करती है।

भाजपा जिला महामंत्री दिलीप साहू ने कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी मन की बात के माध्यम से हम सभी देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार किया। मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने वोकल फॉर लोकल, मन की बात, -20 बैठक, नेशनल म्यूजियम, मुंबई में स्वदेशी को भारतीय नौसेना में शामिल, इसरो ड्रोनप्रतियोगिता, खाद्यान्न उत्पादन,

संविधान दिवस अन्य जानकारी दिए। पाटन मंडल अध्यक्ष श्रीमती रानी बंछोर ने कहा वन्देमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी साझा की। मन की बात कार्यक्रम देश के वर्तमान, भूत और भविष्य की जानकारी है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा जिला महामंत्री श्री दिलीप साहू, मंडल अध्यक्ष श्रीमती रानी बंछोर, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष श्री खेमलाल साहू,हरप्रसाद आडिल, टामन साहू, श्री कृष्ण कुमार साहू मंडल महामंत्री, महेश्वर बंछोर, तारेन्द्र बंछोर, श्री केशव बंछोर सहितबूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र पदाधिकारी एवं स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# नुक्कड़ नाटक कर नशापान व साइबर फ्रॉड के प्रति लोगों को किया जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**उतई, 1 दिसंबर।** क्षेत्र के ग्राम घुघुवा क स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालय में रिसाली भिलाई स्थित मैत्री कॉलेज द्वारा विशेष सामुदायिक शिविर का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में कॉलेज के डी. एड., बी. एड. में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही, सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन एवं वंदना कर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, कॉलेज से आए सभी बच्चों ने प्रातः 9 बजे विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगण सहित ग्राम में रैली निकालकर ग्रामीणों को नशापान के खिलाफ जागरूक किए, क्लास 1 से 12 तक बच्चों ने विभिन्न खेल कूद में भाग लिया विजेता खिलाड़ियों को पुरुस्कृत किया गया, तत्पश्चात डी. एड., बी. एड. अध्ययन कर रहे छात्रों द्वारा नुक्कड़ के माध्यम से नशा पान और साइबर फ्रॉड पर सारगर्भित प्रस्तुति दिया गया, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेखा विनोद पाटिल ने महाविद्यालय और विशेष सामुदायिक शिविर के संबंध में सभी को जानकारी प्रदान किया, सेजस घुघुवा(क) के प्राचार्य कृष्ण कुमार पहरी ने मैत्री कॉलेज के छात्रों व प्राचार्य को इस महत्वपूर्ण आयोजन हेतु विद्यालय के चयन हेतु आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सेजस घुघुवा क विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष थानेश्वर प्रसाद साहू, प्रशांत शर्मा, पूनम शर्मा, सरपंच श्रीमती शैलेंद्री साहू, सेजस प्राचार्य के के पहरी, वरिष्ठ शिक्षक जीवन लाल वर्मा, अंग्रेजी माध्यम के प्रभारी आचार्य राजेश महतो, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सुरेखा विनोद पाटिल, बी एड विभागाध्यक्ष डॉ प्रभा आर कुरूप, प्राध्यापक डॉ. डी लक्ष्मी, डॉ. अपूर्व शुक्ला, केमलता साहू जी एवं समस्त प्राध्यापक, शिक्षकगण, छात्र छात्रा सहित महाविद्यालय परिवार उपस्थित हुए।

# आईएएस अध्यक्ष, अखिलेश दुबे कोषाध्यक्ष एवं महासचिव के पद पर समीर खान निर्वाचित

**रायपुर ।** छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन की 19 सामान्य सभा क्वींस क्लब वीआईपी रोड में आयोजित हुई । इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई एवं सर्व सम्मति से सभी मुद्दों पर सदन ने अपनी सहमति दी ।

फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया से चुनाव प्रवेक्षक श्री अशोक दुधारे, छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन से श्री अकरम खान

खेल एवं युवा कल्याण विभाग से श्री प्रवेश जोशी के उपस्थिति में 2025-2029 के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी के रूप में श्री एस प्रकाश आईएएस अध्यक्ष पद पर, चेयरमैन श्री सुनील कुमार अग्रवाल , कार्यकारी अध्यक्ष श्री अजीत सिंह पटेल , वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता , उपाध्यक्ष के पद पर श्री शुभाष अग्रवाल , श्री बशीर अहमद खान, श्री कमल रूपरेला, श्रीमति आरती सिंह । सह उपाध्यक्ष श्री कमल कुमार एवं तारकेश मिश्रा , महासचिव पद पर श्री समीर ख़ान , सह सजीव के पद पर श्री राम प्रताप गुप्ता , श्री निखिल कुमार जाँभूलकर, श्री मोहनीश वर्मा, वरुण पांडेय , श्रसंतोष साहू । कोषाध्यक्ष के पद पर श्री अखिलेश दुबे , कार्यकारिणी

सदस्य श्री रमन कुमार साहनी , श्री उमेश सिंह , श्र जुबेर महमूद, आसिम रुम्मन ख़ान तथा छत्तीसगढ़ के एन आई एस कोच वीर हनुमान सिंह अवार्डी वि जॉन्सन सोलोमन और एनआईएस कोच श्री प्रवीण कुमार शामिल थे । कार्यकारिणी चुनाव को संपन्न कराने में मुक्य चुनाव अधिकारी डॉ रमेश कुमार श्रीवास्तव (उपाध्यक्ष सीजीओए), सहायक चुनाव अधिकारी श्री रामजस पाल (कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ रोइंग संघ) कार्यकारिणी सामान्य सभा में सचिव उद्बोधन में श्री बशीर अहमद खान से वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की कोषाध्यक्ष श्री राम प्रताप गुप्ता में वर्ष 2024-25 की अंकेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की श्री बशीर अहमद खान ने 2025-26 ने अनुमानित बजट प्रस्तुत किया । नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री एस प्रकाश ने कहा कि नवीन कार्यकारिणी में चयनित सदस्यों संकल्पित है फेंसिंग एसोसिएशन छत्तीसगढ़ को एक नया आयाम देने का प्रयास रहेगा , मेरी पहली प्राथमिकता छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग के लिए स्वयं के फेंसिंग हॉल का निर्माण एवं खिलाड़ियों के लिए अति अत्याधुनिक उपकरण एवं प्रशिक्षण उपलब्ध करानावर्ष 2026-27 में अंतरराष्ट्रीय कैडेट प्रतियोगिता का आयोजन कराना। कार्यकारी अध्यक्ष श्री अजीत सिंह पटेल ने अपने उद्बोधन में 5 संभाग स्तरीय फेंसिंग खेल सेंटर खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया जिससे प्रदेश के हर जिले में फेंसिंग टैलेंट की खोज कर उन्हें आगामी प्रतियोगिता के लिये प्रशिक्षित किया जा सके । चेयरमैन श्री राम दस अग्रवाल ने कहा की फेंसिंग खेल के लिए में हमेशा मैं हर प्रकार से सहयोग करूँगा ।

### महात्मा ज्योतिबा के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

**भिलाई, 1 दिसंबर ।** बुद्ध भूमि कोसा नगर में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पमाला अर्पण कर तथा मोमबत्ती की रोशनी के बीच श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यहां स्थापित शिक्षा महर्षि महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर बौद्ध कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शेन्डे ने सभी सदस्यों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। सह सचिव गौतम डोंगरे ने ज्योतिबा फुले के समाज सुधार ,नारी शिक्षा और छुआछूत के प्रति रोकथाम के कार्यो के उल्लेख किए। उपाध्यक्ष माया सुखदेवे ने कहा कि महान क्रांतिसूर्य ज्योतिबा फुले को बाबा साहब अम्बेडकर अपना गुरु मानते थे। ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ था तथा उनकी मृत्यु 28 नवंबर 1890 को पुणे में हुआ था। घनश्याम गणवीर ने कहा कि उन्हें महात्मा की उपाधि समाज सुधारक विट्ठल राव कृष्ण वाडेकर ने दी थी।

# मन की बात का सामूहिक श्रवण कर कार्यकर्ताओं का शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया

**दुर्ग, 1 दिसंबर।** लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मासिक संवाद मन की बात के 128वें संस्करण का सामूहिक श्रवण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडेय उपस्थित रहीं, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की।

मन की बात के प्रमुख बिंदुओं पर बोलते हुए सुश्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का संवाद जनभागीदारी, सकारात्मक सोच और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि जनता के छोटे-छोटे प्रयासों को प्रधानमंत्री जी राष्ट्रीय प्रेरणा का स्वरूप देते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव को नई दिशा मिलती है।इसके पश्चात् सुश्री पांडेय ने चल रहे स्.ढ्व.ऋ विषय पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी को जागरूकता फैलानी होगी और जन-जन तक पहुँचना होगा। वर्तमान

परिस्थिति में स्.ढ्व.ऋ अत्यंत आवश्यक है और इससे जुड़े दायित्वों को निभाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।÷जिला अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कौशिक ने भी कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, अनुशासन और जनता से सतत संपर्क बनाए रखने की हिदायत दी।कार्यक्रम के दौरान लोकगायक श्री कुलेश्वर ताम्रकर, बूथ अध्यक्ष श्री वीरेंद्र ठाकुर, श्री भगवंत ओझा, श्री हरि देवांगन, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री अशोक कंडरा, श्री मदन वधई, तथा वरिष्ठ नागरिक श्री दुर्गेश शर्मा, श्री रोहित तिवारी, श्री रामस्वरूप देवांगन को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन श्री रज़ा खोखर ने किया तथा संयोजन का दायित्व भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व ज़िलाध्यक्ष अध्यक्ष श्री नितेश साहू ने संभाला।कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष श्री हरीश चौहान, पूर्व भाजपा उपाध्यक्ष श्री कांतिलाल जैन, श्री संतोष सोनी, भाजपा कार्यालय मंत्री श्री आसिफ खान, सह मंत्री राहुल पंडित, मंडल उपाध्यक्ष श्री उमेश गोस्वामी, संदीप जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।वीरेंद्र तन्ना, गोपाल खत्री, पीयूष मालवीय, राहुल पाटिल, लवकुश ताम्रकार, तेखन सिन्हा, राजा देवांगन, दिलीप सेन, शैलेश यादव, विकास कपूर, चंद्रभान मघनानी, अजय खत्री, राम रत्नानी, बली यादव, अनूप पाटिल, विक्की सोनी, जय कंदरा, ऋतिक, अनिल वाल्दे, सुधाकर, विनय महोबिया, दीपा सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल थे।

# सरपंच कार्यालय में लोगों से सुनी पीएम मोदी के कार्यक्रम मन की बात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**उतई, 1 दिसंबर।** मन की बात जन जन की बात 128 वां प्रसारण संस्करण सरपंच कार्यालय सांकरा बूथ क्रमांक 55/56 में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रमुख रूप से सरपंच व भाजयुमो महामंत्री श्री रवि सिंगौर जी, सांसद प्रतिनिधि श्री मनहरण सिंगौर जी, बूथ अध्यक्ष छोटू यादव, तिहारु बघेल जी, महेन्द्र पारधी पंच, कामता सिंगौर, नागेश सिंगौर, वरुण सिंगौर, राधे बंधे, मुकेश सिंगौर, अन्य जन मौजूद रहे।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और सुना, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुना गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अपने विचार साझा किए और सरकार की योजनाओं के बारे में चर्चा की। सरपंच रवि सिंगौर ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम से लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी मिलती है और वे अपने जीवन में इसका लाभ उठा सकते हैं।सांसद प्रतिनिधि मनहरण सिंगौर ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से सीधा संवाद किया है, जिससे लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी मिलती है और वे अपने जीवन में इसका लाभ उठा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मन की बात कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

एक नजर

## जिले के वरिष्ठजनों को कराई जाएगी श्री रामलला दर्शन यात्रा

**राजनांदगांव 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के तहत जिले के 55 वर्ष से अधिक और 75 वर्ष से कम उम्र के 91 वरिष्ठजनों को 18 दिसम्बर से 21 दिसम्बर 2025 तक अयोध्या धाम की यात्रा करायी जाएगी। यात्रा के संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय समाज कल्याण विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

## सीड हब दलहन योजना से बीज उत्पादन

**राजनांदगांव 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** कृषक रत्न पुरस्कार राज्य अलंकरण से सम्मानित डोंगरगढ़ विकाखंड के ग्राम पारागांव खुर्द के किसान श्री एनेश्वर वर्मा द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र राजनांदगांव सीड हब दलहन योजना अंतर्गत 7 एकड़ में बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत अरहर किस्म के छत्तीसगढ़ अरहर 2 (सावित्री) लिया गया है। खरीफ-2025 परिक्षेत्र भ्रमण के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र से वैज्ञानिक श्री अतुल डांगे एवं छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम राजनांदगांव से डॉ.नीरज टोपो द्वारा इसका निरीक्षण किया गया।

## कृषि महाविद्यालय में पीएम मोदी के 'मन की बात' 128वें संस्करण का सीधा प्रसारण

**रायपुर, 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** 30 नवंबर 2025 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सभागार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 128वें संस्करण का वेबकास्ट आयोजित हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार के कृषि मंत्री रामविचार नेताम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कुलसचिव,निदेशक अनुसंधान, निदेशक विस्तार सेवा, निदेशक शिक्षण, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, समस्त विभागाध्यक्ष, अध्यापक गढ़ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल द्वारा कृषि मंत्री का हार्दिक स्वागत करने के साथ हुई। इसके बाद सभी ने वेबकास्ट के माध्यम से प्रसारित 'मन की बात' को ध्यानपूर्वक सुना। प्रधानमंत्री ने इस एपिसोड में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन (लगभग 357 मिलियन टन), शहद उत्पादन में दोगुनी वृद्धि एवं 'मीठी क्रांति', खादी हनी मिशन के तहत 2.25 लाख बी-बॉक्स वितरण, जम्मू-कश्मीर के रामबन सुलाई शहद (जीआई टैग) तथा कर्नाटक की स्थानीय पहलों का उल्लेख करते हुए मधुमक्खी पालन को रोजगार का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने महिला क्रिकेट एवं ब्लाइंड टी-20 टीम की सफलताओं, विज्ञान-तकनीक प्रगति तथा नवंबर की प्रमुख राष्ट्रीय घटनाओं पर भी प्रकाश डाला। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सोशल मीडिया के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पीएम मोदी छात्रों को निरंतर प्रेरित करते हैं, इसलिए वे इस कार्यक्रम में शामिल होकर उत्साहित हैं। उन्होंने छात्रों से 'मन की बात' नियमित सुनने का आह्वान किया, क्योंकि इसमें प्रेरणादायी संदेश होते हैं। कुलपति डॉ. चंदेल ने शहद उत्पादन पर पीएम के विचारों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में इसकी अपार संभावनाएं हैं तथा विश्वविद्यालय 'लोकल फॉर वोकल' को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कृषि मंत्री के नेतृत्व में 'विकसित छत्तीसगढ़' लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प दोहराया। सभी उपस्थितजनों ने इन संदेशों का स्वागत किया तथा कृषि नवाचार व महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

## किसानों की आय में वृद्धि का नया अध्याय पीएम-आशा योजना

**रायपुर,01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम.आशा) एक व्यापक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करके लाभकारी मूल्य दिलाना है। इसमें तीन मुख्य घटक शामिल हैः मूल्य समर्थन योजना मूल्य स्थिरीकरण कोष और मूल्य घाटा भुगतान योजना है । इसका मुख्य लक्ष्य किसानों की आय को बढ़ाना और उनकी आय के संरक्षण की दिशा में काम करना है। इस योजनांतर्गत राज्य में उत्पादित किये जाने वाली अरहर, उड़द एवं मसूर का शत् प्रतिशत उपार्जन तथा शेष फसलों यथा मूंगफली, सोयाबीन, मूंग, चना, सरसों का राज्य के उत्पादन का 25 प्रतिशत उपार्जन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी प्रापण संस्थाओं (प्रोक्योरमेंट एजेंसीज) नाफेड तथा एनसीसीएफके माध्यम से किया जायेगा। सबसे खास बात यह है कि सरकार न केवल दालों के उत्पादन को बढ़ाकर देश को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है।

# कलेक्टर ने धान खरीदी के मद्देनजर जिले के सभी समिति प्रबंधकों एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों की बैठक ली

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**राजनांदगांव 01 दिसंबर।** कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में धान खरीदी के मद्देनजर जिले के सभी समिति प्रबंधकों एवं डाटा एण्ट्री ऑपरेटरों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी समिति प्रबंधक एवं डाटा एण्ट्री ऑपरेटर ईमानदारी एवं टीम भावना के साथ कार्य करें। कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले समिति प्रबंधक एवं डाटा एण्ट्री ऑपरेटर को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने संवेदनशील एवं अति संवेदनशील समितियों में रकबा समर्पण की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन समितियों में धान की आवक को देखते हुए बफर लिमिट बढ़ाई गई है, वहां आधिपत्य लेकर धान रखने के लिए सुरक्षित स्थान रखें। हल्की बारिश के दृष्टिगत समितियों में धान के सुरक्षित रख-रखाव के लिए कैप कव्हर, ड्रेनेज एवं अन्य व्यवस्था करने के लिए कहा। कलेक्टर ने कहा कि कोचियों एवं बिचौलियों पर शिकंजा कसने के लिए सभी सक्रियता के साथ कार्य करें। धान उपार्जन केन्द्रों में अवैध धान परिवहन को रोकने के लिए कोचियों एवं बिचौलियों से सर्तक रहे एवं निगरानी रखें। कलेक्टर ने कहा कि धान का सत्यापन शीघ्र ही प्रारंभ हो जाएगा, इसे ध्यान में रखते हुए सजगता के साथ कार्य करें। शासन की प्राथमिकता के अनुरूप शुद्ध धान खरीदी का कार्य प्राथमिकता से करें।

कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने कहा कि कोचियों एवं बिचौलियों की जानकारी मिलने पर एसडीएम को तत्काल सूचित करें। सभी अपनी ड्यूटी पर प्रतिबद्धतापूर्वक तैनात रहे। उन्होंने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील समितियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों को धान बिक्री करने में किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखें। अपर कलेक्टर श्री प्रेम प्रकाश शर्मा ने बताया कि अवैध धान परिवहन करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता के धारा 318 (4) के तहत धोखाखड़ी के तहत जुर्म दर्ज होगा। अवैध धान परिवहन करने वाले कोचियों एवं बिचौलियों एवं अवैध धान परिवहन में संलिप्त शासकीय कर्मचारियों के संबंध में भारतीय न्याय संहिता अंतर्गत की जाने वाली कार्रवाई की विधिक जानकारी प्रदान की। इस दौरान खाद्य अधिकारी श्री रविन्द्र सोनी, डीएमओ श्रीमती हीना खान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव श्री सुधीर सोनी, एसडीएम डोंगरगढ़ श्री एम भार्गव, एसडीएम राजनांदगांव श्री गौतमचंद पाटिल, एसडीएम डोंगरगांव श्री श्रीकांत कोराम सहित समिति प्रबंधक एवं डाटा एण्ट्री ऑपरेटर उपस्थित थे।

### 37 माओवादियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का लिया निर्णय

# बस्तर की धरती अब पुनः शांति, स्थिरता और विकास की ओर मजबूती से अग्रसर : मुख्यमंत्री

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**रायपुर, 01 दिसंबर।** छत्तीसगढ़ सरकार की मानवीय, संवेदनशील और परिणाम-उन्मुख पुनर्वास नीति के तहत आज बस्तर में एक और महत्वपूर्ण सफलता दर्ज की गई। ÷पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन÷ पहल के अंतर्गत 37 माओवादियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। यह आत्मसमर्पण न केवल व्यक्तिगत पुनर्जीवन की दिशा में कदम है, बल्कि बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास की दिशा में एक मजबूत संकेत है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज के आत्मसमर्पण का स्वागत करते हुए कहा कि बस्तर की धरती अब पुनः शांति, स्थिरता और विकास की ओर मजबूती से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई, प्रशासनिक समन्वय और सरकार की पुनर्वास-केंद्रित नीतियों के कारण माओवादी हिंसा के खिलाफ निर्णायक सफलता प्राप्त हो रही है।छत्तीसगढ़ में अब तक 487 से अधिक नक्सली न्यूट्रलाइज, 1849 से ज्यादा गिरफ्तार, तथा 2250 से अधिक नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आंकड़े बदलते बस्तर और सरकार की नीतियों में बढ़ते विश्वास का स्पष्ट प्रमाण हैं। लगातार बढ़ते आत्मसमर्पण से बस्तर में नई सुबह की शुरुआत हुई है, जहाँ अब शांति, प्रेम, भाईचारा और स्थायी समृद्धि का वातावरण निर्मित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पुलिस, सुरक्षा बल और प्रशासन की समन्वित कोशिशों ने बस्तर में सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया है, जिससे माओवादी हिंसा पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ है। आज का आत्मसमर्पण इस निरंतर बदलती परिस्थिति और क्षेत्र में विश्वास के वातावरण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पुनः यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति, पूना मारगेम और नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत हर आत्मसमर्पित व्यक्ति को सुरक्षा, सम्मान और पुनर्वास की पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं बस्तर के सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने और हिंसा की छाया से बाहर निकालने का सशक्त माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर में जारी यह सकारात्मक परिवर्तन आगे भी जारी रहेगा और क्षेत्र स्थायी शांति, विकास, रोज़गार, शिक्षा एवं सामाजिक समरसता की नई पहचान बनाएगा।

### बस्तर पंडुम 2026' हेतु उच्चस्तरीय बैठक का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति को जीवंत बनाने के लिए 'बस्तर पंडुम 2026' के आयोजन के लिए शनिवार को उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के रायपुर स्थित निवास पर उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल बैठक में शामिल हुए। इस महोत्सव में बस्तर संभाग की अनूठी लोककला, संस्कृति, रीति-रिवाज और पारंपरिक जीवनशैली को मंच देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर पंडुम का आयोजन न केवल बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का प्रयास है, बल्कि इस क्षेत्र के प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच देने और उनकी कला को प्रोत्साहन प्रदान करने का सुनहरा अवसर भी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में इसका सफल आयोजन हेतु सभी विभागों को मिलकर समन्वय के साथ कार्य करना है।

## बस्तर ओलंपिक की संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 11 से

**रायपुर. 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** उप मुख्यमंत्रीद्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक-2025 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में 11 दिसम्बर से 13 दिसम्बर तक इसका आयोजन किया जाएगा। बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के तीन हजार विजेता खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। करीब 500 नक्सल पीड़ित और पुनर्वासित नक्सली भी इन स्पर्धाओं में हिस्सेदारी करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के रायपुर के सिविल लाइन स्थित निवास कार्यालय में हुई बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार भी शामिल हुए। संभागायुक्त श्री डोमन सिंह और पुलिस महानिरीक्षक श्री सुंदरराज पी. के साथ बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के सीईओ तथा खेल अधिकारी बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि विकास और खेल का संगम है। यह बस्तर के युवाओं के सशक्तीकरण और उनमें नेतृत्व के विकास की पहल है। राज्य सरकार बस्तर के युवाओं को खेल, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना चाहती है।

# पीएम-आशा योजना:किसानों की आय बढ़ाने,दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**बलौदाबाजार, 01 दिसंबर।** प्रधानमंत्री-अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दलहन एवं तिलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की गई जिससे किसानों की आय बढ़ाने और दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य है।योजना का उद्देश्य कृषकों से दलहनी तथा तिलहनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय करना है।

इस योजनांतर्गत राज्य में उत्पादित किये जाने वाली अरहर, उड़द एवं मसूर का शत् प्रतिशत उपार्जन तथा शेष फसलों यथा मूंगफली, सोयाबीन, मूंग, चना, सरसों का राज्य के उत्पादन का 25 प्रतिशत उपार्जन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी प्रापण संस्थाओं (प्रोक्योरमेंट एजेंसीज) ÷नाफेड÷ तथा ÷एनसीसीएफ के माध्यम से किया जायेगा। सबसे खास बात यह है कि सरकार न केवल दालों के उत्पादन को बढ़ाकर देश को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है, बल्कि किसानों की आमदनी को बढ़ाना चाहती है। सरकार चाहती है कि दाल उगाने वाले किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा मिले और उनकी फसल की समय पर खरीद की जा सके। इसी दिशा में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) शुरू किया गया है, जो किसानों की आर्थिक सुरक्षा को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस कदम है। इसके तहत किसानों की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की जाएगी। पीएम-आशा के अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत जिले में 5 उपार्जन केन्द्रों विकासखंड बलौदाबाजार में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बलौदाबाजार, विकासखंड पलारी में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अमेरा, विकासखंड भाटापारा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति धुर्राबांधा, विकासखंड कसडोल में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कसडोल, विकासखंड सिमगा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सिमगा का नाम शासन द्वारा अधिसूचित किया गया है।

# डंगोरा डेम में ट्रेकिंग-कैंपिंग गतिविधियों को मिली नई गति

वन विभाग व प्रशासनिक टीम ने किया स्थल निरीक्षण

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**डोंगरगढ़ 01 दिसंबर।** डोंगरगढ़ से लगभग 18 किलोमीटर दूर डंगोरा डैम क्षेत्र में एनजीओ इकोवीरा इंडिया द्वारा चिन्हांकित किए ट्रेक रूट और व्यू पॉइंट का निरीक्षण किया गया। यहां 3 किमी लंबा ट्रेक रूट तैयार किया गया है। टीम द्वारा अब तक चार बार व्यू पॉइंट पर नाइट स्टे व कैंपिंग भी की जा चुकी है। इसी कार्य को देखते हुए निरीक्षण के लिए सुबह 9 बजे राजनांदगांव डीएफओ आयुष जैन स्थल पर पहुंचे। उनके साथ डोंगरगढ़ एसडीएम एम. भार्गव, एसडीओ पूर्णिमा राजपूत तथा राजनांदगांव रनर्स ग्रुप्स से गौरव पारख व राहुल बोहरा सहित वन विभाग की टीम मौजूद रही। डेम के किनारे ट्रेक करते हुए अधिकारियों ने प्राकृतिक जंगल और इलाके की खूबसूरती को नजदीक से महसूस किया। स्थल निरीक्षण के दौरान ट्रेक रूट, सुरक्षा, एडवेंचर गतिविधियों की संभावनाओं और क्षेत्र को इको-टूरिज्म के रूप में विकसित करने पर सार्थक चर्चा हुई। इकोवीरा इंडिया के निदेशक प्रमेश विजयवार ने वन विभाग व प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डंगोराङ्कमैकल श्रेणी में ट्रेकिंग, कैंपिंग और वाटर-आधारित गतिविधियों की अपार संभावनाएं है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के इको-टूरिज्म विकास से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और जंगल संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। आयोजन में इकोवीरा इंडिया की टीम से चंदू भंडारी, अभिनव चंद्राकर, सागर द्विवेदी, सौरभ महोबिया, कुणाल रजक, अजय भंडारी और अयान खान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के सहयोग से इकोवीरा इंडिया द्वारा किया गया।

### वर्ष 2025-26 में 26400 आवास स्वीकृत,25580 हितग्राहियों को पहली किश्त की राशि जारी

# पीएम आवास निर्माण में प्रगति लाने ग्राम पंचायतों में आवास चौपाल का आयोजन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**बलौदाबाजार,01 दिसंबर।** प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासो को शीघ्र प्रारंभ कराने एवं समय-सीमा ङ्कमें पूर्ण कराने कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री दिव्या अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी ग्राम पंचायतो में आवास चौपाल का आयोजन कराया जा रहा है। सुश्री दिव्या अग्रवाल ने बताया प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों को पक्का मकान प्रदान करने का क्रांतिकारी कदम है जो ना केवल आवास की कमी को दूर करती है बल्कि ग्रामीण जीवन को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाती है। योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 हेतु जिले में 26400 आवास स्वीकृत किया गया है जिसमे से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्योत्सव के अवसर पर 25580 हितग्राहियो के खाते में पहली किश्त की राशि जारी किया गया।

आवास चौपाल का आयोजन सभी ग्राम पंचायतों में तकनीकी अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है जिसमे सभी नवीन स्वीकृति उपरांत राशि प्राप्त आवास के हितग्राही, पूर्व वर्षो के स्वीकृति उपरांत अपूर्ण आवास के हितग्राही, राजमिस्त्री, निर्माण सामाग्री सप्लायर, सरपंच, सचिव एवं अन्य संबंधित शामिल होते हैं। अब तक बलौदाबाजार में 56, भाटापारा 34, कसडोल में 24 और पलारी 22 पंचायतो में आवास चौपाल करा किया गया है। आवास चौपाल का उद्देश्य - वर्ष 2025-26 में प्रथम क़िस्त जारी 25580 आवास के हितग्राहियो को क़िस्त जारी की जानकारी देना। सभी आवासों का निर्माण कार्य प्रारंभ कराना।योजना के तहत कन्वर्जेन्स के माध्यम से मिलने वाले अन्य लाभ का जानकारी देना। राजमिस्त्री एवं निर्माण सामग्री की उपलब्धता पर चर्चा। पूर्व वर्षो के आवासो को जल्दी पूर्ण कराना। आवास निर्माण की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना। रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराना। सौर सुजला के तहत सौर पैनल लगवाने की जानकारी देना शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पारदर्शी और निःशुल्क योजना है जहां किसी भी स्तर पर कोई शुल्क नही लिया जाता।किसी भी व्यक्ति द्वारा अनाधिकृत वसूली, कमीशन या सुविधा शुल्क की मांग नही कर सकता। यदि कोई व्यक्ति आवास पास कराने क़िस्त जल्दी दिलाने या अन्य किसी बहाने से पैसा मांग,अनाधिकृत वसूली करने पर, तत्काल शिकायत जनपद पंचायत सीईओ,. सीईओ जिला पंचायत या कलेक्टर कार्यालय में दर्ज कराये। ऐसे मामलों का त्वरित जांच कर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

समाचार संक्षेप

## प्रशासन की जांच में संस्कार हॉस्पिटल कटगी में मिली गंभीर अनियमितता

**बलौदाबाजार, 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम कटगी में संचालित संस्कार हॉस्पिटल की जांच रविवार को प्रशासन की टीम ने की। जांच के दौरान हॉस्पिटल में कई गंभीर अनियमिततायें पाई गई जिसके परिणामस्वरुप जांच टीम ने नर्सिंग एक्ट का पालन नहीं करने पर हॉस्पिटल संचालन प्रतिबंधित करते हुए हॉस्पिटल को सीलबंद की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम रामरतन दुबे के नेतृत्व में जांच टीम में तहसीलदार कसडोल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल थे। संस्कार हॉस्पिटल के विरुद्ध शिकायतें भी प्राप्त हुईं थी जिसका संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन की टीम द्वारा उक्त हॉस्पिटल की जांच की गई जिसमें नर्सिंग एक्ट के तहत कई कमियां पाई गई।

## परिवारिक विवाद को लेकर जान से मारने की धमकी दी और की मारपीट

**बलौदाबाजार 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।**

प्रार्थी प्रमोद कुमार कैवर्त द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 21.11.2025 को सायं 06:30 पुराने पारिवारिक विवाद की बात को लेकर प्रार्थी के भाई को अस्लील गाली गलौज कर, हत्या करने की नीयत से लोहे की गैती, लाठी डंडे आदि से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाया गया है। साथ ही प्रार्थी को भी जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाया गया है। कि रिपोर्ट पर थाना गिधौरी में अपराध क्र. 253/2025 धारा 296,115,351(3),109,3(5) बीएनएस का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना गिधौरी पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही करते हुए आहत, प्रार्थी एवं आसपास मौजूद ग्रामवासियों से विस्तृत पूछताछ कर कथन लिया गया, जिसके आधार पर प्रकरण में संलिप्त दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर उनके द्वारा पुराने परिवारिक विवाद की बात को लेकर प्रार्थी एवं उसके भाई के साथ जान से मारने की धमकी देते हुए लाठी, डंडा, लोहे की गैती के साथ मारपीट करते हुए उन्हें गंभीर चोट पहुंचाना स्वीकार किया गया। प्रकरण में दोनों आरोपियों को आज दिनांक 30.11.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

## मीडिया प्रतिनिधि फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल रैली में हुए शामिल

**राजनांदगांव 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** भारत सरकार खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता लाने के लिए आज दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में सुबह मीडिया प्रतिनिधियों के लिए फिट इंडिया संडे सायकल रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभारी सह मुख्य वॉलीबॉल कोच श्री केसी त्रिपाठी ने बताया कि भारत सरकार खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार प्रति रविवार लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए पूरे भारत में फिट इंडिया सायकल रैली का आयोजन किया जाता है। जिसमें आज मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा फिट इंडिया संडे ऑन सायकल रैली का आयोजन किया गया। संयुक्त संचालक डॉ. उषा किरण बड़ाईक, प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री सचिन अग्रहरि, कोषाध्यक्ष श्री बसंत शर्मा द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को फिट इंडिया संडे सायकल रैली कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ब्यूरो चीफ दैनिक सुबह का प्रहरी एवं सदस्य प्रेस क्लब श्री अंकालू साहू ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन सायकल चलाना चाहिए। इस दौरान श्री प्रदीप शर्मा ने मंच का संचालन किया। फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों के अतिरिक्त सांई ट्रेनिंग सेंटर के खिलाड़ी एवं स्टाफ श्री सुकदेव राउत, श्री मुन्ना लाल जायसवाल, अर्चना देवी चौधरी, श्री वीरेंद्र सिन्हा, श्री लेखराम देवांगन, श्री जय हिंद निषाद, श्री कुमारू राम पटेल एवं राधा राजपूत उपस्थित थे।

## पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से मोसेस राव बने ऊर्जादाता

**रायपुर, 01 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम जनता के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। इस योजना से घरों की बिजली की जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ उपभोक्ता अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी अर्जित कर रहे हैं। सुकमा जिले में इसके सकारात्मक परिणाम तेजी से सामने आ रहे हैं। नगर पंचायत कोंटा के निवासी श्री मोसेस राव ने अपने घर की छत पर इस योजना के तहत 3 केवी का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम स्थापित कराया है। यह स्थापना छत्तीसगढ़ इनोवेशन द्वारा की गई है। श्री राव बताते हैं कि योजना से जुड़ने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार से 1 लाख 8 हजार रुपये की सौर सब्सिडी मिली।

# चुनाव में पता चलेगा संगठन कितना मजबूत हुआ

## संपादकीय

कोई भी राजनीतिक दल हो,उसका संगठन कितना मजबूत है, इस बात का पता तो तब चलता है जब राजनीतिक दल चुनाव जीतता है, सरकार बनाता है। वैसे चुनाव के पहले माना जाता है कि संगठन मजबूत होगा तो चुनाव जीतना आसान होता है। इसलिए संगठन मे चुनाव के पहले जो कुछ भी किया जाता है वह संगठन को मजबूत करने के नाम पर किया जाता है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पिछला विधानसभा,सहित पंचायत, निगम चुनाव आदि हार गई तो माना गया कि संगठन कमजोर था, इसलिए पार्टी चुनाव हार गई। किसी ने हार की जिम्मेदारी नहीं ली, बड़े नेताओं ने नहीं ली तो प्रदेश अध्यक्ष ने भी नहीं ली। सबने मान लिया इसके लिए कोई एक दोषी कैसे हो सकता है,इसके लिए सब जिम्मेदार हैं। हारना सामूहिक जिम्मेदारी है।कांग्रेस में अच्छी परंपरा है यह कि हार के लिए नेतृत्व कहीं से जिम्मेदार नहीं है। दिल्ली का नेतृत्व हार के लिए खुद को दोषी नहीं मानता है तो प्रदेश का नेतृत्व हार के लिए कैसे खुद को दोषी मान सकता है। जाहिर तौर पर तो हार के लिए वही कहा गया जो दिल्ली नेतृत्व हर चुनाव में हार के लिए कहता है। लेकिन भीतरी तौर पर माना गया कि संगठन की कमजोरी के कारण हार हुई है, इसलिए संगठन को मजबूत करने के लिए हाल ही में ४१ जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई कोई कहता है कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव मे प्रदर्शन के आधार पर जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है,जहां जहां कांग्रेस हारी वहां के जिलाध्यक्षों को बदल कर नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ऐसे जिलो में रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर, कवर्धा, राजनांदगांव, रायगढ़, दंतेवाड़ा, महासमुंद, जांजगीर-चांपा सहित २५ जिले शामिल हैं। वही १६ जिलों में पुराने लोगों को मौका दिया गया है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में उदयपुर फार्मूले पर सख्ती से अमल करने की बात कही गई थी लेकिन कम युवाओं को मौका दिया गया है। यानी सौ फीसीदी अमल नहीं किया गया है। जिलाध्यक्षो की नियुक्ति के वक्त कहा गया था इससे वरिष्ठ नेताओं को दूर रखा जाएगा। उनके दवाब में कहीं जिला अध्यक्षों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। नाम घोषित हो जाने के बाद कहा जा रहा है कि सूची में शामिल ज्यादातर जिला अध्यक्ष वरिष्ट नेताओं की पसंद के अनुसार नियुक्त किए गए हैं। संगठन में पहले भी भूपेश गुट का दबदबा था, इस बार भी १५ जिलाध्यक्ष भूपेश की पसंद के बनाए गए हैं। वहीं दीपक बैज की पसंद के ८ जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। महंत की पसंद के ६ जिला अध्यक्ष बनाए है तो सिंहदेव की पसंद के ५ जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। सीधी सी बात है कि प्रदेश में संगठन में जिसकी पहले ज्यादा चलती थी, उसकी आगे भी ज्यादा चलेगी। संगठन सृजन अभियान चलाकर युवाओं से खूब चर्चा की गई, नए लोगों से चर्चा की गई लेकिन नियुक्त वही वरिष्ट नेताओं के पसंद को किया गया। इससे साफ हो जाता है कि जिला अध्यक्षो की नई नियुक्ति भले ही संगठन को मजबूत करने के नाम पर की गई है लेकिन इससे संगठन मजबूत हो न हो लेकिन अपने इलाके कांग्रेस के नेता जरूर मजबूत बने रहेंगे। यह क्षेत्रीय राजनीति में बड़े नेताओं की कब्जा बनाए रखने की कोशिश है और वह इसमें पहले भी सफल रहते थे और आज भी सफल रहे हैं। बड़े नेताओं को ज्यादा चिंता पार्टी के हार जीत की नहीं रहती है, अपने क्षेत्र की राजनीति में अपना दबदबा बनाए रखने की ज्यादा होती है। इसलिए वह चाहते हैं कि उसके क्षेत्र में जिलाध्यक्ष उनका आदमी हो।

# राजनीतिक घुसपैठ से ऊपर उठने की वैश्विक अनिवार्यता

**घुसपैठ**

किशन सनमुख दास भावना

वैश्विक स्तरपर आधुनिक विश्व का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि जहां विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति मानव जीवन को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले गई है,वहीं मनुष्य का आंतरिक संसार अस्थिरता, अनिश्चितता और विभाजन की गिरफ्त में है।ऐसे समय में पूजा,इबादत प्रार्थना सेवा और आध्यात्मिकता मनुष्य के मन में संतुलन,करुणा और शांति का आधार बनने चाहिए थे, पर विडंबना यह है कि आज इन्हीं आध्यात्मिक क्षेत्रों में राजनीति का हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है।आध्यात्मिकता का राजनीतिकरण वैश्विक स्तरपर एक गहरी चिंता का विषय बन चुका है क्योंकि इससे न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता प्रभावित होती है, बल्कि सामाजिक एकता, धार्मिक सद्भाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था भी कमजोर पड़ती है। इसलिए यह आवश्यक है कि पूजा-इबादत प्रार्थना सेवा को मनोरंजन, प्रचार-प्रसार, या राजनीतिक लाभ के साधन के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति को रोका जाए और अध्यात्म की पवित्रता को पुनर्स्थापित किया जाए।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विश्व की लगभग सभी धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराएँ,हिंदू, बौद्ध, ईसाई, इस्लाम, यहूदी, ताओ, शिंतो- पूजा को एक आंतरिक प्रक्रिया मानती हैं। हिंदू दर्शन में पूजा मन,बुद्धि,चित्त की शुद्धि का साधन है, केवल क्रियाकलाप का नहीं। बौद्ध परंपरा में पूजा नहीं, बल्कि स्मृति और ध्यान केंद्र में है, जिसका उद्देश्य मन की अशुद्धियों को शांत करना है।इस्लाम में नमाज़ मनोरंजन नहीं, बल्कि विनम्रता का प्रशिक्षण है। ईसाई प्रेयर को आत्मिक संवाद कहते हैं, जहाँ बाहरी आडंबर से अधिक भीतरी पवित्रता को महत्व दिया जाता है।यानें पूरी दुनियाँ इस बात को मानती है कि पूजा कोई कार्यक्रम याफेस्टिविटी नहीं,बल्कि एक अंतर्यात्रा है,स्वयं को जानने की, स्वयं को सुधारने की,और स्वयं को ईश्वर या ब्रह्मांडीय चेतना से जोड़ने की। मानव सभ्यता के विकास में पूजा,ध्यान,प्रार्थना और आध्यात्मिक साधनाएँ केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं रहीं,बल्कि मनुष्य के आंतरिक संतुलन,मानसिक अनुशासन और सामाजिक नैतिकता के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में विकसित हुई हैं। किंतु आज के डिजिटल युग,तीव्र बाज़ारीकरण,उपभोक्तावाद और मनोरंजन-प्रधान संस्कृति में पूजा के वास्तविक स्वरूप के समक्ष सबसे बड़ा संकट यही है कि इसे अनायास ही मनोरंजन, उत्सव, प्रदर्शनी या दिखावे के रूप में देखा जाने लगा है।पूजा इबादत प्रार्थना सेवा मनोरंजन नहीं है यह पंक्ति केवल धार्मिक चेतना को पुनर्स्थापित करने का आह्वान नहीं, बल्कि 21वीं सदी की मानव सभ्यता के लिए एक नैतिक मार्गदर्शन भी है कि आध्यात्मिकता और बाज़ार, श्रद्धा और मनोरंजन, साधना और प्रदर्शन के बीच सीमाओं को समझे बिना समाज का मानसिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक शुचिता और आध्यात्मिक अनुशासन लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकता।

साथियों बात अगर हम पूजा या इबादत प्रार्थना सेवा मनोरंजन नहीं है:पवित्रता की मूल आत्मा है इसको समझने की करें तो, पूजा और इबादत प्रार्थना सेवा किसी भी धर्म या संस्कृति में आनंद या मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे हैं। प्राचीन सभ्यताओं से लेकर आधुनिक धार्मिक परंपराओं तक, पूजा का उद्देश्य मनुष्य को उसके अहंकार, उसकी इच्छाओं और उसकी भ्रमित अवस्थाओं से ऊपर उठाना रहा है।पूजा में एकांत, अनुशासन और मन की शुद्धता का भाव शामिल होता है, जबकि मनोरंजन का मूल स्वभाव हल्कापन क्षणिकता और बाहरी उत्तेजना पर आधारित होता है। आज जब कई स्थानों पर धार्मिक अनुष्ठानों को संगीत-उत्सवों, भीड़-इकट्ठा करने वाले कार्यक्रमों या दिखावे की प्रतियोगिताओं में बदलते देखा जाता है, तब पूजा अपनी मूल सार्थकता खोने लगती है।पूजा का उद्देश्य आत्म-निरीक्षण औरआध्यात्मिक उन्नयन है, न कि भीड़ जुटाकर लोकप्रियता कमाना।पूजा या इबादत प्रार्थना सेवा को मनोरंजन के स्तर पर उतार देने से समाज में दो गंभीर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। प्रथम, धार्मिक भावना का बाजारीकरण बढ़ता है,जिसके कारण समारोह सजावट आयोजनों की भव्यता और तकनीकी प्रदर्शन पर केन्द्रित हो जाते हैं।दूसरा, इससे धर्म का उपयोग सामुदायिक पहचान दिखाने के साधन में बदल जाता है, जिससे बंटवारा और प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होती है। पूजा यदि मन की शांति का स्रोत रहे तो समाज शांत होता है, पर यदि इसे भीड़-संचालित मनोरंजन के रूप में रूपांतरित कर दिया जाए तो इससे तनाव और विभाजन बढ़ते हैं। साथियों बात अगर हम पूजा और मनोरंजन का मिश्रण 21वीं सदी की नई चुनौती इसको समझने की करें तो इंटरनेट,ग्लोबल मीडिया, स्मार्टफोन और सोशल नेटवर्क ने धर्म और पूजा को तेजी से मनोरंजन की वस्तु जैसा बना दिया है।मंदिरों, चर्चों मस्जिदों और गुरुद्वारों के लाइव स्ट्रीम, रील्स, व्लॉग्स, पब्लिक चैलेंज, वायरल भक्ति गाने, डांस वीडियोज और 'डेवोशनल कंटेंट ट्रेंडिंग' ने पूजा की मूल भावना को बाज़ार का हिस्सा बना दिया है।आज भक्तों की संख्या नहीं, व्यूज़ और फॉलोअर्स की संख्या पर आध्यात्मिक प्रतिष्ठा का मूल्यांकन होने लगा है। पूजा घर का एकांत साधना स्थल होने के बजाय स्टेज-लाइट्स, साउंड डीजे और डिजिटल शो का रूप लेती जा रही है। आधुनिक विश्व में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और तकनीकी प्रगति मनुष्य को उसकी मूल आत्मा से दूर करती जा रही है,वहां आध्यात्मिकता की भूमिका और बढ़ जाती है।लेकिन जब यहीआध्यात्मिकता सत्ता का उपकरण बन जाती है, तो वह अपने मूल उद्देश्य मानव कल्याण और आंतरिक शांति से भटक जाती है।इसलिए आधुनिक युग में अध्यात्म को राजनीतिक रंगत से बचाना केवल धार्मिक स्वतंत्रता का ही प्रश्न नहीं,बल्कि यहमानवाधिकार लोकतंत्र और वैश्विक सामाजिक स्थिरता का प्रश्न भी है। राजनीतिकरण रोकने का अर्थ यह नहीं कि धार्मिक समुदाय सामाजिक मुद्दों पर बोलें नहीं; बल्कि इसका अर्थ यह है कि पूजा-इबादत को राजनीतिक उद्देश्य, चुनावी लाभ या नीतिगत लाभ उठाने का माध्यम न बनाया जाए।

साथियों बात अगर हम आध्यात्मिकता में राजनीति की घुसपैठः वैश्विक परिप्रेक्ष्य में खतरा इसको समझाने की करें तो, आध्यात्मिकता की राजनीति पर पकड़ जितनी गहरी होती जाती है, उतनी ही लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है,क्योंकि व्यक्ति की निजी आस्था राजनीतिक वादों और प्रचार मशीनों का विषय बन जाती है। पिछले कुछ दशकों में दुनियाँ के कई देशों में देखा गया है कि राजनीतिक दल आध्यात्मिक नेताओं, धार्मिक संस्थानों और सामुदायिक विश्वासों का उपयोग जनमत को प्रभावित करने में करते हैं। इससे आध्यात्मिक संस्थाएँ निष्पक्षता खो देती हैं और धर्म का उपयोग वैज्ञानिक, सामाजिक या आर्थिक वास्तविकताओं से ध्यान हटाने के लिए किया जाता है।राजनीति की घुसपैठ से आध्यात्मिकता का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह मनुष्य को विभाजित करने वाली रेखाओं को गहरा करती है। आध्यात्मिकता का असली उद्देश्य मनुष्य को उसके भीतर की एकता से जोड़ना है, लेकिन राजनीति उसकी पहचान को समूह, जाति, संप्रदाय या अन्य सामाजिक ध्रुवों में बदल देती है। जब आध्यात्मिक नेताओं को राजनीतिक मंचों पर खड़ा किया जाता है,जब पूजा-स्थलों को शक्ति -समीकरणों के केंद्र में रखा जाता है, या जब आस्था के नाम पर नीतियाँ बनती हैं, तो इससे सत्ता और आध्यात्मिकता के बीच ऐसा पैठयुक्त गठजोड़ बनता है जिससे समाज का नैतिक ढांचा कमज़ोर पड़ता है।यह वैश्विक प्रवृत्ति केवल धार्मिक स्वतंत्रता को ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति को भी चुनौती देती है। कई अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, चाहे मध्य-पूर्व, अफ्रीका या एशिया में आस्था और राजनीति के मिश्रण का परिणाम रहे हैं। राजनीतिक उद्देश्यों के लिए आध्यात्मिक भावनाओं का दुरुपयोग सम्पूर्ण मानवता के लिए खतरा है।

साथियों बात अगर हम पूजा- इबादत और आध्यात्मिकता को साम-दाम-दंड-भेद की राजनीति से अलग रखने की आवश्यकता को समझने की करें तो,सत्ता की राजनीति साम, दाम, दंड, भेद की रणनीति पर चलती है।यह रणनीति युद्धकला, प्रशासन और राजनीतिक प्रबंधन के लिए हो सकती है,परंतु आध्यात्मिकता के लिए यहघातक है।पूजा-इबादत को राजनीति की ऐसी रणनीति मेंशामिल करने से धर्म का मूल स्वरूप ही बदल जाता है। आध्यात्मिकता का स्वभाव स्वैच्छिकता, प्रेम, आत्म- अनुशासन और आंतरिक विकास से जुड़ा होता है; जबकि सत्ता का स्वभाव लाभ-हानि, गणना, रणनीति और प्रतिस्पर्धा से जुड़ा होता है। इन दोनों की प्रकृति में मूलभूत विरोधाभास है।यदि पूजा इबादत प्रार्थना सेवा को राजनीतिक साधन बनाया जाएगा तो वह किसी समुदाय में श्रेष्ठता की भावना या दूसरे में हीनता का निर्माण कर सकती है।राजनीति जब धार्मिक आयोजनों को धन,शक्ति या सामाजिक प्रभाव के माध्यम के रूप में देखती है, तब यह स्वाभाविक है कि साम-दाम-दंड-भेद की नीति लागू हो।इससे आध्यात्मिकताका पवित्रक्षेत्र संघर्षों औरआरोपों का मैदान बन जाता है,जो किसी भी सभ्य समाज के लिएविनाशकारी है।पूजा इबादत प्रार्थना सेवा और राजनीति को अलग रखना केवल भारत जैसे बहुधर्मी समाज की ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की आवश्यकता है।अमेरिका, यूरोप, जापान, मध्य-पूर्व और अफ्रीका, सभी क्षेत्रों में यह एक स्थायी सिद्धांत स्वीकार किया गया है कि धार्मिक स्वतंत्रता तभी सुरक्षित है जब राज्य और आध्यात्मिक संस्थान अपनी-अपनी सीमाओं का सम्मान करें।

## सू- दोकू क्र. 245

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| 3 | | | 4 | | | 2 | | |
| | | | | | | | 6 | |
| 6 | | | | | 4 | | | |
| | 9 | | 5 | | | 6 | | 1 |
| | | | | | | | | |
| 4 | | 3 | | | 9 | | | 2 |
| | 8 | | 2 | | | | 7 | |
| 1 | | 2 | | 4 | | 9 | | 6 |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.244 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 7 | 6 | 9 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | 3 | 9 | 2 | 8 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 4 | 5 | 2 | 3 | 7 | 6 | 9 | 1 | 8 |
| 2 | 8 | 5 | 4 | 6 | 7 | 1 | 9 | 3 |
| 3 | 1 | 7 | 8 | 9 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 6 | 9 | 4 | 1 | 3 | 5 | 7 | 8 | 2 |
| 9 | 4 | 1 | 6 | 2 | 8 | 3 | 7 | 5 |
| 7 | 2 | 8 | 5 | 1 | 3 | 6 | 4 | 9 |
| 5 | 6 | 3 | 7 | 4 | 9 | 8 | 2 | 1 |

## शब्द सामर्थ्य -245

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

**ऊपर से नीचे**

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

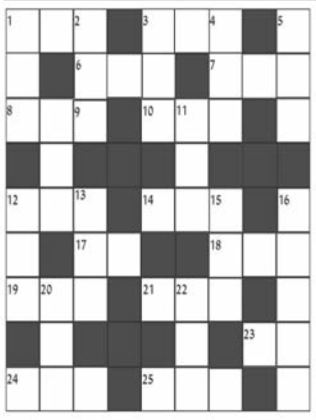

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 244 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अं | त | ■ | म | री | ज | ■ | ■ | ■ |
| ग | ह | न | ता | ■ | ब | र | ब | स |
| ■ | की | ■ | धि | क्का | र | ■ | र | मा |
| ■ | का | ■ | का | ■ | द | वा | खा | ना |
| प | त | वा | र | ■ | स्त | र | ■ | ■ |
| ह | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | दा | मि | नी |
| ना | ■ | ए | ह | ति | या | त | ■ | लां |
| वा | च | क | ■ | हा | ■ | ■ | खू | ब |
| ■ | ■ | ता | ब | ड़ | तो | ड़ | ■ | र |

## राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। काम को लेकर मेहनत भी अधिक रहेगी, लेकिन फिर भी आप हिम्मत नहीं हारेंगे। आप किसी नए काम को करने की शुरुआत कर सकते हैं। परिवार में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। विद्यार्थी किसी परीक्षा की तैयारी में जुटेंगे, जिससे उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। नौकरी में आपको थोड़ा सावधान रहना होगा।

वृषभ आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आप अपने कामों को पूरी मेहनत और ईमानदारी से करेंगे और आपके अनुभवों का आपको पूरा लाभ मिलेगा। किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। आपकी कला और कौशल में भी सुधार आएगा। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपको कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज न करें। आपको यदि कार्यक्षेत्र में किसी काम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हो, तो आप उसको लेकर पूरा धैर्य दिखाएं। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

कर्क आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको काम को लेकर कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। आपको गलत तरीके से धन कमाने से बचना होगा। आपकी कोई बात बनते बनते बिगड़ सकती है, जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई लिखाई करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छी सफलता हासिल होगी। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए कुछ समस्याएं लेकर आने वाला है। पारिवारिक जीवन में कुछ उथल-पुथल बनी रहेगी, जिससे आपको थोड़ी टेंशन भी रहेगी। आप थोड़ा धैर्य बनाकर ही कामों को करें। किसी से कोई वादा सोच समझकर करें। अपने कामों को कल पर टालने से बचें। धन को लेकर आप किसी से समझौता बिल्कुल ना करें, क्योंकि आपके उस धन के वापस मिलने की संभावना बहुत कम है। धार्मिक कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

कन्या आज आपको किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचना होगा, क्योंकि इससे आपको कोई नुकसान होने की संभावना है। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपकी कोई बात बनते बनते बिगड़ सकती हैं। आज आपको किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान देगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल को शुभ रहेगा और परिजनों का आना जाना लगा रहेगा। राजनीति में आपको कामों से एक अच्छी पहचान मिलेगी।

तुला आज का दिन आपके लिए योजना बनाकर चलने के लिए रहेगा। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए आज दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। आप सरकारी योजनाओं में धन लगाएंगे, उसमें आपको अच्छे सफलता मिलेगी। वाहनों की अक्समात खराबी के कारण आपका खर्च बढ़ने की संभावना है। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक आज आपके कुछ विरोधी आपके कामों में रोड़ा अटकाने की कोशिश कर सकते हैं। आज आप अपने प्रभाव से लोगों को कम दिखाने की कोशिश करेंगे। आपको किसी काम को लेकर यदि कोई तनाव था, तो वह भी दूर होगा। संतान के करियर को लेकर आपको टेंशन हो सकती है। आप अपनी आंखों का खास ख्याल रखें, क्योंकि आपकी कोई पुरानी समस्या उभरेगी। आपको लेनदेन से संबंधित मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु आज आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी और किसी नई नौकरी के लिए आपको बुलावा आ सकता है। आप अपने बेफिजूल के खर्चों को करने में काफी धन व्यय करेंगे, जो बाद में आपकी मुश्किलों को बढ़ाएगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले, नहीं तो आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पारिवारिक रिश्तो में एकता बनी रहेगी। आप किसी अजनबी के साथ पार्टनरशिप थोड़ा सोच समझकर करें और किसी घर, मकान आदि की खरीदारी के लिए आप कोई लोन भी अप्लाई कर सकते हैं।

मकर आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको कामों से एक नई पहचान मिलेगी और आपकी कोई डील फाइनल होते-होते अटक सकती है, जो आपकी समस्याओं को बढ़ाएगी। आप अपने धन और समय दोनों का सदुपयोग करें, नहीं तो बाद में आपको धन की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानकर चलना होगा, क्योंकि कुछ आपके मित्र के रूप में आपके शत्रु हो सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं।

कुंभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा और आप अपनी संतान को कहीं पिकनिक आदि पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों को अच्छी सफलता हासिल होगी। आपको कुछ नए संपर्कों से भी लाभ मिलेगा। बिजनेस में रुकी हुई डील फाइनल होने से आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी।

मीन आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलेगी और आपकी अपने पिताजी से किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है, क्योंकि आप अपने कामों को लेकर थोड़ी जल्दबाजी दिखा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में आपको थोड़ा धैर्य संयम बनाए रखना होगा। आपकी कोई गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती हैं, जिसके लिए आप अपने परिवार के सदस्यों से माफ़ी मांगेंगे।

# डिजिटल व्यापार समझौते और भारत की स्वदेशी डिजिटल क्षमताएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग में वैश्विक शक्ति-संतुलन तेल से डेटा की ओर, भू-राजनीति से तकनीक-राजनीति की ओर और पारंपरिक व्यापार से डिजिटल व्यापार की ओर निर्णायक रूप से स्थानांतरित हो चुका है। ऐसे समय में भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसे दो समानांतर दवाबों और अवसरों का सामना करना पड़ रहा है—एक ओर वैश्विक डिजिटल व्यापार समझौतों में सम्मिलित होकर तीव्र होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्वयं को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर स्वदेशी डिजिटल क्षमताओं, डेटा संसाधनों, तकनीकी नीति-निर्माण और डिजिटल संप्रभुता की रक्षा करने की अनिवार्यता भी है। समस्या का केंद्रबिंदु यह है कि कई डिजिटल व्यापार समझौते ऐसे प्रावधानों से भरे हुए हैं जो सतही तौर पर मुक्त, सहज और त्वरित डिजिटल प्रवाह की वकालत करते हैं, किंतु वस्तुतः वे विकासशील देशों की नीति स्वायत्तता, घरेलू तकनीकी उद्योग, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमताओं को कमजोर करते हैं। भारत की स्थिति विशेष रूप से इसलिए संवेदनशील है क्योंकि भारत एक विशाल डिजिटल बाजार, अत्यधिक उपभोग आधारित डेटा-संपदा, और वैश्विक मूल्य-श्रृंखला का उभरता हुआ तकनीकी केंद्र है। अतः डिजिटल व्यापार समझौते भारत की डिजिटल प्रगति के लिए अवसर भी हैं और जोखिम भी। यह समझना आवश्यक है कि कैसे ये समझौते भारत की स्वदेशी क्षमताओं को प्रभावित करते हैं और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए क्या संरचनात्मक सुधार अपेक्षित हैं। डिजिटल व्यापार समझौतों का सबसे बड़ा प्रभाव भारत की नियामक स्वायत्तता पर पड़ता है। विकसित देशों द्वारा संचालित ऐसे समझौते अक्सर डेटा के मुक्त प्रवाह, डेटा स्थानीयकरण पर प्रतिबंध, डिजिटल सेवाओं पर गैर-भेदभाव, सोर्स कोड की सुरक्षा और स्वामित्व एल्गोरिदम के खुलासे पर रोक जैसी धाराओं को सम्मिलित करते हैं। ये प्रावधान भारत जैसे देश के लिए समस्यात्मक इसलिए हैं क्योंकि भारत अभी भी अपने डेटा शासन मॉडल, डिजिटल सुरक्षा ढाँचे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की रणनीति को धीरे-धीरे विकसित कर रहा है। भारत को यह अधिकार होना चाहिए कि वह डेटा कहाँ संग्रहीत हो, कौन इसका उपयोग करे, और इसका वाणिज्यिक व सामरिक महत्व किस प्रकार परिभाषित हो। यदि ये अधिकार किसी बहुपक्षीय समझौते में सीमित हो जाते हैं, तो भारत की नीति-निर्माण क्षमता बाधित हो जाती है। डेटा स्थानीयकरण भारत के लिए केवल एक तकनीकी या वाणिज्यिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर संप्रभुता, डिजिटल न्याय और आर्थिक अवसरों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जब डिजिटल व्यापार समझौतों में यह शर्त होती है कि कोई देश डेटा स्थानीयकरण लागू नहीं कर सकता, या केवल सीमित परिस्थितियों में कर सकता है, तो इसका परिणाम यह होता है कि भारत अपने डेटा को विदेशी क्लाउड, विदेशी कंपनियों और विदेशी सर्वर संरचनाओं पर निर्भरता के साथ संचालित करने को बाध्य हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप एआई मॉडल, बिग डेटा एनालिटिक्स, नागरिक डिजिटल सेवाएँ और वित्तीय सुरक्षा प्रणाली विदेशी नियंत्रण-क्षेत्र में चली जाती हैं, जो दीर्घकाल में भारत की तकनीकी स्वतंत्रता को कमजोर करता है। स्वदेशी डिजिटल क्षमताओं पर दूसरा बड़ा प्रभाव डिजिटल औद्योगिक नीतियों पर लगने वाली सीमाओं के रूप में सामने आता है। डिजिटल व्यापार समझौते प्रायः यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी देश विदेशी डिजिटल सेवा प्रदाताओं या डिजिटल व्यापार कंपनियों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण नीति नहीं अपनाएगा। लेकिन भारत के संदर्भ में यह "भेदभाव" अक्सर नीतिगत प्रतिबंध बन जाता है। उदाहरण के लिए, यदि भारत घरेलू क्लाउड सेवा प्रदाताओं को बढ़ावा देना चाहता है, या घरेलू एआई अवसंरचना का विकास करना चाहता है, तो यह सुनिश्चित करना कठिन हो जाएगा यदि समझौतों में विदेशी कंपनियों के लिए अनिवार्य "नॉन-डिस्क्रिमिनेशन" या "नेशनल ट्रीटमेंट" जैसी शर्तें शामिल हों। सोर्स कोड और एल्गोरिदमिक पारदर्शिता भी एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ डिजिटल व्यापार समझौते भारत की क्षमता-निर्माण को बाधित कर सकते हैं। कई समझौतों में यह शर्त होती है कि कोई भी सदस्य-देश विदेशी कंपनियों से सोर्स कोड या एल्गोरिद्मिक जानकारी की मांग नहीं करेगा। सतही तौर पर यह बौद्धिक संपदा की सुरक्षा जैसा प्रतीत होता है, परंतु वास्तविकता यह है कि इससे घरेलू प्रतिस्पर्धा, स्वदेशी तकनीकी नवाचार और नियामकीय पारदर्शिता प्रभावित होती है।

भारत यदि एआई मॉडल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्तीय तकनीक या साइबर सुरक्षा ढाँचों को नियंत्रित करना चाहता है, तो उसे यह समझने की आवश्यकता है कि इन तकनीकों का मूल संरचनात्मक व्यवहार क्या है। लेकिन यदि समझौते इसे कानूनी रूप से असंभव बना दें, तो भारत एक सतही उपभोक्ता मात्र बनकर रह जाता है, निर्माता नहीं। डिजिटल व्यापार समझौतों का एक और गंभीर प्रभाव वैश्विक तकनीकी कंपनियों से कराधान के अधिकार पर पड़ता है। कई समझौते डिजिटल सेवा कर, समानता कर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लगाए जाने वाले अतिरिक्त भार को प्रतिबंधित कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियाँ भारतीय बाजार से विशाल राजस्व अर्जित करती हैं, परंतु भारत को उनसे अपेक्षित कर नहीं मिल पाता। इससे न केवल भारत की वित्तीय क्षमता प्रभावित होती है, बल्कि घरेलू कंपनियों को भी असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल व्यापार समझौते भारत को भविष्य में अपनी डिजिटल रणनीति को लचीले रूप से बदलने से भी रोक सकते हैं। जब कोई देश किसी समझौते में कठोर प्रतिबद्धताएँ कर देता है, तो आने वाले वर्षों में उसके लिए तकनीकी क्षेत्र में बदलते खतरों और अवसरों के अनुसार नीतियों में संशोधन करना कठिन हो जाता है। उदाहरण के लिए, साइबर सुरक्षा, डीपफेक विनियमन, एआई नैतिकता, डिजिटल मुद्रा शासन या क्लाउड नियंत्रण जैसे क्षेत्र अत्यंत गतिशील हैं। लेकिन यदि समझौते में ऐसी शर्तें हों जो भारत की विवेकाधीन शक्ति को सीमित कर दें, तो भारत अपनी डिजिटल भविष्य-निर्माण क्षमता खो देता है। दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए भारत को कई स्तरों पर सुधारों और रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, भारत को डिजिटल संप्रभुता के सिद्धांत को स्पष्ट रूप से परिभाषित और संस्थागत रूप देना होगा। डेटा शासन, एआई नीति, डिजिटल प्लेटफॉर्म विनियमन और साइबर सुरक्षा ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ भारत को किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से ऊपर घरेलू कानून की सर्वोच्चता सुनिश्चित करनी चाहिए। भारत ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के माध्यम से इस दिशा में प्रारंभिक कदम उठाए हैं, परंतु इसे और व्यापक डिजिटल अधिकार-आधारित ढाँचे की आवश्यकता है। दूसरा महत्वपूर्ण सुधार स्वदेशी डिजिटल अवसंरचना के निर्माण में निहित है। भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण, उन्नत चिप डिजाइन, घरेलू क्लाउड, एआई कम्प्यूट अवसंरचना, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को प्राथमिकता देनी चाहिए। डिजिटल अर्थव्यवस्था तभी स्वतंत्र और स्थायी हो सकती है जब उसकी नींव पराई तकनीक पर निर्भर ना हो। भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना मॉडल—आधार, यूपीआई, डीआईजीआईलॉकर, ओएनडीसी—एक उदाहरण है कि कैसे सार्वजनिक नियंत्रण में निर्मित प्रणालियाँ वैश्विक स्तर पर नवाचार का आधार बन सकती हैं। तीसरा, भारत को बहुपक्षीय और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में स्पष्ट "रेड लाइन्स" के साथ प्रवेश करना चाहिए। भारत को साफ-साफ यह बताना होगा कि वह किन मुद्दों पर समझौता नहीं करेगा—विशेषतः डेटा स्थानीयकरण, डिजिटल कराधान, एल्गोरिद्मिक पारदर्शिता, राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी डेटा, संवेदनशील तकनीकें और स्वदेशी डिजिटल उद्योगों के संरक्षण के मुद्दे। यदि समझौते इन क्षेत्रों में अत्यधिक बाधात्मक हों, तो भारत को उनका हिस्सा बनने से इंकार करने का भी अधिकार होना चाहिए, जैसा कि भारत ने कई बार वैश्विक ई-कॉमर्स नियमों में अनुचित शर्तों के कारण किया है। चौथा, भारत को डिजिटल व्यापार वार्ता में केवल एक उपभोक्ता या बाजार के रूप में नहीं, बल्कि एक तकनीकी शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित करना चाहिए। भारत के पास विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल कौशल-आधार, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का विशाल समूह और उभरती हुई स्टार्टअप प्रणाली है। भारत को तकनीकी प्रतिभा को वार्ता की शक्ति में परिवर्तित करना चाहिए। यह एक निर्यात योग्य क्षमता है—भारत तकनीकी सेवाओं, डिजिटलीकरण विशेषज्ञता और एआई मॉडल-ट्रेनिंग क्षमताओं का सबसे बड़ा केंद्र बन सकता है, बशर्ते उसकी नीति स्वतंत्रता सुरक्षित रहे।

# बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में 240 करोड़ की लागत से बनेंगी 87 नई सड़कें

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**जगदलपुर, 01 दिसंबर।** बस्तर अपनी घनी वन सम्पदा और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण अक्सर आवागमन की चुनौतियों का सामना करता रहा है, जहां सैकड़ों बसाहटें मुख्यधारा से कटी हुई थीं। इन विषम परिस्थितियों के बावजूद केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनातंर्गत जिले के अंदरूनी बसाहटों को बारहमासी आवागमन सुविधा से जोड़ने के लिए डामरीकृत पक्की सड़कों का निर्माण लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में अभी हाल ही में भारत सरकार से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनातंर्गत फैज-4 के तहत जिले में 240 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से 87 नई सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इन सड़कों की कुल लंबाई करीब 237 किलोमीटर है, जो बस्तर के ग्रामीण और दूरस्थ निवासियों के लिए एक वास्तविक जीवनरेखा साबित होंगी। यह परियोजना केवल सड़कों का निर्माण नहीं, बल्कि उन विरल आबादी वाले क्षेत्रों तक विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं और शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने का एक मजबूत प्रयास है। पीएमजीएसवाय के अंतर्गत स्वीकृत इन सड़कों में कई ऐसी हैं जो विशेष रूप से दुर्गम क्षेत्रों को जोड़ती हैं। इनमें प्रमुख हैं जगदलपुर विकासखण्ड की तिरिया से पुलचा तक की 14.40 किलोमीटर लंबी सड़क और लोहण्डीगुडा विकासखण्ड की बारसूर पल्ली रोड से कचेनार तक 7.50 किलोमीटर की कनेक्टिविटी, जो स्थानीय निवासियों के लिए बाजार, स्कूल, अस्पताल और सरकारी कार्यालयों तक पहुंचना आसान बनाएगी। सबसे चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले दरभा विकासखण्ड में, दरभा कोलेंग रोड से खासपारा ककालगुर, लेण्ड्रा अटल चैक से भाटागुडा जैसे महत्वपूर्ण पड़ावों को जोड़ने वाली सड़क तथा पुराने ग्राम पंचायत से पडिया आठगांव एवं कुरेंगापारा रोड से जालाघाटपारा व्हाया चालकीपारा तक की सड़कें भी शामिल हैं। ये सभी नाम उन बसाहटों के हैं जहां बेहतर कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक थी। इस परियोजना के तहत बकावंड और लोहांडीगुड़ा जैसे विकासखंडों में सर्वाधिक 50 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कें स्वीकृत की गई हैं। कुल 87 सड़कों का यह विशाल नेटवर्क बस्तर के लोगों को न केवल सुगम आवागमन प्रदान करेगा, बल्कि विषम परिस्थितियों में रहने वाले प्रत्येक ग्रामीण तक शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचना भी सुनिश्चित करेगा। यह स्वीकृति बस्तर के समग्र सामाजिक-आर्थिक उत्थान की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

## एक नजर

### जिले में मारपीट और तोड़फोड़ की दो अलग-अलग घटनाएं

**कोरबा 01 दिसंबर ।** जिले में गत शुक्रवार रात दो अलग-अलग घटनाओं ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहली घटना मानिकपुर चैकी क्षेत्र के मुड़ापार शारदा विहार स्थित वैभव होम्स परिसर की है, जहां 29 नवंबर की रात एक युवक ने कॉलोनी में खड़ी करीब 18 गाड़ियों के शीशे तोड़कर उत्पात मचाया। दूसरी घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है, जहां स्कूली छात्रों के दो गुटों के बीच सड़क पर मारपीट होती दिखी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। कॉलोनी के निवासियों ने बताया कि रात करीब डेढ़ बजे एक युवक रॉड लेकर परिसर में घुसा और एक के बाद एक सभी गाड़ियों के शीशे तोड़ता चला गया। आवाज सुनकर जब लोग बाहर आए तो वह पीछे के रास्ते से भाग निकला। आश्चर्यजनक रूप से, आरोपी अगली सुबह फिर कॉलोनी में आया और दोबारा उत्पात करने की कोशिश की, लेकिन लोगों की मौजूदगी देखकर फरार हो गया। वैभव होम्स परिसर के अध्यक्ष संदीप पांडे ने कहा कि घटना की सूचना रात में ही मानिकपुर चैकी पुलिस को दी गई थी और उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मानिकपुर चैकी में पदस्थ एएसआई अमर जायसवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम दीपू भारती है, जो एसईसीएल में सुरक्षाकर्मी है। वह चिरमिरी से कोरबा स्थानांतरित होकर दादर में किराए के मकान में रहता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने टीपी नगर सहित आसपास के अन्य क्षेत्रों में भी उत्पात मचाया था। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

### कुसमुंडा में भूविस्थापित महिलाओं का फूटा गुस्सा

**कोरबा 01 दिसंबर ।** कुसमुंडा क्षेत्र से प्रभावित भूविस्थापित महिलाओं का 22 वर्षों से जारी संघर्ष आज निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया। एसईसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन की कथित उदासीनता और संवेदनहीनता से नाराज मओं ने सोमवार अलसुबह कुसमुंडा मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के दोनों प्रवेश द्वारों पर ताला जड़ दिया। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि आंदोलन के कारण उत्पन्न किसी भी अप्रिय स्थिति और कोयला उत्पादन में रुकावट के लिए पूरी जिम्मेदारी एसईसीएल और जिला प्रशासन की होगी। कुसमुंडा परियोजना से विस्थापित महिलाएं रोजगार, बसाहट, पुनर्वास और लंबित समस्याओं के समाधान के लिए करीब दो दशक से अधिक समय से संघर्षरत हैं। आज के आंदोलन में गोमती, केवट, काजल, इन्द्रा, सरिता टिकैतराम बिंझवार, पूनम और मीना कंवर सहित कई महिलाएं शामिल रहीं। महिलाओं ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, वे अनिश्चितकालीन धरने से नहीं हटेंगी और मुख्य गेट बंद ही रखेंगे। महिलाओं ने बताया कि बीते 17 नवंबर 2025 को भी उन्होंने कुसमुंडा कार्यालय में गेट जाम आंदोलन किया था। उस समय दर्री तहसीलदार ने लिखित में आश्वासन दिया था कि 21 नवंबर को बैठक कर समस्याओं का समाधान किया जाएगा। लेकिन बैठक आयोजित नहीं हुई और आश्वासन एक बार फिर झूठा साबित हुआ। इसी वादाखिलाफी ने महिलाओं के गुस्से को और भड़का दिया। हम वर्षों से खदान बंद कर, गेट जाम कर, दफ्तरों के चक्कर लगाकर अपने हक के लिए लड़ रहे हैं। एसईसीएल और जिला प्रशासन बार-बार झूठे भरोसे देकर हमें छल रहा है। 21 नवंबर की बैठक का वादा भी पूरा नहीं किया गया। इसलिए अब निर्णायक लड़ाई शुरू हो चुकी है। जब तक समाधान नहीं, तब तक गेट नहीं खोला जाएगा।

### सेवानिवृत्त के दौरान सौंपे गए पेंशन प्रमाणपत्र

**बीजापुर 01 दिसंबर।** जिला कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने आज जिले के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी। उन्होंने सभी कर्मचारियों के उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की शुभकामनाएँ दीं। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में प्रधान पाठिका अख्तरी बेगम, जो पूर्व माध्यमिक विद्यालय बीजापुर में पदस्थ थीं, श्री नेतराम ठाकुर, जो जनपद पंचायत उसूर में विकास विस्तार अधिकारी के रूप में कार्यरत थे तथा श्री डोरिस लाल, जो स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ थे शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी श्री डोरिस लाल का सेवानिवृत्ति से मात्र 15 दिन पूर्व आकस्मिक निधन हो गया था।

गौ सेवा समिति गठन की उठी जोरदार मांग

# नगर में लावारिस पशुओं की नहीं हो रही देखभाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**किरंदुल 01 दिसंबर।** एक विकसित और सम्पन्न औद्योगिक नगर, जहाँ शिक्षा, संपन्नता और आधुनिक जीवन सुविधाओं की कोई कमी नहीं, लेकिन इन्हीं सुविधाओं के बीच निस्वार्थ सेवा और वेजुबान जानवरों की देखभाल के प्रति उदासीनता चिंताजनक रूप से सामने आई है।

### गंभीर हादसा बना सवालों का आईना

कुछ ही दिन पहले एक घटना ने पूरे नगर की संवेदनशीलता पर सवाल खड़ा कर दिया। एक बछड़ा लगभग 20 फीट ऊँचाई से नीचे गिरकर मुख्य सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल पड़ा मिला। शंका है कि उसकी अंतरिक हड्डियों में कई जगह फ्रैक्चर हुआ है, जिससे वह उठ भी नहीं पा रहा। स्थानीय कुछ नागरिकों ने मानवीय पहल करते हुए बछड़े को अपने घर के पास लाकर देखभाल शुरू की। पशु चिकित्सा विभाग की टीम रोज उपचार कर रही है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या आज भी वही है – बछड़े को खुले में, गलियों के मार्ग पर छोड़कर इलाज किया जा रहा है।

### खतरे में जिंदगी: कड़ाके की सर्दी में खुले में उपचार

जब घरों में रह रहे लोग तक तेज ठंड और शीतलहर से परेशान हैं, तब सोचिए खुले आसमान के नीचे पड़े इस गंभीर रूप से घायल बछड़े की हालत क्या होगी। क्या यह तरीका उचित है क्या यह मानवीय है क्या यह जीव धर्म के अनुरूप है सवाल प्रशासन और समाज दोनों से किरंदुल जैसा संसाधन-संपन्न नगर, जहाँ– बड़े-बड़े समाजिक संगठन हैं विभिन्न जाति-समुदाय संस्थान सक्रिय हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे मजबूत संगठन मौजूद हैं और धन-संपन्नता की कोई कमी नहीं फिर भी लावारिस, बेघर, घायल बेजुबान जानवरों के लिए एक भी स्थायी व्यवस्था न होना समाज के लिए कलंक है। यह रिपोर्ट किसी आलोचना या प्रशंसा के लिए नहीं, बल्कि प्रशासन को जगाने और समाज की असल तस्वीर दिखाने का प्रयास है।

किरंदुल औद्योगिक नगर में लावारिस पशुओं की सुरक्षा व्यवस्था शून्य के बराबर। 20 फीट से गिरे घायल बछड़े का खुले में उपचार, जीवन पर खतरा। कड़कड़ाती ठंड में बेहोशी, दर्द और ठिठुरन के बीच बेजुबान बछड़ा बेबस। पशु चिकित्सा विभाग उपचार कर रहा है, पर आश्रय की व्यवस्था नहीं। नगर में निस्वार्थ सेवा की कमी स्पष्ट उजागर। प्रशासन द्वारा स्थायी गौ सेवा समिति गठन की जोरदार मांग। लावारिस पशुओं के लिए आश्रयगृह, भोजन, सुरक्षा और चिकित्सा व्यवस्था तत्काल जरूरी।

### अपील सरकार और प्रशासन से

किरंदुल नगर में प्रशासन को चाहिए कि जल्द से जल्द गौ सेवा समिति का गठन करे, ताकि लावारिस और घायल जानवरों को सुरक्षित आश्रय, समय पर इलाज, भोजन और देखभाल मिल सके। जीवों की रक्षा केवल धर्म नहीं–मानवता का आधार है।

# कोयले की खोज में सरकार ने निजी कंपनियों को किया शामिल

**कोरबा 01 दिसंबर ।** केंद्र सरकार ने देशभर में कोयले की खोज में निजी कंपनियों को भी शामिल कर लिया है। इस पहल का उद्देश्य कोयला खदानों के संचालन में तेजी लाना और उत्पादन को बढ़ाना है। सरकार ने कोयला तथा लिग्नाइट की खोज एवं अन्वेषण के लिए अधिकृत एजेंसियों की सूची का विस्तार करते हुए 18 नई संस्थाओं को इसमें शामिल करने की जानकारी दी।

**कोयला मंत्रालय ने क्या कहा..?** कोयला मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 4 की उप-धारा (1) के दूसरे प्रावधान के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय गुणवत्ता परिषद-राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त निजी संस्थाओं को 26 नवंबर 2025 को मान्यता प्राप्त पूर्वेक्षण एजेंसियों के रूप में अधिसूचित किया गया है। सरकार ने कहा कि इससे कोयला और लिग्नाइट की खोज के लिए 18 और एजेंसियां जुड़ जाएंगी, जिससे कोयला ब्लॉक आवंटियों को कोयला और लिग्नाइट की खोज के लिए इन एजेंसियों को नियुक्त करने में अधिक विकल्प मिलेगा।

**खनन को जल्दी बढ़ाने में मिलेगी मदद:** कोयला खदान के संचालन के लिए भूगर्भीय रिपोर्ट का अन्वेषण और तैयारी एक शर्त है। इन अन्वेषण एजेंसियों के जुड़ने से लगभग 6 महीने का समय बचेगा, जो पहले एजेंसी द्वारा लाइसेंस प्राप्त करने में लगता था। अधिकृत संभावित एजेंसियों के समूह का विस्तार करके, सरकार निजी क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग करके और अन्वेषण में दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और इनोवेशन को बढ़ावा देना चाहती है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक, इस कदम से अन्वेषण की गति में काफी तेजी आएगी और खनन को जल्दी बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे संसाधन विकास में तेजी आएगी और देश के लिए कोयला और लिग्नाइट की उपलब्धता बढ़ेगी। इससे देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बयान में आगे कहा, भारत सरकार एक पारदर्शी, कुशल और भविष्य के लिए तैयार खनिज अन्वेषण ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा और आर्थिक विकास को गति देगा।

# राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक में आकांक्षी जिले दंतेवाड़ा एवं सुकमा ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**दंतेवाड़ा, 01 दिसंबर।** छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को तेजी से जमीन पर उतार रही है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत हाल ही में राज्य के आकांक्षी जिले दंतेवाड़ा व सुकमा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। पिछले पंद्रह दिनों में यहां कुल 11 स्वास्थ्य संस्थानों का सफलतापूर्वक मूल्यांकन पूरा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ब्ल्यूहो) के तकनीकी सहयोग से इन जिलों में सफलतापूर्वक मूल्यांकन किया गया है.विदित हो कि सुकमा जिले के 4 और दंतेवाड़ा जिले के 7 संस्थान इस मूल्यांकन में शामिल रहे। सुकमा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बुरड़ी, उप स्वास्थ्य केंद्र कंजिपानी (छिंदगढ़), किस्टाराम व गगनपल्ली (कोंटा) तथा दंतेवाड़ा में उप स्वास्थ्य केंद्र बड़े बचेली, बड़े कमेली (दंतेवाड़ा), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फरसपाल, उप स्वास्थ्य केंद्र मडसे (गीदम), मेलावाड़ा, अरनपुर व कोड़ेनार (कुआकोंडा) ने हक्रस मूल्यांकन में भाग लिया।

इनमें कोंटा ब्लॉक का किस्टाराम उपस्वास्थ्य केंद्र विशेष रूप से सुर्खियों में है। जिला मुख्यालय से करीब 200 किलोमीटर और ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। दो राज्यों की सीमाएं पार कर पहुंचने वाली इस कठिन भौगोलिक स्थितिकी चुनौतियों के बावजूद यहां कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों ने सेवा गुणवत्ता का स्तर बनाए रखा है।नक्सल प्रभावित व दूरस्थ क्षेत्रों में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य अधिकार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन 11 संस्थानों का हक्रस मूल्यांकन इस तथ्य का प्रमाण है कि संसाधन सीमित हों या सुरक्षा चुनौतियां–जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता यदि अडिग हो, तो उत्कृष्टता की राह अवश्य बनती है।सरकार का दावा है कि ऐसे प्रयासों से अब आदिवासी बहुल एवं दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को भी पहले से अधिक सुगम, भरोसेमंद व गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

## समाचार संक्षेप

### कुलपति ने किया कृषि विज्ञान केंद्र, दंतेवाड़ा का भ्रमण एवं कृषकों का किया मार्गदर्शन

**दंतेवाड़ा, 01 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल ने विगत दिवस कृषि विज्ञान केंद्र, दंतेवाड़ा का भ्रमण किया। इस अवसर पर प्राकृतिक खेती अंतर्गत कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा के आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री ओम प्रकाश ने केंद्र की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ चंदेल ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र को आगे आकर कार्य करने के मार्गदर्शन देते हुए 70 हितग्राहियों को प्रक्षेत्र परीक्षण एवं प्राकृतिक खेती अंतर्गत चना बीज वितरण, स्व सहायता समूह के महिलाओं को प्लास्टिक ड्रम का वितरण, उपस्थित कृषकों को आदान सामग्री एवं सब्जी बीज का वितरण भी किया गया। इसके अलावा निदेशक विस्तार सेवाएं, इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर डॉ एस. एस. टूटेजा ने लघु धान्य फसलों के क्षेत्र विस्तार एवं प्रसंस्करण पर विशेष जोर देने की बात कही। इस भ्रमण अंतर्गत कुलपति द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में माँ दंतेश्वरी स्व सहायता समूह द्वारा संचालित दंतेश्वरी न्यूट्री फूड्स का उद्घाटन भी किया गया। कार्यक्रम में शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र जगदलपुर से डॉ आर.एस. नेताम, डॉ अश्विनी ठाकुर, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक श्री डिप्रोशन बंजारा, डॉ. प्रवीण कुमार निषाद, श्री एस के पोड़याम, एवं कृषकगण उपस्थित थे।

### 5 प्रकरणों में 6.68 लाख रुपए मूल्य के 215.60 क्विंटल अवैध धान जब्त

**राजनांदगांव,01 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान बिक्री की रोकथाम के लिए कोचियों एवं बिचौलियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। आने वाले समय में कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा अवैध धान की बिक्री करने की पुनरावृत्ति होने एवं संलिप्त पाए जाने पर अपराधिक प्रकरण भी दर्ज किए जा सकते हैं। इसी कड़ी में राजस्व, खाद्य, मंडी विभाग के संयुक्त दल द्वारा आज कुल 5 प्रकरणों में 6 लाख 68 हजार 360 रूपए मूल्य के 215.60 क्विंटल (539 बोरा) अवैध धान जप्त किया गया। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 123 प्रकरणों में 4 करोड़ 85 लाख 87 हजार 726 रूपए मूल्य के 15673.46 क्विंटल (39184 बोरा) अवैध धान एवं 7 वाहन जप्त किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार आज राजनांदगांव अनुविभाग में 3 प्रकरण में 5 लाख 75 हजार 360 रूपए मूल्य के 185.60 क्विंटल (464 बोरा) अवैध धान एवं डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 2 प्रकरणों में 93 हजार रूपए मूल्य के 30 क्विंटल (75 बोरा) अवैध धान जप्त किया गया है। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक राजनांदगांव अनुविभाग में कुल 49 प्रकरणों में 2 करोड़ 76 लाख 54 हजार 480 रूपए मूल्य के 8920.80 क्विंटल (22302 बोरा) अवैध धान व 2 वाहन, डोंगरगढ़ अनुविभाग में 36 प्रकरण में 95 लाख 87 हजार 866 रूपए मूल्य के 3092.86 क्विंटल (7732 बोरा) अवैध धान व 2 वाहन तथा डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 38 प्रकरणों में 1 करोड़ 13 लाख 45 हजार 380 रूपए मूल्य के 3659.80 क्विंटल (9150 बोरा) अवैध धान एवं 3 वाहन जप्त किया गया है। जिले में कोचियों एवं बिचौलियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले के 1500 छोटे एवं बडे मंडी अनुज्ञप्तिधारियों को सूचीबद्ध कर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं खाद्य व मंडी के अधिकारियों को जांच कर अवैध रूप से भंडारित धान जप्त किए जाने तथा सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये गये है। जिले में अंतर्राज्यीय अवैध धान आवक के रोकथाम हेतु जिले में कुल 3 अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट बोरतलाब, पाटेकोहरा एवं कल्लूबंजारी स्थापित किया गया है। जहां पर मंडी, नगर सेना, वन विभाग एवं राजस्व के अधिकारियों द्वारा तीन पालियों में 24 घंटे की ड्यूटी लगाई गई है।

### जिले में आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर में 250 से अधिक लोगों को मिला नि:शुल्क उपचार

**कोरबा 01 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा बालको द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोरबा के सहयोग से 29 नवंबर को श्री अवधूत भगवान राम सेवा आश्रम परिसर में विशाल निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में 250 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सको की टीम ने जुकाम, खांसी, चर्म रोग, रक्तचाप, शुगर, पेट संबंधी समस्याएं, स्त्रीरोग, नेत्र रोग, गठिया, वात, बवासीर, जोड़ों के दर्द सहित कई बीमारियों की जांच कर उपचार प्रदान किया। साथ ही सभी रोगों से संबंधित दवाइयाँ भी पूर्णतरू निरूशुल्क उपलब्ध कराई गईं। रक्त की जांच के लिए अलग से काउंटर बनाए गए थे, जहां लोगों ने उत्साह से स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत उपस्थित रही। उन्होंने शिविर में कार्यरत चिकित्सको का शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया और निरूस्वार्थ सेवा के लिए उनकी सराहना की। इस अवसर पर संतोष शांडिल्य, पार्षद सत्येंद्र दुबे, रामायण सूर्यवंशी, आर.के. द्विवेदी तथा श्रीमती राजकुमारी देवांगन भी उपस्थित रहे। महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में स्वस्थ रहना जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक वास्तविक रूप से मानवता के रक्षक हैं, जो दिन-रात लोगों की बीमारियों और समस्याओं को दूर करने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, क्योंकि इनके माध्यम से जरूरतमंद लोगों को त्वरित उपचार और सटीक स्वास्थ्य सलाह मिलती है। चिकित्सको की टीम में डॉ. निषाद दत्ता, डॉ. लक्ष्मीकांत पटेल, डॉ. नागज्योति राठौड़, डॉ. दिव्या, श्रीमती ममता कुर्रे, विक्रम भीतर, श्रीमती सेकंड लकड़ा, श्रीमती मां कुंवर मरकाम, श्रीमती सुनीता शाह, वीरेंद्र कुमार साहू, उमेश कुमार, हरीश कुमार कश्यप और नीरज कुमार साहू पूरे दिन लोगों की सेवा में लगे रहे।

खेती किसानी एवं मत्स्य पालन व्यवसाय का तालमेल कृषकों की आजीविका और उन्नति के बहुमुखी स्रोत के रूप में उभरा

# समृद्धि का स्रोत बना मछलीपालन,कृषकों के लिए आसान हुआ जीवनयापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**दंतेवाड़ा,01 दिसंबर।** वर्तमान में खेती किसानी एवं मत्स्य पालन व्यवसाय का तालमेल कृषकों के आजीविका और उन्नति के बहुमुखी स्रोत के रूप में उभरा है। जो पूरे कृषि परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन लाकर कृषकों के जीवन स्तर को एक सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से टिकाऊ सुरक्षा प्रदान करता है। तात्पर्य है कि मौसम परिवर्तन का सीधा असर जहां फसल उत्पादन पर पड़ता हैं वहीं फसलों के बाजार मूल्य में उतार चढ़ाव भी कृषकों की कुल आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते है। ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन जैसे व्यवसाय कृषकों के लिए ''सपोर्ट सिस्टम'' का काम करते है। बस्तर जैसे अंचल में जहां के अधिकतर कृषक वर्षा आश्रित फसलों पर निर्भर रहते है वहां खेती के अलावा इसी से संबंधित पशुपालन, कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन जैसे व्यवसायों पर ध्यान केन्द्रित करना अब आवश्यकता बनता जा रहा हैं। और अगर मत्स्य पालन की बात करें तो यह देखा गया है कि बस्तर जिले के किसानों के पास अक्सर खेतिहर भूमि के बाद भी ऐसी भूमि बची रह जाती है जिनका उपयोग नहीं हो पाता और अगर ऐसी भूमि जल स्रोतों के निकट हो तो मछली पालन के लिए यह आदर्श स्थल साबित हो सकती है। इस क्रम में जिले के कई ऐसे जागरूक और प्रगतिशील किसान भी है जिन्होंने खेती के साथ-साथ सफल मत्स्य पालन करके अपनी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाया है जो अन्य कृषकों के लिए प्रेरणास्रोत है।

विकासखंड दंतेवाड़ा के ग्राम फुलनार के श्री सन्तुराम पोड़ियाम पिता श्री बोना राम भी इन्हीं सफल कृषकों में से एक है। जो खेती और मछली उत्पादन से जुड़ कर अपनी वार्षिक आय में पर्याप्त वृद्धि करके अपने जीवन को समृद्ध बनाया है। उनका कहना है कि धान की खेती उनका पुश्तैनी कार्य है जो उन्हें हर परिस्थिति में करना ही है। परन्तु वे हमेशा से ही धान के खेती के साथ-साथ अन्य समानान्तर व्यवसाय को अपनाना चाहते थे धान खेती में अत्यधिक मेहनत और लागत तथा कामगारों की कमी तथा संतोषजनक उत्पादन न होने जैसी समस्याओं के चलते मत्स्य पालन ने उन्हें आकर्षित किया और अंततः मत्स्य विभाग से संपर्क के जरिए उन्हें अपनी भावी योजनाओं को साकार करने का मौका मिला। उन्होंने तत्काल विभाग के सहयोग से अपने 1.00 हेक्टेयर की भूमि में तालाब खुदवाया। नवीन तालाब निर्माण कर मछली पालन कार्य प्रारंभ किया। इसके साथ ही मत्स्य विभाग द्वारा विभागीय योजना अन्तर्गत जैसे मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीक, आईस बाक्स, जाल, फिश माऊंट, अंगुलिका संचयन योजना अंतर्गत मछली बीज मछुआ प्रशिक्षण से उनको लाभान्वित किया गया। जिससे उनकी आमदनी में उत्तरोत्तर वृद्धि होती गई और आज वे मछली पालन करके प्रति वर्ष लगभग 2 लाख रूपये का शुद्ध आय अर्जित प्राप्त कर रहे है। सन्तु राम यह भी कहना है कि वे पहले धान कृषि के तहत 08 से 10 क्विंटल ही प्राप्त कर पाते थे जो उनके परिवार के जीवन यापन में ही पर्याप्त नहीं हो पाता था। लेकिन मत्स्य पालन ने उन्हें और उनके परिवार को सहारा दिया, और आज उनका जीवन सुखमय है।

# राजस्व,खाद्य विभाग ने 39 लाख का 1260 क्विंटल अवैध धान किया जब्त

**मोहला 1 दिसंबर ।** कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशन में राजस्व एवं खाद्य विभाग द्वारा जिले में अवैध धान परिवहन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अवैध धान की रोकथाम के लिए जिले में 9 चेक पोस्ट बनाए गए हैं, जिन पर कर्मचारियों की तैनाती कर चौकसी बढ़ाई गई है। इसके साथ ही खाद्य विभाग की टीम रात में विभिन्न चेक पोस्टों का नियमित दौरा कर निगरानी कर रही है। अब तक प्रशासन द्वारा 17 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 4 प्रकरण दूसरे राज्यों से आने वाले धान के हैं और इन मामलों में तीन ट्रक तथा एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया है। वहीं कोचियों पर की गई लगातार कार्रवाई में 13 प्रकरण दर्ज हुए हैं, जिनमें तीन पिकअप वाहन जब्त किए गए हैं। अब तक जिले में कुल 1260 क्विंटल अवैध धान जप्त किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 39 लाख 6 हजार रुपए आंकी गई है। प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में कोचियों एवं अवैध परिवहन पर कार्रवाई और अधिक कठोर की जाएगी, ताकि जिले में अवैध धान की खरीद-फरोख्त पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

# कार्यशाला में ग्रामीणों को लाख पालन के फायदे बताए

**मोहला, 2 दिसंबर ।** मानपुर डिपो मोहला वनमण्डल मोहला के द्वारा आज लाख पालन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य लाख पालन के लाभों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करना और उन्हें इस व्यवसाय से जुड़ने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यशाला का संचालन मास्टर ट्रेनर श्रीमती मीतू गुप्ता, श्री सूर्य कुमार ध्रुव, और श्रीमती गरिमा कश्यप ने किया।

कार्यशाला में बिहान लाख का ट्रिटमेंट और कुसुम पेड़ में लाख लगाना जैसे महत्वपूर्ण प्रैक्टिकल कार्य दिखाए गए। विशेषज्ञों ने बताया कि लाख पालन न केवल एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है, बल्कि इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि लाख पालन से पर्यावरण के लिए भी लाभकारी हो सकता है, क्योंकि यह पेड़ों की वृद्धि और जैव विविधता को बढ़ावा देता है। कार्यशाला के दौरान, ग्रामीणों ने लाख पालन से जुड़ी कई जिज्ञासाएं व्यक्त की, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। कार्यशाला में कुल 110 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया और लाख पालन के बारे में नई जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला में वनमण्डल अधिकारी मोहला, उप वनमण्डलाधिकारी मानपुर, परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर मानपुर, परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण मानपुर, और परिक्षेत्र अधिकारी अंबागढ़ चौकी के अलावा, समिति खैरकट्टा, चिखलाकसा, पुगदा, उचहपुर, खुर्सीपार, कारेकट्टा, और जालवाही के सदस्य शामिल हुए।

## एक नजर

### गिनती न सुना पाने पर शिक्षक का अत्याचार, दूसरी कक्षा के मासूम की आंख में उतरा खून–अधिकारियों ने दिए कार्रवाई के निर्देश

**रामानुजगंज, 1 दिसंबर।** रामानुजगंज के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पलगी में प्राथमिक शाला जावाखाड़ी के शिक्षक द्वारा मासूम छात्र की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कक्षा दूसरी में पढ़ने वाले 7 वर्षीय छात्र भागीरथी यादव को गिनती में गलती करने पर शिक्षक उदय यादव ने इतनी जोरदार पिटाई की कि उसकी आंख में खून उतर आया और चेहरा सूज गया।घटना शुक्रवार की है। भोजन अवकाश के बाद कक्षा में पहुंचे शिक्षक ने बच्चे से गिनती सुनाने को कहा। गलती जैसे ही हुई, शिक्षक ने उसके दोनों गालों पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। बच्चा जब डर के कारण सिर झुकाने लगा तो शिक्षक और अधिक नाराज हुए और लगातार पिटाई करते रहे। पीड़ित छात्र के पिता धनंजय यादव ने आरोप लगाया कि शिक्षक घटना के समय नशे में थे और अक्सर नशे की हालत में ही स्कूल आते हैं। घर पहुंचकर भागीरथी ने रोते हुए पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिजन त्रिकुंडा थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।मामले की जानकारी मिलने पर शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है।जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव ने कहा कि संबंधित शिक्षक के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज करने के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी को थाने भेजा गया है उसके विरुद्ध निलंबन की भी कार्रवाई होगी।वहीं त्रिकुंडा थाना प्रभारी जवाहर तिर्की ने पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले में उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने दोषी शिक्षक की बर्खास्तगी की मांग की है। पुलिस व शिक्षा विभाग घटना की जांच में जुट गए हैं।

### रामानुजगंज नगर में चोरी की बड़ी वारदात वार्ड क्रमांक 3 में लाखों का सामान पार

**रामानुजगंज , 1 दिसंबर।** नगर के वार्ड क्रमांक 3 में बीती रात एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। जेल के पीछे बसे इस वार्ड में अज्ञात चोरों ने करीब देढ लाख से अधिक सोना-चांदी के जेवरात और 12,000 नकद पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।मिली जानकारी के अनुसार, चुटुर कुशवाहा (60 वर्ष) अपने घर के एक हिस्से वार्ड क्रमांक 5 में रहते हैं वहीं उनका बेटा बहू वार्ड क्रमांक 3 में रहते हैं बीती रात बहू सोनी देवी अपने पाँच साल के बच्चे के साथ दूसरे कमरे में सो रही थीं। लगभग दो बजे रात के समय कुछ आवाज सुनाई देने पर सोनी देवी की नींद खुली। उन्होंने बाहर आकर देखा तो दो कमरों के ताले टूटे पड़े थे। अंदर जाकर अलमारी की जाँच की तो सोनाङ्कचाँदी के सभी जेवरात गायब मिले। यह देखकर वह जोर-जोर से रोने और चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े चले आए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुँचा, लेकिन तब तक चोर फरार हो चुके थे। वारदात के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है और सोनी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

### वारंट तामील कर लौट रहे आरक्षक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

**सूरजपुर, 1 दिसंबर।** सूरजपुर जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताज़ा घटना में दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में एक आरक्षक की दर्दनाक मौत हो गई। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, आरक्षक दलसाय कोराम, जो रामानुजनगर थाने में पदस्थ थे, शनिवार देर रात परशुरामपुर क्षेत्र में वारंट तामील कर वापस थाने लौट रहे थे। इसी दौरान सरईपारा गांव के पास उनकी बाइक सामने से आ रही एक अन्य बाइक से जोरदार टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद रामानुजनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### निगरानी बदमाश के विरुद्ध थाना जांजगीर पुलिस की सख्त कार्रवाई

**जांजगीर, 1 दिसंबर।** तीन नवंबर को रात्रि करीब 10:00 बजे आरोपी दिनेश राठौर द्वारा अपनी बहन व किराएदार होटल संचालक से घर में पैसे की मांग कर रहा था जिसे उसकी बहन मना की तो आरोपी द्वारा गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारपीट किया था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया था। प्रकरण की विवेचना दौरान आरोपी दिनेश राठौर को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

# कलेक्टर ने दिव्यांग जीवन को दी ट्राइसाइकिल तो खिला चेहरा

**मोहला 1 दिसंबर ।** जिला कार्यालय परिसर में आज एक मार्मिक दृश्य देखने को मिला, जब विकासखंड मोहला के ग्राम मार्री श्री जीवन लाल परतेती अपनी रोजमर्रा की पीड़ा और संघर्ष को शब्दों में समेटे हुए समाज कल्याण विभाग पहुँचे। वर्षों से चलने-फिरने में गंभीर कठिनाई झेल रहे श्री जीवन लाल परतेती केवल एक लकड़ी के डंडे के सहारे चलने को मजबूर थे। यह डंडा उनका सहारा जरूर था, परंतु इसके साथ हर कदम दर्द, असुविधा और असहायता की याद भी लेकर आता था।

दैनिक कार्य करना उनके लिए चुनौती बन चुका था। जैसे थोड़ी दूरी तक भी चल पाना कठिन, लगातार शारीरिक दर्द, संतुलन बनाए रखने में परेशानी, साधारण कामों में दूसरों पर निर्भरता एवं घर से बाहर निकलना भी जोखिम भरा रहता था। इसी पीड़ा को लेकर बंया करते श्री जीवन लाल ने समाज कल्याण विभाग में आवेदन दिया। आवेदन देते समय उनकी आँखों में एक उम्मीद की चमक थी। शायद अब उन्हें वह सहायता मिल सके जिसकी वे लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। उनकी इस गहरी पीड़ा को समझते हुए समाज कल्याण विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत उनके द्वारा दिए आवेदन का तत्काल निराकरण किया। तत्पश्चात आज कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने श्री जीवन लाल परतेती को ट्राइसाइकिल तथा वॉकर प्रदान किया। उपकरण प्राप्त करते ही उनके चेहरे पर एक अलग ही खुशी और राहत की मुस्कान दिखने को मिली। लंबे समय से सहारे की तलाश कर रहे श्री परतेती ने उपकरण पाकर शासन और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया और बताया कि यह सहायता उनके जीवन में नई रोशनी और आत्मनिर्भरता लेकर आई है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह ट्राइसाइकिल और वॉकर न केवल आपकी सुविधा बढ़ाएँगे, बल्कि आपको नए अवसर और आत्मविश्वास भी देंगे। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग से श्री अखिलेश तिवारी उपस्थित रहे।

# छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान का संकल्प साल भर में राज्य को बनाएंगे बाल विवाह मुक्त

**मनेंद्रगढ़-चिरमिरी, 1 दिसंबर ।** भरतपुर पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान ने कहा कि वह . मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। .. छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। जिले को बनना है बाल विवाह मुक्त 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के 27 नवंबर को एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर . छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान ने स्कूलों, ग्रामीण समुदायों और अन्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम और पूरे जिले में जगह-जगह बाल विवाह के खिलाफशपथ समारोह आयोजित किए। संगठन ने जनसमुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया और उन्हें समझाया कि कानून के अनुसार बाल विवाह में किसी भी तरह से शामिल होने या सहायता करने वालों जिसमें शादी में आए मेहमान, कैटरर्स, टेंट वाले, बैंड वाले, सजावट वाले या बाल विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित, सभी को इस अपराध को बढ़ावा देने के जुर्म में सजा हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों से कानून लागू करने वाली एजेंसियों व जिला प्रशासन के साथ करीबी समन्वय से काम करते हुए छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान ने पिछले एक वर्ष में ही .300 बाल विवाह रुकवाए हैं।बाल विवाह के खिलाफ जारी रहेगा अभियान बाल विवाह के खिलाफ जारी अभियान को और गति व मजबूती देने वाली सरकार की इस घोषणा का स्वागत करते हुए .. संस्था के सचिव अनिल मिश्रा और प्रेजेक्ट डायरेक्टर अमृत प्रधान ने कहा, यह 100 दिवसीय गहन अभियान देश की दिशा बदलने वाला साबित होगा और हमें प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य के करीब लाएगा। सदियों से हमारी बेटियों को अवसरों से वंचित किया गया है और विवाह के नाम पर उन्हें अत्याचार, शोषण और बलात्कार की ओर धकेला गया है। जन प्रतिनिधियों, सरकारी विभागों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समुदायों का अभूतपूर्व तरीके से एक साथ आना, बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता और प्रयासों को नई ऊर्जा व रफ्तार देगा।

### रामानुजगंज-बलरामपुर एनएच-343 पर सड़क निर्माण से उड़ रही धूल से जनता बेहाल

**बलरामपुर, 1 दिसंबर ।** राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर 90 करोड़ रुपए की लागत से रामानुजगंज से बलरामपुर तक 29 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़क का निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से जारी है। लेकिन निर्माण के शुरुआती चरण में ही ठेकेदार की गंभीर लापरवाही उजागर होने लगी है, जिसके चलते आमजन का जीवन मुश्किलों से भर गया है।जिला मुख्यालय में प्रवेश करते ही धूल का घना गुब्बार वातावरण को ढक लेता है। सुबह और शाम के समय तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब धूल के बादल पूरी सड़क को सफेद धुंध की तरह ढक देते हैं। पूरे मार्ग पर धूल की समस्या इतनी गंभीर है कि वाहन चालकों, राहगीरों, व्यापारियों और आसपास रहने वाले लोगों का चलना-फिरना दूभर हो गया है। लगातार उड़ती धूल से खांसी, एलर्जी और सांस लेने में दिक्कत जैसी स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ रही हैं।

# दूसरे दिन भी हुई ओडिशा सीमा से धान के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाई

**रायगढ़, 1 दिसंबर।** धान के अवैध भंडारण और अंतर्राज्यीय परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से रायगढ़ जिला प्रशासन ने दूसरे दिन भी फिर सख्त और निर्णायक कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों ने ओडिशा सीमा से लगे संवेदनशील मार्गों की गहन निगरानी करते हुए बिचौलियों द्वारा उपयोग किए जा रहे सभी वैकल्पिक जंगल-पगडंडी एवं कच्चे रास्तों को चिन्हांकित कर पूरी तरह सील कर दिया है। इन अवैध मार्गों पर जेसीबी मशीनों से गहरे गड्ढे खोदकर मजबूत अवरोधक तैयार किए गए, जिससे वाहनों की आवाजाही पूर्णतः बंद हो गई है और धान तस्करी की संभावना समाप्त हो गई है।कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी अंतर्राज्यीय बैरियरों पर कर्मचारियों की 24 घंटे तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। रात्रिकालीन गश्त को सघन किया गया है और संदिग्ध वाहनों की कड़ाई से तलाशी ली जा रही है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी परिस्थिति में धान के अवैध परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पारदर्शी और व्यवस्थित खरीदी सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन हर आवश्यक कदम उठा रहा है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वाहन की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन, नियंत्रण कक्ष या खाद्य विभाग के टोल-फ्री नंबर 1800-233-3663 पर दें। कलेक्टर ने बताया कि अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर एवं कॉल सेंटर का गठन किया गया है, जो धान की रीसाइक्लिंग पर रोक, बिचौलियों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग और धान के उठाव एवं परिवहन की सतत ट्रैकिंग कर रहा है।एसडीएम लैलूंगा श्री भरत कौशिक ने बताया कि तहसील मुकडेगा के किलकिला, हाडीपानी और कोडामाई क्षेत्र में ओडिशा से धान के अवैध परिवहन की लगातार सूचना मिल रही थी। सूचना प्राप्त होते ही राजस्व, खाद्य एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुँची और सभी संवेदनशील कच्चे एवं जंगल मार्गों को जेसीबी से गड्ढा खोदकर पूर्णतः ब्लॉक कर दिया गया। एसडीएम ने कहा कि धान की अवैध आवाजाही की संभावना को देखते हुए जंगल से होकर गुजरने वाले सभी रास्तों को अवरुद्ध कर दिया गया है। अब इन सभी मार्गों पर 24 घंटे कड़ी निगरानी की जा रही है।पहले भी अवरुद्ध किए गए थे सात अंदरूनी रास्ते-लगातार जारी है अभियानबता दें कि बीती रात भी जिला प्रशासन ने कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर घरघोड़ा एसडीएम के नेतृत्व में एक बड़ी कार्रवाई की थी, जिसमें ओडिशा से धान की अवैध आवक के लिए बनाए गए सात अंदरूनी जंगल मार्गों को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। इसी क्रम में आज भी यह सख्त कार्रवाई जारी रही और अतिरिक्त मार्गों को अवरोधित कर तस्करों के सभी संभावित रास्तों को खत्म किया गया। जिला प्रशासन ने कहा है कि अवैध परिवहन पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। जहां भी धान के अवैध परिवहन की आशंका पाई जाएगी, वहां तत्काल, कड़ी और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

### महिला किसान उमा जामड़े ने कहा-टोकन से तौल तक पूरी प्रक्रिया रही पारदर्शी

**मोहला 1 दिसंबर ।** शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के मार्गदर्शन में जिले में धान खरीदी कार्य पारदर्शी, व्यवस्थित और किसान-हितैषी ढंग से निरंतर जारी है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के 19 प्राथमिक समितियों के 27 उपार्जन केंद्रों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। खरीदी केंद्रों में शासन द्वारा धान खरीदी को सुचारु व्यवस्था एवं किसानो की सुविधा के लिए गेट पास एप का प्रारंभ किया गया है। इसके तहत किसानों को धान खरीदी केंद्र में आने पर अपने वाहन के साथ गेट पास एप में फोटो खिंचवाना होगा साथ ही धान खरीदी केन्द्र में आते समय अपना टोकन भी साथ लाना होगा। गेट पास एप के माध्यम से टोकन का स्कैन किया जाएगा। जिसके बाद किसान की फोटो खिची जाएगी। धान खरीदी के 48 से 72 घंटे के भीतर किसानों को धान का मूल्य प्राप्त हो जाता है। इस सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं से किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। इसी क्रम में मोहला विकासखण्ड के ग्राम परसघाट की महिला किसान श्रीमती उमा जामड़े ने एकटकान्हार में 80 क्विंटल धान विक्रय किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में जब वह अपना धान लेके गई तों सबसे पहले धान खरीदी केंद्र में अपने वाहन के साथ गेट पास एप के माध्यम सें उनकी फोटो खींची गई साथ ही टोकन का स्कैन किया गया। उन्होंने खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए बताया कि ऑनलाइन टोकन प्रक्रिया पूरी तरह सरल हैं, साथ ही गेट पास एप की सराहना करते हुए कहा की यह एप्प शासन की पारदर्शी और समयबद्ध है प्रक्रिया को दर्शाती हैं।

## समाचार संक्षेप

### जिले में धान का अवैध परिवहन रोकने 22 नाकों पर कड़ी निगरानी; 4,300 क्विंटल धान जब्त

**बलरामपुर, 1 दिसंबर।** धान खरीद सीजन के दौरान बिचौलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए बलरामपुर-रामानुजगंज जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिले में फ्लाइंग स्क्वायड टीमों के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में 22 नाका स्थापित किए गए हैं, जिनमें 17 चेकपोस्ट अंतरराज्यीय हैं। इन सभी नाकों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी मॉनिटरिंग जिला स्तर पर लगातार की जा रही है।

अब तक की गई कार्रवाई में प्रशासन ने 45 प्रकरण दर्ज किए हैं। धान की अवैध ढुलाई और खरीदी-बिक्री पर कड़ी निगरानी के दौरान 4,300 क्विंटल धान जप्त किया गया है। यदि यह धान बिचौलियों द्वारा समितियों में खपाया जाता तो इसकी कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक होती। प्रशासन ने धान की अवैध परिवहन में संलिप्त 17 वाहनों को भी जब्त कर लिया है। ध्यान देने योग्य है कि धान की कालाबाज़ारी में शामिल वाहन मालिकों और चालकों पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। अब तक 3 प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज किए जा रहे हैं, जिन पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि जिले में धान की अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए हर स्तर पर कठोर कदम जारी रहेंगे।जिला खाद्य अधिकारी विनय कुजूर ने बताया कि राजस्व विभाग और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम लगातार निरीक्षण, गश्त और जांच कर रही है। धान की अवैध आवाजाही रोकने के उद्देश्य से नाकों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले की राइस मिलों की गहन जांच की जा रही है, ताकि किसी भी मिल द्वारा अवैध रूप से धान की खरीदी या संग्रहण नहीं किया जा सके।इधर, कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने कहा कि जिले में स्थापित 22 चेकपोस्ट पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। सीसीटीवी मॉनिटरिंग के माध्यम से वाहनों की आवाजाही पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी धान की अवैध ढुलाई या खरीद-बिक्री की जानकारी मिलती है, तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि धान की कालाबाज़ारी के खिलाफयह अभियान आगे भी सख्ती के साथ जारी रहेगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि किसानों को उनका उचित मूल्य मिले और अवैध धान कारोबार पर पूरी तरह नकेल कसी जाए।

### 49 हजार राशनकार्ड का ई-केवायसी शेष

**सारंगढ़ बिलाईगढ़, 1 दिसंबर ।** सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में प्रचलित कुल 222996 राशनकार्डों में कुल 674767 हितग्राही है। जिला खाद्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार इसमें से कुल 49 हजार हितग्राहियों का ईकेवायसी किया जाना शेष है। इस संबंध में समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से ईकेवायसी किया जाना है।अतः जिले के समस्त राशनकार्ड हितग्राहियों से अनुरोध है कि अपने नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान से सम्पर्क कर अपना ईकेवायसी अनिवार्य रूप से करावें। 05 दिसम्बर 2025 तक जिन राशनकार्ड हितग्राहियों का ईकेवायसी नहीं होने से राशनकार्ड निरस्त होने की संभावना बनी हुई है।

### नपं नगरी में सुनी गई 'मन की बात'

**धमतरी , 1 दिसंबर।** नगर पंचायत नगरी के सभा हाल में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा प्रसारित किए जाने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण किया गया। प्रधानमंत्री जी ने अपने 128वें एपिसोड में भारत की खेल उपलब्धियों, खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि, संविधान दिवस, तथा वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष प्रकाश डाला।इसके साथ ही उन्होंने स्वदेशी अपनाने का पुनः आग्रह किया एवं इसके लिए सुझाव भी मांगा देशवासियों को शीतकालीन सत्र के दौरान ठंड के दिनों में देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर घूमने, भ्रमण एवं पिकनिक के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री जी ने ठंड के मौसम में परिवारजनों तथा स्वयं की सुरक्षा के लिए भी जागरूक रहने की अपील की।कार्यक्रम के श्रवण के दौरान निम्न गणमान्य जन उपस्थित रहे–नगर पंचायत नगरी के अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन नहटा, जिला मंत्री दिनेश्वरी नेताम महेंद्र नेताम, मंडल महामंत्री रूपेंद्र साहू रामगोपाल साहू सभापति अश्विनी निषाद, विनीता कोठारी, शंकर देव, चेलेश्वरी साहू, राजा पवार, यसकरण पटेल, अंबिका ध्रुव राजेश नाथ गोसाई, नरेंद्र नाग, दीनदयाल शेरपा तथा नगर पंचायत के अनेक कर्मचारीगण। की उपस्थिति रही।

### क्रेशर प्लांट में तांबा तार की चोरी के मामले में मुख्य आरोपी सहित चोरी का सामान खरीदने वाला गिरफ्तार

**जाजगीर, 1 दिसंबर।** प्रार्थी मुकेश कुमार जैन निवासी अकलतरा के द्वारा थाना अकलतरा में किरारी स्थित क्रेशर प्लांट में लगे केबल तार, सर्विस तार ,तांबा तार करीबन 400 मीटर एवं अन्य 05 केसर मालिकों के केसर में लगे कुल 1520 मीटर तांबा तार को दिनांक 25-26.11.25 के दरम्यानी रात में अज्ञात चोर चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना अकलतरा में रिपोर्ट दर्ज कराने पर अपराध कमांक 617/2025 धारा 303 (2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान प्रकरण में मुखबीर से सूचना मिला कि किरारी में रहने वाला पुराना आदतन चोर राजेन्द्र साहू के द्वारा दिनांक 25-26.11.2025 के दरम्यानी रात को किरारी के आसपास के क्रेसर प्लांट में घूम रहा था जिसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया जो 6 अलग अलग क्रेशर प्लांट में लगे तार को चोरी करना स्वीकार किया पूछताछ पर जलाया हुआ तांबा तार को शेख रिजवान के पास बेचना बताया एवं जला हुआ तांबा तार बेचने से प्राप्त रुपए को नया कपड़ा पेंट शर्ट खरीदा एवं खापीकर खर्च कर दिया, शेख रिजवान निवासी कटघोरा कोरबा से पूछताछ पर जला हुआ तांबा तार 20 ग्राम बरामद किया जाकर आरोपी राजेंद्र साहू एवं शेख रिजवान के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा एवं थाना स्टाफका सराहनीय योगदान रहा।

### धमतरी में स्टार्टअप वीकेंड का सफल आयोजन जिले को नवाचार मानचित्र पर नई पहचान मिली

**धमतरी, 1 दिसंबर।** जले में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन धमतरी द्वारा विश्वस्तरीय स्टार्टअप एक्सीलरेटर टेकस्टार्स के सहयोग से तीन दिवसीय टेकस्टार्स स्टार्टअप वीकेंड धमतरी का सफलतापूर्वक आयोजन 28 से 30 नवम्बर 2025 तक किया गया। पहली बार छत्तीसगढ़ के किसी गैर-महानगरीय जिले में आयोजित इस वैश्विक स्तर की गतिविधि ने धमतरी को उभरते स्टार्टअप हब के रूप में नई पहचान दिलाई है।टेकस्टासः वैश्विक स्तर का स्टार्टअप एक्सीलरेटरटेकस्टार्स विश्वभर के प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप को पूँजी निवेश, तीन माह के संरचित कार्यक्रम, मेंटरशिप और वैश्विक विशेषज्ञ नेटवर्क के माध्यम से गति देने वाला अग्रणी एक्सीलरेटर है। 150 से अधिक देशों में हजारों स्टार्टअप के साथ कार्य कर चुके इस संगठन की विशेषज्ञता अब सीधे धमतरी के युवाओं तक पहुँची।स्थानीय चुनौतियाँ और प्रशासन की दूरदर्शी पहलजिले एवं प्रदेश के युवा लंबे समय से निवेश, मेंटरशिप, बाजार-एक्सपोज़र और व्यवस्थित इनक्यूबेशन सुविधाओं के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे थे। इन आवश्यकताओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने टेकस्टार्स को धमतरी आमंत्रित किया, जिसके फलस्वरूप स्थानीय प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय मार्गदर्शन मिला और स्टार्टअप इकोसिस्टम को गति मिली।तीन दिवसीय कार्यक्रम का विवरणकार्यक्रम की शुरुआत पंजीयन, उद्घाटन और ओरिएंटेशन सत्र से हुई। तीन दिनों में बिज़नेस मॉडलिंग, मार्केट रिसर्च, टीम बिल्डिंग, प्रोटोटाइप विकास, प्रैक्टिस पिचिंग और 'ओवरनाइट वर्क स्प्रिंट' जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं।दूसरे दिन गंगरेल जलाशय में बोट आइडिएशन सेशन, मेंटरशिप वर्कशॉप तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रमुख आकर्षण रहीं। अंतिम दिन निवेशकों और इनक्यूबेटर्स के समक्ष फाइनल पिच आयोजित की गई, जिसमें सर्वश्रेष्ठ टीमों को सम्मानित किया गया।फैसिलिटेटर की प्रशंसाकार्यक्रम के आधिकारिक फैसिलिटेटर एवं ढ्रष्ट महिंद्रा के सीईओ इस्माइल अकबानी ने कहा किधमतरी में आयोजित स्टार्टअप वीकेंड, छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा और सुव्यवस्थित आयोजन है। प्रशासनिक सहयोग, युवा भागीदारी और पेशेवर प्रबंधन इस आयोजन को प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए नई दिशा प्रदान करेंगे।

## एक नजर

### मुख्यमंत्री से अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की

रायपुर, 01 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को आगामी 09 दिसंबर से 12 दिसंबर तक सक्ती जिले के ग्राम हसौद में आयोजित होने वाले 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण के लिए गायत्री परिवार के सदस्यों का धन्यवाद देते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर श्री निर्मल सिन्हा, श्री कैलाश साहू, श्री कृष्ण कुमार जायसवाल, श्री आदर्श वर्मा, श्री हेमंत पटेल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

### भाटपारा में वरिष्ठ भाजपा नेता के सुपुत्र के विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री

रायपुर,01 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने दो महत्वपूर्ण विवाह समारोहों में भाग लेकर नवविवाहित जोड़ों को भावपूर्ण आशीर्वाद प्रदान किया। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी जी की सुपुत्री के विवाह समारोह में मंत्री श्री अग्रवाल विशिष्ट अतिथि बने। उन्होंने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह पवित्र बंधन प्रेम, समर्पण और आपसी समझ पर टिका हो, जिससे आपका दांपत्य जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण हो। इस अवसर पर. मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, विधायक श्रीमती भावना बोहरा, विधायक श्री सुशांत शुक्ला, श्रीमती शकुंतला सिंह एवं विधायक श्री पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित होकर खुशियों में सहभागी बने। भाटपारा के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री शिवरतन शर्मा जी के सुपुत्र के विवाह समारोह में भी मंत्री श्री अग्रवाल जी ने विवाहित नवदंपती को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने नवदंपती को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के इस नवीन अध्याय में एक-दूसरे का सहारा बनें, ताकि आपका वैवाहिक जीवन मधुरता और समृद्धि का प्रतीक बने। श्री किरण सिंह देव जी, कैबिनेट मंत्रीगण एवं अन्य विधायकगण की उपस्थिति ने समारोह को भव्यता प्रदान की।

### नगर निगम ने 5 माह में 800 आवारा कुत्तों का किया बधिया

राजनांदगांव 01 दिसंबर। आवारा कुत्तो की बढती संख्या को देखते हुये नगर निगम द्वारा आवारा कुत्तो का बधियाकरण करने अभियान चलाया जा रहा है। आवारा कुत्तो की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों तथा शिकायत प्राप्त क्षेत्रों से पकडकर कुत्तों का बधियाकरण किया जा रहा है। निगम के स्ववास्थ्य विभाग की टीम ने जुलाई से अब तक लगभग 5 माह में 800 आवारा कुत्तो का बधियाकरण किया है। बधियाकरण अभियान के संबंध में नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि निगम सीमाक्षेत्र के कई वार्डो में आवारा कुत्तो की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे नागरिकों को कुत्ता काटने जैसी अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ा तथा कुत्तो की झुड से लोगो में भय जैसी स्थिति निर्मित हो रही है। जिसकी शिकायत आम लोगो के द्वारा की जा रही थी, जिसे ध्यान में रखकर महापौर श्री मधुसूदन यादव के निर्देश पर नगर निगम द्वारा आवारा कुत्तो का बधिया करने प्रक्रिया की गयी और प्रक्रिया उपरांत हरियाणा के नैन, फाउण्डेशन सर्विसेस को आवारा कुत्तो का बधिया करने विधिवत कार्यादेश दिया गया। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने बताया कि नैन फाउण्डेशन सर्विसेस द्वारा आवारा कुत्तो का बधियाकरण के तहत लगभग 5 माह में निगम सीमाक्षेत्र के वार्डो में कुत्तो के अधिक संख्या वाले क्षेत्रो से तथा कुत्तो के झुड के द्वारा काटने की शिकायत के आधार पर लगभग 800 आवारा कुत्तो का बधिया किया गया।

# ओडिशा सीमा से धान के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए कच्चे रास्तों को किया सील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर,01 दिसंबर। धान के अवैध भंडारण और अंतर्राज्यीय परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से रायगढ़ जिला प्रशासन ने दूसरे दिन भी फिर सख्त और निर्णायक कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों ने ओडिशा सीमा से लगे संवेदनशील मार्गों की गहन निगरानी करते हुए बिचौलियों द्वारा उपयोग किए जा रहे सभी वैकल्पिक जंगल-पगडंडी एवं कच्चे रास्तों को चिन्हांकित कर पूरी तरह सील कर दिया है। इन अवैध मार्गों पर जेसीबी मशीनों से गहरे गड्ढे खोदकर मजबूत अवरोधक तैयार किए गए, जिससे वाहनों की आवाजाही पूर्णतः बंद हो गई है और धान तस्करी की संभावना समाप्त हो गई है।

कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी अंतर्राज्यीय बैरियरों पर कर्मचारियों की 24 घंटे तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। रात्रिकालीन गश्त को सघन किया गया है और संदिग्ध वाहनों की कड़ाई से तलाशी ली जा रही है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी परिस्थिति में धान के अवैध परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पारदर्शी और व्यवस्थित खरीदी सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन हर आवश्यक कदम उठा रहा है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वाहन की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन, नियंत्रण कक्ष या खाद्य विभाग के टोल-फ्री नंबर 1800-233-3663 पर दें। कलेक्टर ने बताया कि अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर एवं कॉल सेंटर का गठन किया गया है, जो धान की रीसाइक्लिंग पर रोक, बिचौलियों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग और धान के उठाव एवं परिवहन की सतत ट्रैकिंग कर रहा है। एसडीएम लैलूंगा श्री भरत कौशिक ने बताया कि तहसील मुकडेगा के किलकिला, हाडीपानी और कोडामाई क्षेत्र में ओडिशा से धान के अवैध परिवहन की लगातार सूचना मिल रही थी। सूचना प्राप्त होते ही राजस्व, खाद्य एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुँची और सभी संवेदनशील कच्चे एवं जंगल मार्गों को जेसीबी से गड्ढा खोदकर पूर्णतः ब्लॉक कर दिया गया। एसडीएम ने कहा कि धान की अवैध आवाजाही की संभावना को देखते हुए जंगल से होकर गुजरने वाले सभी रास्तों को अवरुद्ध कर दिया गया है। अब इन सभी मार्गों पर 24 घंटे कड़ी निगरानी की जा रही है। बता दें कि बीती रात भी जिला प्रशासन ने कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर घरघोड़ा एसडीएम के नेतृत्व में एक बड़ी कार्रवाई की थी, जिसमें ओडिशा से धान की अवैध आवक के लिए बनाए गए सात अंदरूनी जंगल मार्गों को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। इसी क्रम में आज भी यह सख्त कार्रवाई जारी रही और अतिरिक्त मार्गों को अवरोधित कर तस्करों के सभी संभावित रास्तों को खत्म किया गया।

# मन की बात सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं यह देश की सामूहिक चेतना का बन गया है उत्सव: साय

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 128 वीं कड़ी

रायपुर,01 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 128वीं कड़ी को सुना और इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देश की सामूहिक चेतना का उत्सव बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देश की बातों को देशवासियों के सामने रखते हैं और हर माह राष्ट्र को प्रेरणादायक संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जनभागीदारी और उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान दिलाते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में लगे समर्पित लोगों को सम्मान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, विभिन्न राज्यों में शहद प्रसंस्करण की उन्नत विधियां, शहद उत्पादन में वृद्धि, नौसेना सशक्तिकरण, नेवल म्यूजियम, नेचर फॉर्मिंग के महत्व, तथा सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता की प्रस्तुति और लातविया सहित कई देशों में आयोजित गीता महोत्सवों के भव्य आयोजनों की प्रशंसा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नेचर फॉर्मिंग के लिए छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं और यहां के किसान व युवा उद्यमी इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज के 'मन की बात' में प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई उपयोगी जानकारियाँ अत्यंत प्रेरक हैं। प्रधानमंत्री ने स्पेस टेक्नोलॉजी में जेन-ज़ी युवाओं द्वारा मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों में ड्रोन परीक्षण, असफल चंद्रयान-2 से सफल चंद्रयान-3 की प्रेरणादायी कहानी, महिला खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, कुरुक्षेत्र में आयोजित गीता महोत्सव, कुरुक्षेत्र में ही महाभारत आधारित 3D लाइट एवं साउंड म्यूज़ियम, राष्ट्र को समर्पित स्वदेशी डिज़ाइन वाले युद्धपोत 'आईएनएस माहे', भूटान यात्रा, बनारस में आयोजित होने वाले चौथे 'काशी तमिल संगमम', विंटर टूरिज्म एवं विंटर गेम्स, तथा 'वोकल फॉर लोकल' के तहत देशभर में चल रहे नवाचारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विश्व के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और 'मन की बात' के माध्यम से वे सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक आयामों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ देशवासियों तक पहुँचाते हैं। उनके अनुभवों का खजाना हमें यह सीख देता है कि 'लोकल को ग्लोबल' कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं रायपुर में मौजूद हैं और इसी दौरान हमें 'मन की बात' सुनने का अवसर मिला।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'मन की बात' में 26 नवंबर 'संविधान दिवस' के अवसर पर सेंट्रल हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शानदार शुरुआत, 25 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के आरोहण तथा उसी दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में 'पांचजन्य' स्मारक के लोकार्पण की जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में विश्व की सबसे बड़ी लीप इंजन MRO सुविधा के उद्घाटन को भारत की एयरोस्पेस क्षमता में बड़ी छलांग बताया। उन्होंने पिछले सप्ताह मुंबई में भारतीय नौसेना को समर्पित INS 'माहे' के शामिल होने और भारत के स्पेस इकोसिस्टम में स्काईरूट के 'इन्फिनिटी कैंपस' द्वारा नई उड़ान दिए जाने का भी उल्लेख किया, जो भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति का प्रतीक है। कृषि क्षेत्र में भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारत ने 357 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है। दस वर्ष पहले की तुलना में यह उत्पादन 100 मिलियन टन अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों में भी भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है और हाल ही में भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने की घोषणा देश के लिए गर्व का क्षण है।

कुरुक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में सहभागिता भी अत्यंत विशेष रही। उन्होंने बताया कि यूरोप और सेंट्रल एशिया के कई देशों के लोग गीता से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में इस महोत्सव में शामिल हुए। इस महीने की शुरुआत में सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता का वाचन हुआ, जबकि लातविया में आयोजित महोत्सव में लातविया, एस्टोनिया, लिथुआनिया और अल्जीरिया के कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप, केबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े, कैबिनेट मंत्री श्री खुशवंत साहेब, जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव, रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत, रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री अनुज शर्मा, पूर्व विधायक आरंग श्री नवीन मार्कण्डेय, विभिन्न निगम-मंडलों एवं आयोगों के अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## समाचार संक्षेप

### राष्ट्रीय सुरक्षा चिंतन का केंद्र बना छत्तीसगढ़

रायपुर, 01 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने डीजीपी कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन पर कहा कि छत्तीसगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय डीजीपी कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक संपन्न होना राज्य के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री तथा देशभर के डीजीपी और सुरक्षा बलों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा, महत्व और प्रभाव को कई गुना बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों तक देश के सर्वोच्च नेतृत्व एवं सुरक्षा तंत्र के शीर्ष अधिकारी छत्तीसगढ़ में उपस्थित रहे। राजधानी रायपुर में सम्पन्न यह सम्मेलन राष्ट्रीय सुरक्षात्मक नीतियों, रणनीतियों और समन्वय तंत्र पर गहन चर्चा का महत्वपूर्ण मंच बना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सम्मेलन के सुचारू संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक समन्वय और आतिथ्य व्यवस्था में शामिल सभी अधिकारियों, कर्मियों और सुरक्षा बलों के प्रति हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

### कुरूद तहसील ब्राह्मण समाज ने की संतोष वर्मा पर कार्रवाई की मांग

रायपुर, 01 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। तहसील ब्राह्मण समाज कुरूद के अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने कहा है कि विगत दिनों संतोष वर्मा (आई.ए.एस.) ने जो कि अजाक्स मध्यप्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष हैं, के द्वारा ब्राह्मण समाज के बेटियों के बारे में अपमानजनक, अमार्यदित, अशोभनीय बातें (जब तक ब्राह्मण अपनी बेटी दान न करे तब तक आरक्षण मिले) सार्वजनीक मंच से की गई थी। इनके द्वारा कही गयी बातें सोशल मीडिया में वायरल हो रही है, इससे ब्राह्मण समाज काफी आहत हैं। उनके इस कृत्य से आपसी सौहार्द्र बिगड़ने की संभावना है, ब्राह्मण समाज में उनकी बातों से काफी आक्रोश है। संतोष वर्मा एक प्रशासनिक अधिकारी है, जिसने संविधान का शपथ लिया उन्हें सभी नियम वो कानून का ज्ञान होते हुए भी ऐसा गैर जिम्मेदारी पूर्वक बातें बोलना उनकी मानसिक दिवालीयापन को प्रदर्शित करता है। समाज ने उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 298 299 एवं धारा 4 स्त्री अशिष्ट रुपण प्रतिषेध अधिनियम एवं धारा 153 तथा आई. टी. एक्ट सेक्शन 67 के तहत अपराध पंजीबध्द कर समाज को न्याय दिलाने की मांग की गई है।

### स्वास्थ्य मंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा का किया निरीक्षण

रायपुर ,01 दिसंबर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, साजा का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपचार ले रहे मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा की और उनसे मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनता को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग और सेवाओं के विस्तार का सकारात्मक परिणाम आज स्वास्थ्य संस्थानों में दिखाई दे रहा है। मरीजों को समय पर उपचार और बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री जायसवाल ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और जहां आवश्यक हो, वहां स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं अस्पताल प्रबंधन को दिए।

# शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने नवा रायपुर निवास में सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात'

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर,01 दिसंबर। शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास में वरिष्ठ नागरिकों और समाज प्रमुखों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 128वें एपिसोड को सुनकर इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया। यादव ने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुई उपलब्धियों का उल्लेख प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरक है। प्रधानमंत्री ने

खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी,शहद प्रसंस्करण की उन्नत विधियां एवं उत्पादन वृद्धि, नौसेना सशक्तिकरण और नेवल म्यूज़ियम,नेचर फॉर्मिंग का महत्व, सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता वाचन, लातविया व अन्य देशों में भव्य गीता

महोत्सव, जैसे विषयों पर देश को गौरवान्वित करने वाली महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का दूरदर्शी नेतृत्व देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और सतत विकास की ओर अग्रसर कर रहा है। देश किसान, युवा और हर वर्ग के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रहा है ङ्क शिक्षा मंत्री कार्यक्रम के बाद लोगों के साथ चर्चा करते हुए श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश का हर वर्ग किसान, युवा, महिला, वैज्ञानिक और खिलाड़ी–सुख, समृद्धि और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व समुदाय में अग्रणी बनाने के लिए हर नागरिक को 'वोकल फॉर लोकल', नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और गुणवत्ता आधारित विकास को अपनाना होगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि 'मन की बात' केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना का उत्सव बन चुका है। यह देश की सकारात्मक कहानियों, श्रेष्ठ प्रयासों और जमीनी नवाचारों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है। श्री यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रेरणादायी विचार आज के भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के संदेशों को आम जनता तक पहुँचाएँ और राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

### दामाखेड़ा आश्रम में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने धर्मगुरु प्रकाश मुनिनाम से सौजन्य भेंट की

रायपुर,01 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महान संत कबीर साहेब जी के पावन स्थल दामाखेड़ा आश्रम में संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने श्री प्रकाश मुनिनाम साहेब जी से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान धार्मिक विषयों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक विषयों पर भी गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप, कैबिनेट मंत्री श्री ओ पी चौधरी, विधायक श्रीमती भावना बोहरा, श्री किरण सिंह देव एवं श्री कृष्णा राय भी उपस्थित थे। सभी ने संत कबीर एवं उनके उपदेशों की वर्तमान समाज में प्रासंगिकता के बारे में विचार साझा किए। धर्मगुरु प्रकाश मुनिनाम साहेब जी ने कहा कि संत कबीर जी के संदेश आज भी अज्ञानता और भेदभाव मिटाने में हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों की सराहना की। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि यहाँ आने से उन्हें आध्यात्मिक बल मिला है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी कहा कि धार्मिक मेलजोल और सामाजिक समरसता के लिए ऐसे आश्रम और पावन स्थल महत्वपूर्ण हैं। कल्याणकारी योजनाओं में धर्म और संस्कृति का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

## सरोवर केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि पूरे गाँव की पर्यावरणीय और सामाजिक धुरी

# जल है तो कल है और अमृत सरोवर इस 'कल' को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय संकल्प है

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर,01 दिसंबर। भारत में जल हमेशा से जीवन, संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी रहा है। लेकिन समय के साथ बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और भूजल स्तर में लगातार गिरावट ने गाँवों में पानी की उपलब्धता को चुनौतीपूर्ण बना दिया। इसी पृष्ठभूमि में देशभर में शुरू हुए अमृत सरोवर अभियान ने जल-संरक्षण को एक नए स्वरूप और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाया है। यह सिर्फ एक तालाब निर्माण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी, पर्यावरण-संरक्षण और ग्रामीण विकास का समन्वित मॉडल बन चुका है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुए इस राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य प्रत्येक जिले में अनेक अमृत सरोवर विकसित करना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़े, मिट्टी व जल संरक्षण हो और स्थानीय समुदाय को स्थायी लाभ मिल सके। अमृत सरोवर की संकल्पना तीन प्रमुख आधारों पर टिकी है- जल संचयन, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण समुदाय की भागीदारी। इस मॉडल में

गाँव का हर व्यक्ति पंच-सरपंच से लेकर श्रमिक, किसान और युवा अपनी सक्रिय भूमिका निभाता है। एक अमृत सरोवर का निर्माण मात्र मिट्टी खुदाई या सफाई भर नहीं है। इसके साथ कई दीर्घकालिक प्रावधान सुनिश्चित किए जाते हैं। गहरी खुदाई कर बड़ी जल क्षमता का निर्माण, तल एवं तटों पर घास/वनस्पति रोपण, चारों ओर सुरक्षा तटबंध, वर्षा जल संग्रहण के वैज्ञानिक प्रबंध, आसपास वृक्षारोपण कर जल संरक्षण चक्र को मजबूत करना, गाँव के लिए पर्यटन/मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाएं तलाशना भी है। इससे सरोवर केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि पूरे गाँव की पर्यावरणीय और सामाजिक धुरी बन जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वर्षों में पानी की कमी और बरसाती जल का बहाव एक गंभीर समस्या बन चुका था। अमृत सरोवर इसके जवाब में एक समग्र समाधान बनकर उभरा- भूजल स्तर में वृद्धि, कृषि के लिए सिंचाई सुविधा में सुधार, पशुओं के लिए सुरक्षित पानी की उपलब्धता, बाढ़ नियंत्रण में सहायता, सूखे की समस्या में राहत, पर्यावरणीय संतुलन मजबूत होती है। इन सभी प्रभावों ने अमृत सरोवर को ग्रामीण विकास योजनाओं में केंद्र बिंदु बना दिया है।

जिला एमसीबी में अमृत सरोवर अभियान ने विकास का नया मानक स्थापित किया है। यहाँ प्रत्येक ब्लॉक में सरोवरों को समयबद्ध तरीके से विकसित किया गया, स्थानीय मजदूरों को मनरेगा के माध्यम से रोजगार, ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी, संरक्षण के आधुनिक उपाय के साथ लागू किया गया। सरोवरों के पूर्ण होने के बाद आसपास के किसानों को फसल की सिंचाई में बड़ी सहायता मिली है। बरसात के बाद जल भराव से बचाव और तालाबों की स्थायी जल उपस्थिति ने ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं। कई गाँवों में अमृत सरोवर आज पिकनिक स्पॉट, समुदाय मिलन स्थल, और पर्यावरण शिक्षा केंद्र के रूप में पहचान बना चुके हैं। एक अमृत सरोवर तभी सफल होता है जब गाँव स्वयं इसमें भागीदारी करता है। ग्राम पंचायत, जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह, युवा मंडल, स्कूल, किसान-सभी अपने-अपने स्तर पर योगदान देते हैं इसमें श्रमदान, पौधरोपण, जल संरक्षण के प्रति जागरूकता, रखरखाव और सुरक्षा, सरोवर में कचरा न डालने की प्रतिज्ञा लेना शामिल है। इससे सरोवर लंबे समय तक जीवित रहता है और जल सतत उपयोग योग्य बनता है। अमृत सरोवर अभियान ग्रामीण भारत में स्थायी जल प्रबंधन का मजबूत आधार बन रहा है। यह जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रहने देता बल्कि सामुदायिक आंदोलन में बदल देता है। भविष्य में सरोवर पर्यटन केंद्र, पर्यावरण शिक्षा संस्थान, आजीविका मॉडल (मत्स्य पालन, पर्यटन), सामुदायिक विकास परिसर के रूप में सामने आ सकते हैं। अमृत सरोवर केवल जल संचयन का माध्यम नहीं, बल्कि गाँवों में आत्मनिर्भरता, सामुदायिक शक्ति और प्रकृति के साथ संतुलन की नई कहानी है। यह कार्यक्रम आने वाली पीढ़ियों के लिए वह मूल्यवान जल-धरोहर तैयार कर रहा है, जो भविष्य में गाँवों की जीवनरेखा बनकर उभरेगी। जल है तभी कल है और अमृत सरोवर इस कल को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय संकल्प है।

## एक नजर

### स्वदेशी मेला का आयोजन 18 से 25 दिसम्बर तक

**रायपुर, 1 दिसंबर।** स्वदेशी मेले का आयोजन साइंस कालेज मैदान में 18 दिसंबर से 25 दिसंबर के मध्य किया जाएगा। इसके लिए साइंस कालेज मैदान में आज केबिनेट मंत्री खुशवंत सिंह के मुख्य आतिथ्य में एवं महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर राजधानी के प्रमुख व्यावसायिक सिंघानिया ने उपस्थित होकर मेले के आयोजन के लिए स्टॉल लगाने वाले उद्यमियों को अच्छा लाभ कमाने के लिए शुभकामनाएं दी।

### गायत्री परिवार 51 कुंडीय यज्ञ का आयोजन करेगा 27 से

**रायपुर, 1 दिसंबर।** अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा परंपरा के अनुसार गायत्री मंदिर बिरगांव में 27 दिसंबर से 30 दिसंबर के मध्य 4 दिवसीय 51 कुंडीय यज्ञ का आयोजन शौर्य साहस एवं राष्ट्रवाद की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यज्ञ समिति के सदस्य पं. यशवंत तिवारी ने बताया कि उक्त आयोजन में बिरगांव सहित आसपास के रहवासियों से अधिक से अधिक संख्या में यज्ञ में शामिल होने की अपील की गई है।

### संजीव ठाकुर ने गजल से बांधा समां

**रायपुर, 1 दिसंबर।** नव छत्तीसगढ़ साहित्य संस्कृतिक संस्थान की छत्तीसगढ़ स्तरीय मासिक बैठक एवं काव्य गोष्ठी साहित्य सदन चौबे कॉलोनी वरिष्ठ साहित्यकार संजीव ठाकुर अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसकी शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई कवित्री सुमन शर्मा बाजपेई ने अपने वंदना के गीत रखें। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार संजीव ठाकुर ने एक छोटी सी बात रख कर तरन्नुम में एक गजल सुनाई–

*अपनी आंखों में सजा ले काजल की तरह,*
*मैं समा जाऊंगा बाहों में आंचल की तरह,*
*अपनी जुल्फों में सजा ले गजरे की तरह,*
*सारी सारी रात महकूंगा संदल की तरह.,*

गजल सुनाकर संजीव ठाकुर ने समां बांध दिया। इस अवसर पर भिलाई से पधारे साहित्यकार कवि नितेश ठाकुर ने भी अपनी उपस्थित रखकर अपने सुझाव दिए, इस अवसर पर कवि साहित्यकार महेश पालीवाल उपस्थित थे. संचालन किया सुमन शर्मा बाजपेई ने आभार प्रदर्शन किया पत्रकार शशांक खरे ने। कार्यक्रम महेश पालीवाल श्रीमती भावना ठाकुर उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

### अमीन भर्ती परीक्षा 7 दिसंबर को व्यापमं ने जारी किया ड्रेस कोड

**रायपुर, 1 दिसंबर।** छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा 7 दिसंबर को बिलासपुर सहित प्रदेश के 16 जिलों में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा आयोजित की गई है। पूरे प्रदेश में 2.30 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी इसमें शामिल होने के लिए आवेदन किया है। अकेले बिलासपुर में 38 हजार से ज्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा केन्द्र के रूप में बिलासपुर को चुना है। इसके लिए जिले में 126 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। व्यापम के निर्देश पर जिला प्रशासन ने इस परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए परीक्षार्थियों के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। व्यापम द्वारा जारी निर्देश के अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लें ताकि उन्हे परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा।

#### अभ्यर्थी इसका रखे ध्यान

हल्के रंग के आधी बाही वाले कपडे पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे, नीले, हरे हरे जामुनी, मैरून बैतानी रंठा व गहरे चॉकलेटी रंग का कपडे पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कमी से जांच कराना होगा। स्वेटर हंतु हल्के रंग एवं आधे बाह का बंधन नहीं होगा। धार्मिक एवं सास्कृतिक पोशाक वाले अन्याथीयें को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करण होगा। उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर के रूप में चप्पल पहने। कार में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है।

# 200 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना लागू

## छत्तीसगढ़ में लोगों को आज से बड़ी राहत

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** छत्तीसगढ़ के बिजली उपभोक्ताओं को आज से सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। आज से 200 यूनिट हाफ बिजली योजना लागू हो गई है। इससे लाखों बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा के विशेष सत्र में इसकी घोषणा की थी। अगर कोई उपभोक्ता 201 यूनिट बिजली खपत करता है तो उसे इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जानकारी दी थी कि प्रदेश के ऐसे घरेलू उपभोक्ताओं जिनका 200 यूनिट तक विद्युत खपत है, उन्हें 200 यूनिट तक हाफ बिजली का पूरा लाभ प्राप्त होगा। इस निर्णय से राज्य के 36 लाख घरेलू उपभोक्ता सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे. 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को भी अगले 1 वर्ष तक 200 यूनिट तक हॉफ बिजली बिल का लाभ मिलेगा, इससे 6 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे. इन उपभोक्ताओं को 1 वर्ष तक की छूट दी गई है, ताकि इस अवधि में वे अपने घरों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करा सके।

बता दें कि 4 महीने पहले यानी 1 अगस्त 2025 को राज्य सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना पर बड़ा बदलाव किया था. पूर्व भूपेश सरकार के समय लागू हुई 400 यूनिट की सीमा को घटाकर 100 यूनिट कर दिया गया था. इसका सीधा असर लाखों परिवारों को पड़ा. हालांकि नई योजना के तहत आज से 200 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना लागू कर दी गई है।

PICTURE-स्टोरी

रायपुर, 1 दिसम्बर। एसआईआर की समय सीमा को तीन माह आगे बढ़ाने की मांग को लेकर आज कांग्रेस के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव पदाधिकारी से मुलाकात की।

## 5 दिसंबर तक ई-केवाईसी कराएं नहीं तो रद्द होंगे राशन कार्ड

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** छत्तीसगढ़ में राशनकार्ड धारकों को बड़ा झटका लग सकता है। राज्य की सरकार इनके राशनकार्ड निरस्त कर सकती है, इसकी वजह है इन कार्ड का ई-केवाईसी नहीं होना। सत्यापन नहीं होने की वजह से ही राशनकार्ड कैंसिल किये जाने की आशंका जाहिर की जा रही है। अगर आपके अपने राशन कार्ड का ई-केवाईसी नहीं कराया है, तो आपका कार्ड रद्द हो सकता है।

**ईकेवासी के लिए 5 दिसंबर तक दिया समय:** अतः जिले के समस्त राशनकार्ड हितग्राहियों से अनुरोध है कि अपने नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान से सम्पर्क कर अपना ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से करावें. 5 दिसम्बर तक जिन राशनकार्ड हितग्राहियों का ई=केवासीनहीं होने से राशनकार्ड निरस्त होने की संभावना बनी हुई है.

**ईकेवासी की जरूरी क्यों?:** राज्य सरकार ने ई-केवाईसी अनिवार्य करने का निर्णय पारदर्शिता बढ़ाने और फर्जी राशनकार्ड रोकने के उद्देश्य से लिया है। अधिकारियों का कहना है कि ईकेवासी न केवल लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित करता है, बल्कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार और योजना लाभों की सही डिलीवरी सुनिश्चित करता है।विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर ईकेवासी न कराने पर राशन वितरण बाधित हो सकता है और लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में समस्या आ सकती है. इसलिए अधिकारियों ने सभी हितग्राहियों से तत्काल दस्तावेज अपडेट करने का अनुरोध किया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत जिलों में प्रचलित राशनकार्डों में शामिल सभी हितग्राहिसों को जिला खाद्य कार्यालय से ईकेवासी किया जाना शेष है।

## कलेक्टर गाइडलाइन में संशोधन की मांग

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** नहरपारा विकास समति इंदिरा गांधी वार्ड के अध्यक्ष व पूर्व पार्षद रमेश आहूजा तथा कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप चावला ने मुख्य मंत्री विष्णु देव साय को पत्र प्रेषित कर कलेक्टर गाइड लाइन में संशोधन का आग्रह किया है। आहूजा ने बताया कि नहरपारा में जमीन की कीमत को लेकर जो गाइड लाइन जारी की गई है उसमें संशोधन किया जाए। अन्य वार्डों में जमीन के जो रेट बढ़ाए गए हैं उसकी तुलना में नहरपारा में 3500 रुपए फुट के स्थान पर 15 हजार रुपए निर्धारित किया गया है जो वर्तमान दर का तीन सौ प्रतिशत अधिक है। इससे नहरपारा में न कोई जमीन बेच पाएगा और न ही कोई खरीद पाएगा। इससे नहरपारा के लोगों को भारी नुकसान व परेशानी होगी। जिसे पैसे की जरूरत है उसकी जमीन बिकेगी ही नहीं। इस अन्याय से मुक्ति दिलाने दस से 25 प्रतिशत तक ही दर में बढ़ोतरी की जाए। अत्यधिक रेट होने के कारण जमीन के सौदे नहीं होंगे। जब जमीन नहीं बिकेगी तो सरकार को राजस्व भी प्राप्त नहीं होगा। प्रापर्टी डीलरों के रोजगार समाप्त हो जाएंगे। बिल्डर भी बिना काम धंधों के हो जाएंगे। इससे उनके सामने भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। सबसे चिंतनीय बात तो यह है कि जमीन बेचकर सामाजिक, पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन तथा बच्चों की शादी व उच्च शिक्षा का योजना बनाने वालों के साथ तो बड़ा संकट खड़ा हो गया है। आहूजा ने मुख्यमंत्री से रेट में संशोधन कर राहत देने की मांग की है।

# सांसद बृजमोहन ने आजाद चौक में सुनी मन की बात

रायपुर, 1 दिसम्बर। सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा एवं बड़ी संख्या में उपस्थित जनता के साथ आजाद चौक पर विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 128वें संस्करण को सुना।

इस संवाद में प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' की भावना, भारतीय खेल जगत के उत्कृष्ट प्रदर्शन, चंद्रयान 3 की प्रेरक सफलता यात्रा और देश के खाद्यान्न उत्पादन में हासिल ऐतिहासिक उपलब्धि जैसे अनेक विषयों पर अपने विचार साझा किए।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर परअयोध्या में राम मंदिर ध्वजारोहण, संविधान दिवस की गरिमा, खाद्यान्न उत्पादन में देश की ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देश की निरंतर प्रगति पर भी प्रकाश डाला।साथ ही उन्होंने किसानों द्वारा शहद उत्पादन में किए जा रहे नवाचार, वोकल फॉर लोकल के संकल्प और युवाओं की शक्ति को स्थानीय उत्पादों के सशक्त उपयोग के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में जोड़ने के महत्व पर प्रेरक संदेश दिया।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा मन की बात संवाद सिर्फ शब्दों का क्रम नहीं बल्कि राष्ट्र की चेतना को जागृत करने वाला वह सार है, जो हर भारतीय को आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और नए लक्ष्यों की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नई ऊर्जा, नए संकल्प और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

## रविवि की महिला और पुरुष टेनिस टीम का अच्छा प्रदर्शन

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की पुरुष एवं महिला टेनिस टीमों का चयन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, जयपुर (राजस्थान) के लिए हुआ है। देशभर की विश्वविद्यालयों में से शीर्ष 8 टीमें ही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चयनित होती हैं, जिनमें रविवि की दोनों टीमों का शामिल होना विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 28 नवंबर से 3 दिसंबर तक निर्धारित है। प्रतियोगिता के दौरान विश्वविद्यालय की टेनिस टीमें समर्पण और अनुशासन के साथ अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, तथा प्रत्येक मैच में अपनी क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दे रही हैं। खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने इस राष्ट्रीय मंच पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर गर्व व्यक्त किया है। यूएमसी डॉ. राजीव चौधरी, डीडब्ल्यूएस प्रबंधक : डॉ. प्रिया कनोजे, खेल अधिकारी है।

## कार की टक्कर से बालक की मौत

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** अमलेश्वर मार्ग पर आज कार क्रमांक सीजी-08-एडब्ल्यू-9300 ने सायकल सवार बच्चों को ठोकर मार दिया। इससे टकेश्वर साहू नाम बालक की मौत हो गई जबकि दूसरे बच्चों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टकेश्वर पिता रोहित साहू उम्र 12 वर्ष अमलेश्वर का रहने वाला था।

## छग सशस्त्र बल के जवानों के नाम पर फर्जी सिम बेचने का खुलासा

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के जवानों के नाम का दुरुपयोग कर फर्जी सिम जारी करने और उन्हें बेचने का मामला सामने आया है। इस घोटाले में लगभग दो दर्जन अज्ञात लोगों को मोबाइल सिम बेचे गए, जिनमें जवानों के नाम के दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। मामले की जानकारी जवानों ने रायपुर एसएसपी एवं आईजी पीएचक्यू को दी थी, जिसके बाद जांच शुरू हुई। आईजी ने 8 जुलाई को गोबरा नवापारा पुलिस को पत्र भेजकर फर्जी सिम जारी करने वाले प्वाइंट ऑफ सेल की सूची साझा की और वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। करीब चार माह की जांच के बाद इस मामले में अपराध दर्ज किया गया।

जांच में कुल 22 मोबाइल नंबरों की पहचान की गई। दस्तावेजों की जांच में यह खुलासा हुआ कि तीन जवानों के सेवाराम सेन, पिता पलटन सेन, उम्र 49 वर्ष, निवासी बेहरापाल, थाना राजिम, गरियाबंद, कोमल टंडन, पिता छत्र कुमार टंडन, उम्र 18 वर्ष, निवासी पोखरा, थाना राजिम, गरियाबंद, कौशल गायकवाड़, पिता भोगचंद गायकवाड़, उम्र 18 वर्ष, निवासी पोखरा, थाना राजिम, गरियाबंद है नाम का दुरुपयोग किया गया। जांच में पता चला कि इन जवानों की जानकारी के बिना दर्शन दीप जैन, संचालक आगम टेलीकॉम, नवापारा, ने उनके दस्तावेजों का फर्जी इस्तेमाल किया और उक्त मोबाइल नंबरों को अन्य लोगों को बेच दिया। ये सभी मोबाइल नंबर अब अन्य व्यक्ति संचालित कर रहे हैं।

सेवाराम सेन और कौशल गायकवाड़ ने बताया कि उन्होंने मोबाइल नंबर के सिम लिए लेकिन कभी उपयोग नहीं किया। कोमल टंडन ने कहा कि उसने सिम डेढ़ वर्ष पहले प्राप्त किया था, एक माह चलाने के बाद सिम तोड़कर फेंक दिया। पुलिस ने पाया कि पीओएस आईडी 43891995 से दर्शन दीप जैन ने सेवाराम सेन, कौशल गायकवाड़, कोमल टंडन और अन्य लोगों के पहचान पत्र और फोटो का फर्जी उपयोग कर 25 मोबाइल नंबर जारी किए। इस फर्जीवाड़े के आधार पर पुलिस ने दर्शन दीप जैन के खिलाफ धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया। इस मामले में जांच जारी है और पुलिस द्वारा अन्य संभावित लोगों की भी पहचान की जा रही है, जिन्होंने फर्जी सिम का उपयोग किया। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी सिम या मोबाइल नंबर के पंजीकरण के लिए दस्तावेज़ों का उपयोग करते समय सतर्क रहें। यदि किसी को भी फर्जीवाड़ा या संदिग्ध गतिविधि के बारे में जानकारी मिले, तो तुरंत नजदीकी थाना या साइबर हेल्पलाइन को सूचित करें। यह मामला छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों और नागरिक सुरक्षा दोनों के लिए चेतावनी है।

## एसआईआर की समय सीमा 7 दिन बढ़ाया जाना अपर्याप्त : कांग्रेस

रायपुर, 1 दिसम्बर। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अवधि को एक सप्ताह बढ़ाये जाने को कांग्रेस ने अपर्याप्त बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस ने राज्य चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंप कर छत्तीसगढ़ में एसआईआर की अवधि को तीन माह बढ़ाये जाने की मांग किया था। राज्य में वर्तमान में धान कटाई और धान बेचने का काम चल रहा है। राज्य के बस्तर क्षेत्र में भीषण बाढ़ के कारण लोगों के आवश्यक दस्तावेज बह गये थे, खराब हो गये है। ऐसे में एक माह की अवधि में एसआईआर को पूरा करना असंभव है। इसलिए भी लोगों को दस्तावेज जमा करने के लिए कम से कम तीन माह का समय दिया ही जाना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य में मनरेगा का काम बंद होने के कारण प्रदेश के बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, जशपुर, बस्तर के कुछ क्षेत्रों से बड़े संख्या में लोग रोजी-रोटी के लिए पलायन करके प्रदेश के बाहर गये है, उन सब का एसआईआर 1 माह में हो पाना कठिन है। इसके साथ ही बस्तर के 600 से अधिक गांव के लोग जो नक्सल प्रभावित थे, वर्षो से बस्तर छोड़ तेलंगाना, आंध्रप्रदेश चले गये थे उनको एसआईआर इतने कम समय में कैसे होगा, यह बड़ा सवाल है। इसलिए यह जरूरी है कि आयोग एसआईआर की अवधि को तीन माह बढ़ाये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एसआईआर को शुरू हुए 26 दिन हो गये अभी तक भौतिक रूप से 50 फीसदी मतदाताओं का प्रपत्र भरकर जमा नहीं हुआ है ऐसे में शेष 10 दिनों में सभी का एसआईआर कैसे हो पायेगा? आयोग सिर्फ कागजी दावे करता है कि 97 प्रतिशत लोगों का फार्म जमा हो चुका है जबकि अभी भी बहुत लोगों तक फार्म नहीं पहुंचा है और जमा भी नहीं हुआ है। सभी को पर्याप्त समय मिले इसलिए भी समय सीमा बढ़ाया जाना चाहिए।

### धान बेचने के लिए परेशान हो रहे किसान : शुक्ला

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** धान खरीदी को शुरू हुए 15 दिन हो गये लेकिन सरकार अभी तक खरीदी की व्यवस्था नहीं बना पाई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सोसायटी में फैली अव्यवस्था के कारण किसान पंजीयन के लिए भटक रहे है, लोगों का टोकन नहीं कट रहा है। किसान रोज सोसायटी जाकर घूम कर वापस आ जा रहे है। धान खरीदी को लेकर सरकार की नीयत में खोट दिख रहा है। न समय पर किसानों को टोकन मिल रहा है और न ही पूरे रकबे के हिसाब से तौलाई हो रही है, गिरदावरी और अनावरी रिपोर्ट का हवाला देकर कम धान खरीदा जा रहा है। सरकार घोषित नीति प्रति एकड़ 21 क्विंटल के हिसाब से खरीदी नहीं कर रही किसी भी सोसायटी में 16 से लेकर 19 क्विंटल से अधिक की खरीदी नहीं हो रही। धान बेचने के लिए किसानों को टोकन नहीं मिल पा रहा। बहुत से किसानों का आज भी धान बेचने के लिए एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन नहीं हो पाया है वे भटक रहे। डबल इंजन की सरकार किसानों का पूरा धान 3100 रु. के भाव से नहीं खरीदना चाहती इसलिए जानबूझकर परेशानी पैदा की जा रही। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि एग्रीस्टेक पोर्टल में 2023 के बाद खातो में परिवर्तन एवं बंटवारा, फौती का डाटा नहीं डाला गया है जिसके कारण भी बहुत से किसानों का आज तक पंजीयन नहीं हुआ। इसके साथ ही समिति के कम्प्यूटर में एग्रीस्टेक पोर्टल का पूरा डाटा नहीं चढ़ा है। पोर्टल और सोसायटी के डाटा में मिलान नहीं हो पा रहा है।

**नई व्यवस्था** | पहले चरण में यह व्यवस्था अवर सचिव और उनसे सीनियर सभी अधिकारियों पर लागू

# मंत्रालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक अनिवार्य

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** छत्तीसगढ़ में सरकारी कामकाज में सख्ती के लिए आज से मंत्रालय में बायोमेट्रिक अटेंडेस अनिवार्य कर दी गई है। सिस्टम को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय के हर विभाग में कर्मचारियों और अधिकारियों की अडेंडेस व्यवस्था को हाई-टेक करने के फैसला लिया गया है। नवंबर महीने में राज्य के मुख्य सचिव ने इसका डेमो देखा था और फिर फैसला किया।

जानकारी के अनुसार, शुरुआती चरण में यह व्यवस्था अवर सचिव और उनसे सीनियर सभी अधिकारियों पर लागू होगी। जनवरी से इसे सभी संचालनालयों में और इसके बाद जिले स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में लागू करने की तैयारी है।

### क्या लिया गया फैसला

पारदर्शिता, समयपालन और प्रशासनिक कार्यकुशलता को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार ने यह फैसला लिया है। मंत्रालय के दोनों परिसरों महानदी भवन और इन्द्रावती भवन में संचालित सभी विभाग के लिए आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने की घोषणा की गई थी। अब 1 दिसंबर से मंत्रालय में अब सभी कर्मचारियों की उपस्थिति इसी के माध्यम से होगी।

### सीएस ने देखा था डेमो

मुख्य सचिव विकास शील ने नए सिस्टम का लाइव प्रदर्शन देखा था। जिसमें फेसियल ऑथेंटिकेशन आधारित उपस्थिति प्रणाली तथा दीवार पर लगाए गए आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपकरणों का डेमो प्रस्तुत किया गया था। जिसके बाद उन्होंने निर्देश दिए थे कि मंत्रालय में ,श्क्क्र के माध्यम से उपस्थिति अनिवार्य होगी।

### दो विकल्प दिए गए हैं

अधिकारियों और कर्मचारियों की एंट्री के लिए दो विकल्प दिए गए हैं। एक बार प्रवेश के समय इन और दूसरी बार प्रस्थान के समय आउट करना होगा। पहला, मंत्रालय के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर दीवार पर लगाए गए थम्ब-बेस्ड आधार-सक्षम बायोमेट्रिक डिवाइस, जिन पर अंगूठा लगाकर उपस्थिति दर्ज होगी। दूसरा, स्मार्टफोन पर उपलब्ध आधार आधारित फेशियल वेरिफिकेशन सिस्टम है। जिसके जरिए अधिकारी मोबाइल से ही अपनी एंट्री और एग्जिट मार्क कर सकेंगे।

## तीन महीने तक अलग-अलग दिन की जाएगी निलंबित सारनाथ एक्सप्रेस

**रायपुर, 1 दिसम्बर।** सारनाथ एक्सप्रेस के पहिए को आज से लेकर 2026 के फरवरी माह तक तीन माह के लिए अलग-अलग दिनों में रोक दिया जाएगा. इसके कारण यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है. इस रूट पर चलने वाली एक बरौनी एक्सप्रेस है जो प्रयागराज तक जाती नहीं है. वहीं नौतनवा एक्सप्रेस साप्ताहिक चलती है, जिसमें कंफर्म बर्थ मिलना भी काफी मुश्किल है।

दुर्ग से छपरा के बीच चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रेन है. इसमे सबसे अधिक यात्रियों की भीड़ प्रयागराज और बनारस जाने वालों की होती है, जिसकी वजह से साल के पूरे 365 दिन जनरल कोच के साथ स्लीपर और एसी कोच में भी वात्रियों को कंफर्म बर्थ नहीं मिल पाती है. छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और बिहार तक चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस वर्तमान में बिलासपुर के बजाय दुर्ग से रवाना होकर रायपुर, भाटापारा होते हुए उसलापुर से सीधे निकाली जा रही है. सबसे अधिक यात्रियों की भीड़ और रेलवे को राजस्व देने वाली दुर्ग से छपरा के बीच चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को रेल प्रशासन ने उत्तर भारत में कोहरे के कारण अलग-अलग दिन में रद्द करने का आदेश दे दिया है. इसकी वजह रेल प्रशासन ने आगामी दिनों में कोहरे के कारण ट्रेन परिचालन में परेशानी को बताया है. रेलवे के अनुसार 15159 छपरा से दुर्ग के बीच चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को 1 दिसंबर से 14 फरवरी तक अलग-अलग दिनों में रोकी जाएगी. इसमें 1, 3, 6, 8, 10, 13, 15, 17, 20, 24, 27, 29 और 31 दिसंबर को, जनवरी माह में 3, 5, 7, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28, 31 को, फरवरी माह में 2, 4, 7, 9, 11, 14 तारीख को ट्रेन रद्द की जाएगी. इन तिथियों को छोड़कर सारनाथ अपने निर्धारित समय के अनुसार चलेगी. इसके अलावा छपरा से दुर्ग की तरह 15160 दुर्ग से उसलापुर होकर छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को 2 दिसंबर से 27 फरवरी तक रद्द किया गया है। इसमें 2, 4, 7, 9, 11, 14, 16, 18, 21, 23, 25, 28 और 30 दिसंबर को, जनवरी माह में 1, 4, 6, 8, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27 और 29 को, फरवरी माह में 1, 3, 5, 8, 10, 12, 15 तारीख को रद्द की जाएगी।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26